

II SHREE VITRAAGAAYA NAMAH II



UPPANEIVĀ
VIGAMEIVĀ
DHUVEIVĀ

आचारांग सुत्तं
ĀCĀRĀNGA SŪTRA

पंचम गणधर सिरि सुहम्मसामी विरइयं

आयारो

आचारंग सुत्तं

ĀCĀRĀNGA SŪTRA

मूल पाठ

Ardhamāgadhī Aphorisms

अंग आगम - १

1st AṅGA ĀGAMA

Bhagwan Mahāvīra's Precepts

Sūtra First Composed By Fifth Gaṇadhara

ŚRĪ SUDHARMĀ SWĀMĪ

Vallabhi Council (Synod) Chair

DEVARDDHIGAṆĪ KṢAMAŚRAMANA

Published By

GLOBAL JAIN AAGAM MISSION

आयारो
आचारंग सुत्तं
ĀCĀRĀNGA SŪTRA

First eBook Edition (PDF) – 2012

Source of Ardhamāgadhī Aphorisms:
GURUPRAN AAGAM BATRISI (Aagam Series)
(Gujarati 2nd Edition, 2009)
Published on the Occasion of 100th Birth Anniversary of
SAURASHTRA KESHARI GURUDEV
PUJYA SHREE PRANLALJI M. S.

Text in “Mangal (Unicode)” Font

Published By:
GLOBAL JAIN AAGAM MISSION
C/o. Pawandham, Mahavir Nagar,
Kandivali (W), Mumbai - 400 067
Tel.: +91 92233 14335, e-mail : info@jainaagam.org
www.jainaagam.org / www.parasdham.org

GLOBAL JAIN AAGAM MISSION

Promoting Compassionate and Nonviolent Living

MISSION:

Global Jain Aagam Mission promotes the eternal truths of Jain *Āgama* (precepts of Lord Mahāvīra) to build a compassionate and nonviolent lifestyle in the world.

GOALS AND OBJECTIVES:

- Translate all Jain *Āgamas* (scriptures) into English and other world languages
- Make *Āgamas* available in all electronic forms
- Promote awareness of *Āgama* throughout the world
- Educate and uphold Jain way of life using expertise of social media
- Promote a compassionate and nonviolent lifestyle throughout the world
- Encourage and promote research on *Āgamas* to develop approaches to the world challenges (ecology & environment, global warming, world peace, psychology, health, scientific principles, etc.)
- Hold periodic conventions to promote exchanges among world's scholars
- Interface with interreligious organizations and other guiding institutions
- Be a resource for information and referral
- Work co-operatively with local, regional, national, and global organizations

TRANSLATION OF JAIN AAGAMAS INTO ENGLISH:

The Global Jain Aagam Mission has embarked on a project to translate and publish all Jain *Āgamas* into English. The English translation of the *Āgama* will help youth of today in India and abroad to learn and understand Lord Mahāvīra's preachings. The goal is to reach every household and every person in the world to impart the wisdom of the *Āgamas*. In a non-sectarian way, this Mission will endeavor to deliver the Lord Mahāvīra's message to hearts of the people. The translated *Āgamas* will be distributed to various libraries, universities and Jain institutions within our country and abroad. In addition, it will be made available on the Internet and in electronic forms of eBooks, etc. Many learned intellectuals from different countries and cultures have supported this project of translating the *Āgamas* into English. The work is being performed in cities of Mumbai, Ahmedabad, Bangalore, Shravanbelgola, Delhi, Jaipur, Chennai, Kolkata, Banaras, Ladnu, Dubai, and USA. In addition, this mission is receiving guidance and blessings from spiritual leaders of various religious traditions.

INVITATION TO PARTICIPATE:

We invite scholars, spiritual aspirants and *shrāvakas* to join us in making this mission a success. Your contribution of knowledge, time, and money will be appreciated.

Please contact by email at info@jainaagam.org or by phone to:

Girish Shah at Tel. +91-92233-14335 or Gunvant Barvalia at Tel. +91-98202-15542

Table of Content - विषय सूची

पढमो सुयखंधो.....	1
पढमं अज्झयणं.....	1
सत्थपरिण्णा.....	1
पढमो उद्देसो.....	1
बिइओ उद्देसो.....	1
तइओ उद्देसो.....	3
चउत्थो उद्देसो.....	3
पंचमो उद्देसो.....	4
छट्ठो उद्देसो.....	5
सत्तमो उद्देसो.....	6
बीअं अज्झयणं.....	7
लोगविजओ.....	7
पढमो उद्देसो.....	7
बीओ उद्देसो.....	8
तइओ उद्देसो.....	8
चउत्थो उद्देसो.....	9
पंचमो उद्देसो.....	10
छट्ठो उद्देसो.....	11
तइयं अज्झयणं.....	12
सीओसणिज्जं.....	12
पढमो उद्देसो.....	12
बीओ उद्देसो.....	12
तइओ उद्देसो.....	13
चउत्थ अज्झयणं.....	15
सम्मत्तं.....	15
पढमो उद्देसो.....	15
बीओ उद्देसो.....	15
तइओ उद्देसो.....	16
चउत्थो उद्देसो.....	17
पचमं अज्झयणं.....	17
पढमो उद्देसो.....	17
बीओ उद्देसो.....	18
तइओ उद्देसो.....	19
चउत्थो उद्देसो.....	19
पंचमो उद्देसो.....	20
छट्ठो उद्देसो.....	21
छट्ठं अज्झयणं.....	22
धूयं.....	22
पढमो उद्देसो.....	22
बीओ उद्देसो.....	23
तइओ उद्देसो.....	23
चउत्थो उद्देसो.....	24
पंचमो उद्देसो.....	24
सत्तमो अज्झयणं.....	25
महापरिण्णा.....	25
अट्ठमं अज्झयणं.....	25
विमोक्खो.....	25
पढमो उद्देसो.....	26
बीओ उद्देसो.....	26
तइओ उद्देसो.....	27
चउत्थो उद्देसो.....	28
पंचमो उद्देसो.....	28
छट्ठो उद्देसो.....	29
सत्तमो उद्देसो.....	30
अट्ठमो उद्देसो.....	30
नवमं अज्झयणं.....	32
उवहाणसुयं.....	32
पढमो उद्देसो.....	33
बीओ उद्देसो.....	34
तइओ उद्देसो.....	36

चउत्थो उद्देसो	37
पढमो सुयखंधो समत्तो	38
बीओ सुयखंधो.....	39
आचार चूला.....	39
पढमं अज्झयणं.....	39
पिंडसणा	39
पढमो उद्देसो	39
बीओ उद्देसो	41
तइओ उद्देसो.....	42
चउत्थो उद्देसो	44
पंचमो उद्देसो.....	45
छट्ठो उद्देसो.....	47
सतमो उद्देसो	48
अट्ठमो उद्देसो.....	50
नवमो उद्देसो.....	52
दसमो उद्देसो.....	53
एगारसमो उद्देसो.....	55
बीअं अज्झयणं.....	56
सेज्जा	56
पढमो उद्देसो	56
बीओ उद्देसो	59
तइओ उद्देसो.....	62
तइअं अज्झयणं	65
इरिया	65
पढमो उद्देसो	65
बीओ उद्देसो	68
तइओ उद्देसो.....	70
चउत्थं अज्झयणं	72
भासाज्जातं.....	72
पढमो उद्देसो	72
बीओ उद्देसो	74
पंचमं अज्झयणं	77
वत्थेसणा.....	77
पढमो उद्देसो	77
बीओ उद्देसो	80
छट्ठं अज्झयणं.....	81
पाएसणा	81
पढमो उद्देसो	81
बीओ उद्देसो	83
सत्तमं अज्झयणं.....	85
ओग्गह पडिमा.....	85
पढमो उद्देसो	85
बीओ उद्देसो	86
अट्ठमं अज्झयणं	88
ढाण-सत्तिक्कयं.....	88
नवमं अज्झयणं	89
णिसीहिया सत्तिक्कयं.....	89
दसमं अज्झयणं	90
सत्तिक्कयं.....	90
एगारसमं अज्झयण	92
सद्द-सत्तिक्कयं	92
बारसमं अज्झयणं	94
रूवसत्तिक्कयं	94
तेरसमं अज्झयणं	94
परकिरिया-सत्तिक्कयं	94
चउद्दसमं अज्झयणं.....	97
अण्णुणकिरिया-सत्तिक्कयं	97
पनरसम अज्झयणं.....	97
भावणा	97
सोलसमं अज्झयणं	108
विमुत्ति	108
॥ बीओ सुयखंधो समत्तो ॥.....	108
॥ आचारं सुत्तं समत्तं ॥.....	109

पढमो सुयखंधो

पढमं अज्झयणं

सत्थपरिण्णा

पढमो उद्देशो

१ सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं-इहमेगेषिं णो सण्णा भवइ । तं जहा- पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, दाहिणाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, पच्चत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उत्तराओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उड्ढाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, अहे दिसाओ वा आगओ अहमंसि, अण्णयरीओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि ।

एवमेगेषिं णो णायं भवइ-अत्थि मे आया उववाइए, णत्थि मे आया उववाइए, के अहं आसी, के वा इओ चुओ इह पेच्चा भविस्सामि ।

२ से जं पुण जाणेज्जा सहसम्मइयाए परवागरणेणं अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा, तं जहा- पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि जाव अण्णयरीओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि ।

एवमेगेषिं जं णायं भवइ अत्थि मे आया उववाइए, जो इमाओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ जो आगओ अणुसंचरइ, सोऽहं । से आयावाई लोयावाई कम्मावाई किरियावाई ।

३ अकरिस्सं च हं, कारवेसुं च हं, करओ यावि समणुण्णे भविस्सामि । एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ।

४ अपरिण्णायकम्मे खलु अयं पुरिसे, जो इमाओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ साहेइ, अणेगरूवाओ जोणीओ संधेइ, विरूवरूवे फासे पडिसंवेदेइ ।

५ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया। इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण माणण पूयणाए, जाई मरण मोयणाए, दुक्खपडिघाय हेउं । एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ।

६ जस्सेते लोगंसि कम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे। त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बिइओ उद्देशो

१ अट्ठे लोए परिजुण्णे दुस्संबोहे अविजाणए । अस्सिं लोए पव्वहिए तत्थ तत्थ पुढो पास आउरा परितावेंति ।

२ संति पाणा पुढो सिआ । लज्जमाणा पुढो पास । अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा, जमिणं विरुवरूवेहिं सत्थेहिं पुढविकम्मसमारंभेणं पुढविसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ।

३ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया । इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणणपूयणाए, जाई-मरण-मोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं; से सयमेव पुढविसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा पुढविसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणइ । तं से अहियाए, तं से अबोहीए ।

४ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुद्धाए । सोच्चा भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ-एस खलु गंधे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए ।

इच्चत्थं गढिए लोए । जमिणं विरुवरूवेहिं सत्थेहिं पुढविकम्मसमारंभेणं पुढविसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ।

५ से बेमि-अप्पेगे अंधमब्भे, अप्पेगे अंधमच्छे ।

अप्पेगे पायमब्भे, अप्पेगे पायमच्छे, अप्पेगे गुप्फमब्भे, अप्पेगे गुप्फमच्छे, अप्पेगे जंधमब्भे, अप्पेगे जंधमच्छे, अप्पेगे जाणुमब्भे, अप्पेगे जाणुमच्छे, अप्पेगे ऊरुमब्भे, अप्पेगे ऊरुमच्छे, अप्पेगे कडिमब्भे, अप्पेगे कडिमच्छे, अप्पेगे णाभिमब्भे, अप्पेगे णाभिमच्छे, अप्पेगे उयरमब्भे, अप्पेगे उयरमच्छे, अप्पेगे पासमब्भे, अप्पेगे पासमच्छे, अप्पेगे पिट्ठिमब्भे, अप्पेगे पिट्ठिमच्छे, अप्पेगे उरमब्भे, अप्पेगे उरमच्छे, अप्पेगे हिययमब्भे, अप्पेगे हिययमच्छे, अप्पेगे थणमब्भे, अप्पेगे थणमच्छे, अप्पेगे खंधमब्भे, अप्पेगे खंधमच्छे, अप्पेगे बाहुमब्भे, अप्पेगे बाहुमच्छे, अप्पेगे हत्थमब्भे, अप्पेगे हत्थमच्छे, अप्पेगे अंगुलिमब्भे, अप्पेगे अंगुलिमच्छे, अप्पेगे णहमब्भे, अप्पेगे णहमच्छे, अप्पेगे गीवमब्भे, अप्पेगे गीवमच्छे, अप्पेगे हणुयमब्भे, अप्पेगे हणुयमच्छे, अप्पेगे होढुमब्भे, अप्पेगे होढुमच्छे, अप्पेगे दंतमब्भे, अप्पेगे दंतमच्छे, अप्पेगे जिब्भमब्भे, अप्पेगे जिब्भमच्छे, अप्पेगे तालुमब्भे, अप्पेगे तालुमच्छे, अप्पेगे गलमब्भे, अप्पेगे गलमच्छे, अप्पेगे गंडमब्भे, अप्पेगे गंडमच्छे, अप्पेगे कण्णमब्भे, अप्पेगे कण्णमच्छे, अप्पेगे णासमब्भे, अप्पेगे णासमच्छे, अप्पेगे अच्छिमब्भे, अप्पेगे अच्छिमच्छे, अप्पेगे भमुहमब्भे, अप्पेगे भमुहमच्छे, अप्पेगे णिडालमब्भे, अप्पेगे णिडालमच्छे, अप्पेगे सीसमब्भे, अप्पेगे सीसमच्छे । अप्पेगे संपमारए । अप्पेगे उद्दवए ।

६ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति ।

तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं पुढविसत्थं समारंभेज्जा, णेवऽण्णेहिं पुढवि सत्थं समारंभावेज्जा, णेवऽण्णे पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा ।

जस्सेते पुढविकम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति । से हु मुणी परिण्णायकम्मे । त्ति बेमि ।

॥ बिइओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

- १ से बेमि- से जहा वि अणगारे उज्जुकडे णियागपडिवण्णे अमायं कुव्वमाणे वियाहिए ।
२ जाए सद्धाए णिकखंतो तमेव अणुपालिया वियहित्तु विसोत्तियं । पणया वीरा महावीहिं ।
३ लोगं च आणाए अभिसमेच्चा अकुतोभयं ।

से बेमि- णेव सयं लोगं अब्भाइक्खेज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खेज्जा । जे लोगं अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ; जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से लोगं अब्भाइक्खइ ।

- ४ लज्जमाणा पुढो पास । 'अणगारा मो' त्ति एगे पवयमाणा, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ।

तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया- इमस्स चेव जीवियस्स, परिवंदण माणण पूयणाए, जाई मरण मोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव उदयसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा उदयसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा उदयसत्थं समारंभंते समणुजाणइ । तं से अहियाए तं से अबोहीए ।

से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुद्धाए । सोच्चा खलु भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए, इहमेगेसिं णायं भवइ- एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए ।

इच्चत्थं गढिए लोए । जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ।

- ५ से बेमि- संति पाणा उदयणिस्सिया जीवा अणेगे । इहं च खलु भो अणगाराणं उदय जीवा वियाहिया। सत्थं चेत्थ अणुवीइ पास । पुढो सत्थं पवेइयं । अदुवा अदिण्णादाणं ।

- ६ कप्पइ णे, कप्पइ णे, पाउं अदुवा विभूसाए । पुढो सत्थेहिं विउट्ठंति । एत्थ वि तेसिं णो णिकरणाए ।

- ७ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं उदयसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं उदयसत्थं समारंभावेज्जा, उदयसत्थं समारंभंते वि अण्णे ण समणुजाणेज्जा । जस्सेते उदयसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे । त्ति बेमि ।

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ से बेमि- णेव सयं लोगं अब्भाइक्खेज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खेज्जा । जे लोगं अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ । जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से लोगं अब्भाइक्खइ । जे दीहलोगसत्थस्स खेयण्णे, से असत्थस्स खेयण्णे । जे असत्थस्स खेयण्णे, से दीहलोगसत्थस्स खेयणे ।

- २ वीरेहिं एयं अभिभूय दिद्वं, संजएहिं, सया जएहिं, सया अप्पमत्तेहिं । जे पमत्ते गुणद्विए, से हु दंडे पवुच्चइ । तं परिण्णाय मेहावी इयाणिं णो जमहं पुव्वमकासी पमाएणं ।
- ३ लज्जमाणा पुढो पास । अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारंभेणं अगणिसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ।
- तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया- इमस्स चेव जीवियस्स, परिवंदण माणण पूयणाए, जाई-मरण-मोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव अगणिसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा अगणिसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा अगणिसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ । तं से अहियाए, तं से अबोहीए । से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुद्धाए ।
- सोच्चा खलु भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ- एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गदिए लोए, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारंभेणं अगणिसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ।
- ४ से बेमि- संति पाणा पुढविणिस्सिया तणणिस्सिया पत्तणिस्सिया कट्ठणिस्सिया गोमयणिस्सिया कयवरणिस्सिया । संति संपातिमा पाणा आहच्च संपयंति । अगणिं च खलु पुढा एगे संघायमावज्जंति । जे तत्थ संघायमावज्जंति ते तत्थ परियावज्जंति । जे तत्थ परियावज्जंति ते तत्थ उद्दयंति ।
- ५ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाय भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाय भवंति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं अगणिसत्थं समारंभेज्जा, णेवऽण्णेहिं अगणिसत्थं समारंभावेज्जा, अगणिसत्थं समारंभंते वि अण्णे ण समणुजाणेज्जा । जस्सेते अगणिकम्मसमारंभा परिण्णाय भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे । त्ति बेमि ।

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो ॥

- १ तं णो करिस्सामि समुद्धाए मत्ता मइमं अभयं विदित्ता, तं जे णो करए एसोवरए, एत्थोवरए, एस अणगारे त्ति पवुच्चइ ।
- २ जे गुणे से आवट्टे, जे आवट्टे से गुणे । उड्ढं अहं तिरियं पाईणं पासमाणे रूवाइं पासइ, सुणमाणे सद्दाइं सुणेइ । उड्ढं अहं तिरियं पाईणं मुच्छमाणे रूवेसु मुच्छइ, सद्देसु यावि । एस लोए वियाहिए । एत्थ अगुत्ते अणाणाए पुणो पुणो गुणासाए वंकसमायारे पमत्ते अगारमावसे ।
- ३ लज्जमाणा पुढो पास । अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ । तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया- इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण माणण पूयणाए, जाई मरण मोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव वणस्सइसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वणस्सइसत्थं समारंभावेइ, अण्णे

वा वणस्सइसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ । तं से अहियाए, तं से अबोहीए । से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुद्धाए । सोच्चा खलु भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ- एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइसत्थं- समारंभेणं वणस्सइसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ।

४] से बेमि इमं पि जाइधम्मयं, एयं पि जाइधम्मयं । इमं पि वुड्ढिधम्मयं, एयं पि वुड्ढिधम्मयं । इमं पि चित्तमंतयं, एयं पि चित्तमंतयं । इमं पि छिण्णं मिलाइ, एयं पि छिण्णं मिलाइ । इमं पि आहारगं, एयं पि आहारगं । इमं पि अणिच्चयं, एयं पि अणिच्चयं । इमं पि असासयं, एयं पि असासयं । इमं पि चयावचइयं, एयं पि चयावचइयं । इमं पि विप्परिणामधम्मयं, एयं पि विप्परिणामधम्मयं ।

५] एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वणस्सइसत्थं समारंभेज्जा, णेवऽण्णेहिं वणस्सइसत्थं समारंभावेज्जा, वणस्सइसत्थं समारंभंते वि अण्णे ण समणुजाणेज्जा । जस्सेते वणस्सइसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे । त्ति बेमि ।

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देशो ॥

१] से बेमि- संतिमे तसा पाणा, तं जहा- अंडया पोयया जराउया रसया संसेइया सम्मुच्छिमा उब्भिया उववाइया । एस संसारे त्ति पवुच्चइ । मंदस्स अवियाणओ । णिज्झाइत्ता पडिलेहित्ता पत्तेयं परिणिव्वाणं । सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं सव्वेसिं जीवाणं सव्वेसिं सत्ताणं अस्सायं अपरिणिव्वाणं महब्भयं दुक्खं ति बेमि । तसंति पाणा पदिसो दिसासु य । तत्थ तत्थ पुढो पास आउरा परितावेंति । संति पाणा पुढो सिया ।

२] लज्जमाणा पुढो पास । अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ । तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया- इमस्स चेव जीवियस्स, परिवंदण माणण पूयणाए, जाई-मरण-मोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव तसकायसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा तसकायसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा तसकायसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ । तं से अहियाए, तं से अबोहीए । से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुद्धाए । सोच्चा खलु भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ- एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ।

३] से बेमि- अप्पेगे अच्छाए वहंति, अप्पेगे अजिणाए वहंति, अप्पेगे मंसाए वहंति, अप्पेगे सोणियाए वहंति, अप्पेगे हिययाए वहंति एवं पित्ताए वसाए पिच्छाए पुच्छाए वालाए सिंगाए विसाणाए दंताए दाढाए णहाए णहारूणीए अट्टिए अट्टिमिंजाए अट्टाए अणट्टाए । अप्पेगे हिंसिंसु मे त्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसंति मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसिस्संति मे त्ति वा वहंति ।

- ४ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं तसकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवऽण्णेहिं तसकायसत्थं समारंभावेज्जा, तसकायसत्थं समारंभंते वि अण्णे ण समणुजाणेज्जा । जस्सेते तसकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति । से हु मुणी परिण्णायकम्ममे । त्ति बेमि ।

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देशो

- १ पहु एजस्स दुगुंछणाए । आयंकदंसी अहियं ति णच्चा । जे अज्झत्थं जाणइ से बहिया जाणइ, जे बहिया जाणइ से अज्झत्थं जाणइ । एयं तुलमण्णेसिं । इह संतिगया दविया णावकंखंति जीविउं ।
- २ लज्जमाणा पुढो पास । अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरुवरूवेहिं सत्थेहिं वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ । तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया- इमस्स चेव जीवियस्स, परिवंदण, माणण पूयणाए, जाई-मरण मोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव वाउसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वाउसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणइ । तं से अहियाए, तं से अबोहीए । से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए । सोच्चा खलु भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ- एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए । जमिणं विरुवरूवेहिं सत्थेहिं वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे वि अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ।
- ३ से बेमि- संति संपाइमा पाणा आहच्च संपयंति । फरिसं च खलु पुट्ठा एगे संघायमावज्जंति । जे तत्थ संघायमावज्जंति ते तत्थ परियावज्जंति । जे तत्थ परियावज्जंति ते तत्थ उद्दायंति ।
- ४ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वाउसत्थं समारंभेज्जा, णेवऽण्णेहिं वाउसत्थं समारंभावेज्जा, णेवऽण्णे वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा । जस्सेते वाउसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्ममे । त्ति बेमि ।
- ५ एत्थं पि जाण उवादीयमाणा, जे आयारे ण रमंति, आरंभमाणा विणयं वयंति, छंदोवणीया अज्झोववण्णा आरंभसत्ता पकरैत्ति संगं । से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावं कम्मं तं णो अण्णेसिं ।
- ६ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवऽण्णेहिं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवऽण्णे छज्जीवणिकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा । जस्सेते छज्जीवणिकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्ममे ॥ त्ति बेमि ।

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

बीअं अज्झयणं

लोगविजओ

पढमो उद्देशो

१ जे गुणे से मूलद्वाणे जे मूलद्वाणे से गुणे । इति से गुणद्वी महया परियावेणं पुणो पुणो वसे पमत्ते । तं जहा- माया मे, पिया मे, भाया मे, भगिणी मे, भज्जा मे, पुत्ता मे, धूया मे, सुण्हा मे, सहि-सयण- संगंथ-संथुया मे, विवित्तोवगरण- परियद्वणभोयणच्छायणं मे । इच्चत्थं गढिए लोए वसे पमत्ते । अहो य राओ य परितप्पमाणे कालाकाल- समुद्वाई संजोगद्वी अद्वालोभी आलुं पे सहसक्कारे विणिविद्वचित्ते एत्थ सत्थे पुणो पुणो ।

२ अप्पं च खलु आउयं इहमेगेसिं माणवाणं । तं जहा- सोयपण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं चक्खुपण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं घाणपण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं रसपण्णाणेहिं पारिहायमाणेहिं फासपण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, अभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए तओ से एगया मूढभावं जणयंति ।

जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियगा तं पुत्विं परिवयंति, सो वा ते णियगे पच्छा परिवएज्जा । णालं ते तव ताणाए वा सरणाए वा, तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा । से ण हासाए, ण किइडाए, ण रईए, ण विभूसाए ।

३ इच्चेवं समुद्विए अहोविहारए । अंतरं च खलु इमं संपेहाए धीरे मुहुत्तमवि णो पमायए । वओ अच्चेइ जोव्वणं च ।

जीविए इह जे पमत्ता, से हंता छेत्ता भेत्ता लुं पिता विलुं पित्ता उद्वित्ता उत्तासइत्ता, अकडं करिस्सामि त्ति मण्णमाणे ।

जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियगा तं पुत्विं पोसेंति, सो वा ते णियगे पच्छा पोसेज्जा । णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा, तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ।

४ उवाईयसेसेण वा सण्णिहिसण्णिचयो कज्जइ इहमेगेसिं असंजयाणं (माणवाणं) भोयणाए । तओ से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जंति ।

जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियगा तं पुत्विं परिहरंति, सो वा ते णियगे पच्छा परिहरेज्जा ।

णालं ते तव ताणाए वा सरणाए वा, तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ।

५ जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं । अणभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए खणं जाणाहि पंडिए ।

जाव सोयपण्णाणा अपरिहीणा, जाव णेत्तपण्णाणा अपरिहीणा, जाव घाणपण्णाणा अपरिहीणा जाव जीहपण्णाणा अपरिहीणा जाव फासपण्णाणा अपरिहीणा, इच्चेतेहिं विरूवरूवेहिं पण्णाणेहिं अपरिहीणेहिं आयद्वं सम्मं समणुवासेज्जासि ॥ त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देसो समत्तो ॥

बीओ उद्देसो

- १ अरइं आउट्टे से मेहावी खणंसि मुक्के ।
- २ अणाणाए पुट्ठा वि एगे णियद्वंति मंदा मोहेण पाउडा । अपरिग्गहा भविस्सामो समुट्ठाए, लद्धे कामे अभिगाहइ। अणाणाए मुणिणो पडिलेहेति । एत्थ मोहे पुणो पुणो सण्णा, णो हव्वाए णो पाराए ।
- ३ विमुक्का हु ते जणा जे जणा पारगामिणो, लोभमलोभेण दुगुंछमाणे लद्धे कामे णाभिगाहइ । विणा वि लोभं णिक्खम्म एस अकम्मे जाणइ पासइ । पडिलेहाए णावकंखइ, एस अणगारे त्ति पवुच्चइ ।
- ४ अहो य राओ य परितप्पमाणे कालाकालसमुट्ठायी संजोगट्ठी अट्ठालोभी आलुं पे सहसक्कारे विणिविद्वचित्ते एत्थ सत्थे पुणो पुणो । से आयबले, से णायबले, से मित्तबले, से पेच्चबले, से देवबले, से रायबले, से चोरबले, से अतिहिबले, से किवणबले, से समणबले, इच्चेतेहिं विरूवरूवेहिं कज्जेहिं दंडसमायाणं । संपेहाए भया कज्जइ, पावमोक्खो त्ति मण्णमाणे अदुवा आसंसाए।
- ५ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं एतेहिं कज्जेहिं दंडं समारंभेज्जा, णेव अण्णं एतेहिं कज्जेहिं दंडं समारंभावेज्जा, णेवण्णे एतेहिं कज्जेहिं दंडं समारंभंतेवि समणुजाणेज्जा । एस मग्गे आरिएहिं पवेइए, जहेत्थ कुसले णोवलिं पेज्जासि त्ति बेमि ।

॥ बिइओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

- १ से असइं उच्चागोए, असइं णीयागोए । णो हीणे, णो अइरित्ते । णो पीहए । इति संखाए को गोयावाई ? को माणावाई ? कंसि वा एगे गिज्झो ? तम्हा पंडिए णो हरिसे, णो कुज्झो ।
- २ भूएहिं जाण पडिलेह सायं । समिए एयाणुपस्सी । तं जहा- अंधत्तं बहिरत्तं मूयत्तं काणत्तं कुंटत्तं खुज्जत्तं वडभत्तं सामत्तं सबलत्तं । सह पमाणं अणेगरूवाओ जोणीओ संधेइ, विरूवरूवे फासे पडिसंवेदेइ । से अबुज्झमाणे हतोवहते जाई-मरणं अणुपरियट्ठमाणे ।
- ३ जीवियं पुट्ठो पियं इहमेगेसिं माणवाणं खेत्त-वत्थु ममायमाणानं । आरत्तं विरत्तं मणिकुंडलं सह हिरण्णेण इत्थियाओ परिगिज्झ तत्थेव रत्ता । ण एत्थ तवो वा दमो वा णियमो वा दिस्सइ । संपुण्णं बाले जीविउकामे लालप्पमाणे मूढे विप्परियासमुवेइ । इणमेव णावकंखंति जे जणा धुवचारिणो । जाई-मरणं परिण्णाय चरे संकमणे दढे ।

- ४ णत्थि कालस्स णागमो । सव्वे पाणा पियाउया सुहसाया दुक्खपडिक्कूला अप्पियवहा पियजीविणो जीविउकामा । सव्वेसिं जीवियं पियं ।
- ५ तं परिगिज्झ दुपयं चउप्पयं अभिजुंजियाणं संसिंचियाणं तिविहेण जा वि य से तत्थ मत्ता भवइ अप्पा वा बहुगा वा । से तत्थ गढिए चिद्धइ भोयणाए । तओ से एगया विप्परिसिद्धं संभूयं महोवगरणं भवइ । तं पि से एगदा दायादा वा विभयंति, अदत्तहारो वा से अवहरइ, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सइ वा से, विणस्सइ वा से अगारदाहेण वा से डज्झइ। इति से परस्सऽद्वाए कूराइं कम्मइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेइ ।
- ६ मुणिणा हु एयं पवेइयं । अणोहंतरा एते, णो य ओहं तरित्तए । अतीरंगमा एते, णो य तीरं गमित्तए । अपारंगमा एते, णो य पारं गमित्तए । आयाणिज्जं च आदाय तम्मि ठाणे ण चिद्धइ । वितहं पप्प अखेयण्णे तम्मि ठाणम्मि चिद्धइ ।
- ७ उद्देसो पासगस्स णत्थि । बाले पुण णिहे कामसमणुण्णे असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवहं अणुपरियट्ठइ । त्ति बेमि ।

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ तओ से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जंति । जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियगा पुव्विं परिवयंति, सो वा ते णियगे पच्छा परिवएज्जा । णालं ते तव ताणाए वा सरणाए वा, तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा । जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं । भोगामेव अणुसोयंति, इहमेगेसिं माणवाणं । तिविहेण जा वि से तत्थ मत्ता भवइ अप्पा वा बहुगा वा । से तत्थ गढिए चिद्धइ भोयणाए । तओ से एगया विप्परिसिद्धं संभूयं महोवगरणं भवइ तं पि से एगया दायादा वा विभयंति अदत्तहारो वा से अवहरइ, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सइ वा से, विणस्सइ वा से, अगारदाहेण वा से डज्झइ। इति से परस्स अद्वाए कूराइं कम्मइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेइ।
- २ आसं च छंदं च विगिंच धीरे । तुमं चेव तं सल्लमाहट्ठु । जेण सिया तेण णो सिया । इणमेव णावबुज्झंति जे जणा मोहपाउडा ।
- ३ थीभि लोए पव्वहिए । ते भो ! वयंति एयाइं आयतणाइं । से दुक्खाए मोहाए माराए णरगाए णरग-तिरिक्खाए । सययं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ।
- ४ उदाहु वीरे अप्पमाओ महामोहे, अलं कुसलस्स पमाएणं, संतिमरणं संपेहाए भेउरधम्मं संपेहाए । णालं पास । अलं ते एतेहिं । एयं पास मुणि ! महब्भयं । णाइवाएज्ज कं च णं । एस वीरे पसंसिए जे ण णिव्विज्जइ आयाणाए ।
- ५ ण मे देइ ण कुप्पेज्जा, थोवं लद्धं ण खिंसए । पडिसेहिओ परिणमेज्जा। एयं मोणं समणुवासेज्जासि। त्ति बेमि ।

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो

- १ जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं लोगस्स कम्मसमारंभा कज्जंति । तं जहा- अप्पणो से पुत्ताणं धूयाणं सुण्हाणं णाइणं धाईणं राईणं दासाणं दासीणं कम्मकराणं कम्मकरीणं आएसाए पुढो पहेणाए सामासाए पायरासाए सण्णिहि सण्णिचयो कज्जइ इहमेगेसिं माणवाणं भोयणाए ।
- २ समुट्ठिए अणगारे आरिए आरियपण्णे आरियदंसी अयं संधी ति अदक्खु; से णाइए, णाइयावए, णाइयंतं समणुजाणए । सव्वामगंधं परिण्णाय गिरामगंधे परिव्वए । अदिस्समाणे कयविककएसु । से ण किणे, ण किणावए, किणंतं ण समणुजाणए ।
- ३ से भिक्खू कालण्णे बलण्णे मायण्णे खेयण्णे खणयण्णे विणयण्णे समयण्णे भावण्णे, परिग्गहं अममायमाणे कालेणुद्वाइ अपडिण्णे । दुहओ छेत्ता णियाइ ।
- ४ वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं उग्गहं च कडासणं एतेसु चेव जाणेज्जा । लद्धे आहारे अणगारे मायं जाणेज्जा । से जहेयं भगवया पवेइयं । लाभोत्ति ण मज्जेज्जा, अलाभोत्ति ण सोएज्जा, बहुं पि लद्धं ण णिहे । परिग्गहाओ अप्पाणं अवसक्केज्जा । अण्णहा णं पासए परिहरेज्जा । एस मग्गे आरिएहिं पवेइए, जहेत्थ कुसले णोवलिंपिज्जासि । त्ति बेमि।
- ५ कामा दुरतिक्कमा । जीवियं दुप्पडिबूहगं । कामकामी खलु अयं पुरिसे, से सोयइ जूरइ तिप्पइ पिट्ठइ परितप्पइ ।
- ६ आयतचक्खू लोगविपस्सी लोगस्स अहोभागं जाणइ, उड्ढं भागं जाणइ तिरियं भागं जाणइ, गढिए लोए अणुपरियट्ठमाणे। संधिं विदित्ता इह मच्चिएहिं, एस वीरे पसंसिए जे बद्धे पडिमोयए ।
- ७ जहा अंतो तहा बाहिं, जहा बाहिं तहा अंतो । अंतो अंतो पूइदेहंतराणि पासइ पुढो वि सवंताइं । पंडिए पडिलेहाए । से मइमं परिण्णाय मा य हु लालं पच्चासी । मा तेसु तिरिच्छमप्पाण मावायए ।
- ८ कासंकासे खलु अयं पुरिसे, बहुमायी कडेण मूढे पुणो तं करेइ लोहं, वेरं वड्ढेइ अप्पणो । जमिणं परिकहिज्जइ इमस्स चेव पडिबूहणयाए । अमरायइ महासड्ढी । अट्ठमेयं तु पेहाए । अपरिण्णाए कंदइ ।
- ९ से तं जाणह जमहं बेमि । तेइच्छं पंडिए पवयमाणे से हंता छेत्ता भेत्ता लुंपित्ता विलुंपित्ता उद्वइत्ता 'अकडं करिस्सामि' त्ति मण्णमाणे जस्स वि य णं करेइ, अलं बालस्स संगेणं, जे वा से कारेइ बाले । ण एवं अणगारस्स जायइ । त्ति बेमि।

॥ पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देशो

- १] से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए तम्हा पावं कम्मं णेव कुज्जा ण कारवेज्जा । सिया तत्थ एगयरं विप्परामुसइ छसु अण्णयरम्मि कप्पइ । सुहट्ठी लालप्पमाणे सएण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेइ । सएण विप्पमाणेण पुढो वयं पकुव्वइ जंसिमे पाणा पव्वहिया । पडिलेहाए णो णिकरण्याए । एस परिण्णा पवुच्चइ कम्मोवसंति ।
- २] जे ममाइयमइं जहाइ से जहाइ ममाइयं । से हु दिट्ठपहे मुणी जस्स णत्थि ममाइयं । तं परिण्णाय मेहावी विदित्ता लोगं, वंता लोगसण्णं, से मइमं परक्कमेज्जासि । त्ति बेमि ।
- ३] णारइं सहइ वीरे, वीरे णो सहइ रइं ।
जम्हा अविमणे वीरे, तम्हा वीरे ण रज्जइ ॥१॥
सद्धे फासे अहियासमाणे, णिविंद णंदिं इह जीवियस्स ।
मुणी मोणं समादाय, धुणे कम्मसरीरगं ॥२॥
पंतं लूहं सेवंति, वीरा समत्तदंसिणो ।
एस ओहंतरे मुणी, तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिए ॥३॥
त्ति बेमि ।
- ४] दुव्वसुमुणी अणाणाए, तुच्छए गिलाइ वत्तए । एस वीरे पसंसिए अच्चेइ लोगसंजोगं । एस णाए पवुच्चइ । जं दुक्खं पवेइयं इह माणवाणं तस्स दुक्खस्स कुसला परिण्णमुदाहरंति, इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो ।
- ५] जे अण्णदंसी से अण्णारामे, जे अण्णारामे से अण्णदंसी ।
- ६] जहा पुण्णस्स कत्थइ तहा तुच्छस्स कत्थइ । जहा तुच्छस्स कत्थइ तहा पुण्णस्स कत्थइ । अवि य हणे अणाइयमाणे । एत्थं पि जाण सेयं ति णत्थि । केऽयं पुरिसे, कं च णए । एस वीरे पसंसिए जे बद्धे पडिमोयए, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु।
- ७] से सव्वओ सव्वपरिण्णाचारी ण लिप्पइ छणपएण वीरे । से मेहावी अणुग्घायणस्स खेयण्णे जे य बंधपमोक्खमण्णेसी । कुसले पुण णो बद्धे णो मुक्के । से जं च आरभे, जं च णारभे, अणारद्धं च णारभे । छणं छणं परिण्णाय लोगसण्णं च सव्वसो।
- ८] उद्देशो पासगस्स णत्थि । बाले पुण णिहे कामसमणुण्णे असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्ठं अणुपरियट्ठइ । त्ति बेमि।

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

॥ बिइयं अज्झयणं समत्तं ॥

तइयं अज्झयणं

सीओसणिज्जं

पढमो उद्देशो

- १ सुत्ता अमुणी, मुणिणो सया जागरंति ।
- २ लोगंसि जाण अहियाय दुक्खं । समयं लोगस्स जाणित्ता एत्थ सत्थोवरए ।
- ३ जस्सिमे सद्दा य रूवा य गंधा य रसा य फासा य अभिसमण्णागया भवंति से आयवं णाणवं वेयवं धम्मवं बंभवं पण्णाणेहिं परियाणइ लोगं, मुणीति वच्चे धम्मविउ त्ति अंजू आवट्टसोए संगमभिजाणइ।
- ४ सीओसिणच्चाई से णिग्गंथे, अरइ-रइ सहे फरुसियं णो वेदेइ । जागर वेरोवरए वीरे । एवं दुक्खा पमोक्खसि ।
- ५ जरामच्चुवसोवणीए णरे सययं मूढे धम्मं णाभिजाणइ । पासिय आउरे पाणे अप्पमत्तो परिव्वए । मंता एयं मइमं पास, आरंभजं दुक्खमिणं ति णच्चा, माई पमाई पुणरेइ गब्भं । उवेहमाणो सद्ध-रूवेसु अंजू माराभिसंकी मरणा पमुच्चइ । अप्पमत्तो कामेहिं, उवरओ पावक्कमेहिं, वीरे आयगुत्ते खेयण्णे।
- ६ जे पज्जवजायसत्थस्स खेयण्णे से असत्थस्स खेयण्णे । जे असत्थस्स खेयण्णे से पज्जवजायसत्थस्स खेयण्णे ।
- ७ अक्कम्मस्स ववहारो ण विज्जइ । कम्मणा उवाहि जायइ । कम्मं च पडिलेहाए, कम्ममूलं च जं छणं।
- ८ पडिलेहिय सव्वं समायाय दोहिं अंतेहिं अदिस्समाणे । तं परिण्णाय मेहावी विदित्ता लोगं वंता लोगसण्णं । से मइमं परक्कमेज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

- १ जाइं च वुइडिं च इहऽज्ज पास, भूएहिं जाण पडिलेह सायं।
तम्हाऽतिविज्जो परमं ति णच्चा, समत्तदंसी ण करेइ पावं ॥१॥
उम्मं च पासं इह मच्चिएहिं, आरंभजीवी उभयाणुपस्सी ।
कामेसु गिद्धा णिचयं करैति, संसिच्चमाणा पुणरैति गब्भं ॥२॥

अवि से हासमासज्ज, हंता णंदीति मण्णइ ।

अलं बालस्स संगेणं, वेरं वड्ढेइ अप्पणो ॥३॥

तम्हाऽतिविज्जं परमं ति णच्चा, आयंकदंसी ण करेइ पावं।

अग्गं च मूलं च विगिंच धीरे, पलिछिंदिया णं णिक्कम्मदंसी ॥४॥

एस मरणा पमुच्चइ, से हु दिड्ढभए मुणी । लोगंसि परमदंसी विवित्तजीवी उवसंते समिए सहिए सया जए कालकंखी परिव्वए । बहं च खलु पावं कम्मं पगडं । सच्चंमि धिइं कुव्वह । एत्थोवरए मेहावी सव्वं पावं कम्मं झोसेइ ।

२ अणेगचित्ते खलु अयं पुरिसे, से केयणं अरिहइ पूरइत्तए । से अण्णवहाए अण्णपरियावाए अण्णपरिग्गहाए जणवयवहाए जणवय परियावाए जणवय- परिग्गहाए ।

३ आसेवित्ता एयमद्वं इच्चेवेगे समुड्डिया । तम्हा तं बिइयं णो सेवे णिस्सारं पासिय णाणीं । उववायं चवणं णच्चा अण्णं चर माहणे । से ण छणे, ण छणावए, छणंतं णाणुजाणइ । णिव्विंद णंदिं अरए पयासु अणोमदंसी णिसण्णे पावेहिं कम्महिं ।

४ कोहाइमाणं हणिया य वीरे, लोभस्स पासे णिरयं महंतं।

तम्हा हि वीरे विरए वहाओ, छिंदिज्ज सोयं लहुभूयगामी ॥५॥

गंथं परिण्णाय इहऽज्ज वीरे, सोयं परिण्णाय चरेज्ज दंते ।

उम्मज्ज लद्धं इह माणवेहिं, णो पाणिणं पाणे समारभेज्जासि ॥६॥

-त्ति बेमि ।

॥ बिइओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

१ संधिं लोगस्स जाणित्ता आयओ बहिया पास । तम्हा ण हंता ण विघायए । जमिणं अण्णमण्णवित्तिगिच्छाए पडिलेहाए ण करेइ पावं कम्मं । किं तत्थ मुणी कारणं सिया ? समयं तत्थुवेहाए अप्पाणं विप्पसायए।

अण्णपरमं णाणी, णो पमाए कयाइ वि । आयगुत्ते सया धीरे, जायामायाए जावए । विरागं रूवेहिं गच्छेज्जा, महया खुड्डएहिं वा । आगइं गइं परिण्णाय दोहिं वि अंतेहिं अदिस्समाणेहिं से ण छिज्जइ, ण भिज्जइ, ण डज्जइ, ण हम्मइ कं च णं सव्वलोए ।

२ अवरेण पुव्वं ण सरंति एगे, किमस्सऽतीतं किं वाऽऽगमिस्सं ।
भासंति एगे इह माणवा उ, जमस्स तीतं तं आगमिस्सं ॥१॥

णातीतमद्वं ण य आगमिस्सं अद्वं णियच्छंति तहागया उ ।

विधूतकप्पे एयाणुपस्सी णिज्झोसइत्ता खवए महेसी ॥२॥

- ३ का अरई के आणंदे ? एत्थंपि अग्गहे चरे । सव्वं हासं परिचयज्ज अल्लीणगुत्तो परिव्वए ।
- ४ पुरिसा! तुममेव तुमं मित्तं, किं बहिया मित्तमिच्छसि ? जं जाणेज्जा उच्चालइयं तं जाणेज्जा दुरालइयं, जं जाणेज्जा दुरालइयं तं जाणेज्जा उच्चालइयं । पुरिसा ! अत्ताणमेव अभिणिगिज्झ, एवं दुक्खा पमोक्खसि ।
- ५ पुरिसा ! सच्चमेव समभिजाणाहि । सच्चस्स आणाए उवट्ठिए से मेहावी मारं तरइ । सहिए धम्ममादाय सेयं समणुपस्सइ। दुहओ जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए, जंसि एगे पमायंति । सहिए दुक्खमत्ताए पुट्ठो णो झंझाए । पासिमं दविए लोगालोगपवंचाओ मुच्चइ । त्ति बेमि ।

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ से वंता कोहं च माणं च मायं च लोभं च । एयं पासगस्स दंसणं उवरयसत्थस्स पलियंतकरस्स, आयाणं णिसिद्धा सगडब्भि ।
- २ जे एगं जाणइ से सव्वं जाणइ, जे सव्वं जाणइ से एगं जाणइ ।
- ३ सव्वओ पमत्तस्स भयं, सव्वओ अप्पमत्तस्स णत्थि भयं ।
- ४ जे एगं णामे से बहुं णामे जे बहुं णामे से एगं णामे ।
- ५ दुक्खं लोगस्स जाणित्ता, वंता लोगस्स संजोगं, जंति वीरा महाजाणं । परेण परं जंति, णावकंखंति जीवियं ।
- ६ एगं विगिंचमाणे पुट्ठो विगिंचइ, पुट्ठो विगिंचमाणे एगं विगिंचइ ।
- ७ सइढी आणाए मेहावी लोगं च आणाए अभिसमेच्चा अकुतोभयं ।
- ८ अत्थि सत्थं परेण परं, णत्थि असत्थं परेण परं ।
- ९ जे कोहदंसी से माणदंसी, जे माणदंसी से मायादंसी, जे मायादंसी से लोभदंसी, जे लोभदंसी से पेज्जदंसी, जे पेज्जदंसी से दोसदंसी, जे दोसदंसी से मोहदंसी, जे मोहदंसी से गब्भदंसी, जे गब्भदंसी से जम्मदंसी, जे जम्मदंसी से मारदंसी, जे मारदंसी से णिरयदंसी, जे णिरयदंसी से तिरियदंसी जे तिरियदंसी से दुक्खदंसी । से मेहावी अभिणिवट्ठेज्जा कोहं च माणं च मायं च लोभं च पेज्जं च दोसं च मोहं च गब्भं च जम्मं च मारं च णरगं च तिरियं च दुक्खं च ।
- १० एयं पासगस्स दंसणं उवरयसत्थस्स पलियंतकरस्स । आयाणं णिसिद्धा सगडब्भि । किमत्थि उवाहि पासगस्स, ण विज्जइ ? णत्थि । त्ति बेमि ।

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

॥ बिइयं अज्झयणं समत्तं ॥

चउत्थ अज्झयणं

सम्मत्तं

पढमो उद्देशो

- १] से बेमि- जे य अईया जे य पडुप्पण्णा जे य आगमिस्सा अरहंता भगवंतो ते सव्वे एवमाइक्खंति, एवं भासंति, एवं पण्णवेंति, एवं परूवेंति- सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता ण हंतव्वा, ण अज्जावेयव्वा, ण परिघेयव्वा, ण परियावेयव्वा, ण उद्वेयव्वा । एस धम्मो सुद्धे णिइए सासए समिच्च लोयं खेयण्णेहिं पवेइए । तं जहा- उद्विएसु वा अणुद्विएसु वा, उवद्विएसु वा, अणुवद्विएसु वा, उवरयदंडेसु वा अणुवरयदंडेसु वा सोवहिएसु वा अणुवहिएसु वा, संजोगरएसु वा असंजोगरएसु वा ।
- २] तच्चं चेयं तहा चेयं अस्सिं चेयं पवुच्चइ । तं आइत्तु ण णिहे, ण णिक्खिखवे, जाणित्तु धम्मं जहा तहा ।
- ३] दिट्ठेहिं णिव्वेयं गच्छेज्जा । णो लोगस्सेसणं चरे । जस्स णत्थि इमा णाई अण्णा तस्स कओ सिया।
- ४] दिट्ठं सुयं मयं विण्णायं जमेयं परिकहिज्जइ । समेमाणा पत्तेमाणा पुणो पुणो जाइं पक्कप्पंति । अहो य राओ य जयमाणे धीरे सया आगयपण्णाणे, पमत्ते बहिया पास, अप्पमत्ते सया परक्कमेज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

- १] जे आसवा ते परिस्सवा, जे परिस्सवा ते आसवा । जे अणासवा ते अपरिस्सवा, जे अपरिस्सवा ते अणासवा ।
एते य पए संबुज्झमाणे लोगं च आणाए अभिसमेच्चा पुढो पवेइयं ।
- २] आघाइ णाणी इह माणवाणं संसारपडिवण्णाणं संबुज्झमाणं विण्णाण पत्ताणं । अट्ठा वि संता अदुवा पमत्ता । अहासच्चमिणं त्ति बेमि ।
- ३] णाणागमो मच्चुमुहस्स अत्थि । इच्छापणीया वंकाणिकेया कालग्गहीया णिचये णिविद्धा पुढो पुढो जाइं पक्कप्पंति ।

इहमेगेसिं तत्थ तत्थ संथवो भवइ । अहोववाइए फासे पडिसंवेदयंति । चिट्ठं कूरेहिं कम्ममेहिं चिट्ठं परिचिट्ठइ । अचिट्ठं कूरेहिं कम्ममेहिं णो चिट्ठं परिचिट्ठइ ।

४ एगे वयंति अदुवा वि णाणी, णाणी वयंति अदुवा वि एगे ।

५ आवंती केयावंती लोयंसि समणा य माहणा य पुढो विवायं वयंति से दिट्ठं च णे, सुयं च णे, मयं च णे, विण्णायं च णे, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वओ सुपडिलेहियं च णे- सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, हंतव्वा, अज्जावेयव्वा, परिघेयव्वा, परियावेयव्वा, उद्देयव्वा । एत्थ वि जाणह णत्थित्थ दोसो ।

६ तत्थ जे ते आरिया ते एवं वयासी- से दुट्ठिं च भे, दुस्सुयं च भे, दुम्मयं च भे, दुव्विण्णायं च भे, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वओ दुप्पडिलेहियं च भे, जं णं तुब्भे एवं आइक्खह, एवं भासह, एवं पण्णवेह, एवं परूवेह- सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, हंतव्वा, अज्जावेयव्वा, परिघेयव्वा, परियावेयव्वा, उद्देयव्वा । एत्थं वि जाणह णत्थित्थ दोसो । अणारियवयणमेयं ।

७ वयं पुण एवमाइक्खामो, एवं भासामो, एवं पण्णवेमो, एवं परूवेमो- सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, ण हंतव्वा, ण अज्जावेयव्वा, ण परिघेयव्वा, ण परियावेयव्वा, ण उद्देयव्वा । एत्थ वि जाणह णत्थित्थ दोसो । आरियवयणमेयं ।

८ पुव्वं णिकाय समयं पत्तेयं पत्तेयं पुच्छिस्सामो- हं भो पावादुया ! किं भे सायं दुक्खं उदाहु असायं ? समिया पडिवण्णे या वि एवं बूया- सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं सव्वेसिं जीवाणं सव्वेसिं सत्ताणं असायं अपरिणिव्वाणं महब्भयं दुक्खं । त्ति बेमि ।

॥ बिइओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

१ उवेहि णं बहिया य लोगं । से सव्वलोगंसि जे केइ विण्णू ।

२ अणुवीइ पास णिक्खित्तदंडा जे केइ सत्ता पलियं चयंति । णरा मुयच्चा धम्मविउ त्ति अंजू आरंभजं दुक्खमिणं ति णच्चा । एवमाहु समत्तदंसिणो । ते सव्वे पावाइया दुक्खस्स कुसला परिण्णमुदाहरंति । इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो ।

३ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे एगमप्पाणं संपेहाए धुणे सरीरं, कसेहि अप्पाणं, जरेहि अप्पाणं । जहा जुण्णाइं कट्ठाइं हव्ववाहो पमत्थइ एवं अत्तसमाहिए अणिहे ।

४ विगिंच कोहं अविकंपमाणे इमं णिरुद्धाउयं संपेहाए । दुक्खं च जाण अदुवागमेस्सं । पुढो फासाइं च फासे । लोयं च पास विप्फंदमाणं ।

५ जे णिव्वुडा पावेहिं कम्ममेहिं अणियाणा ते वियाहिया । तम्हाऽतिविज्जो णो पडिसंजलिज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ आवीलए पवीलए णिप्पीलए जहित्ता पुव्वसंजोगं हिच्चा उवसमं । तम्हा अविमणे वीरे सारए समिए सहिए सया जए । दुरणुचरो मग्गो वीराणं अणियट्ठ- गामीणं । विगिंच मंस-सोणियं। एस पुरिसे दविए वीरे आयाणिज्जे वियाहिए जे धुणाइ समुस्सयं वसित्ता बंभचेरंसि ।
- २ णेत्तेहिं पलिच्छिण्णेहिं आयाणसोयगढिए बाले अव्वोच्छिण्णबंधणे अणभिव्वकंत संजोए । तमंसि अविजाणओ आणाए लंभो णत्थि त्ति बेमि । जस्स णत्थि पुरा पच्छा, मज्झे तस्स कुओ सिया ?
- ३ से हु पण्णाणमंते बुद्धे आरंभोवरए । सम्ममेयं ति पासह । जेण बंधं वहं घोरं परियावं च दारुणं । पलिच्छिंदिय बाहिरगं च सोयं णिक्कम्मदंसी इह मच्चिएहिं । कम्माणं सफलं दट्ठुणं तओ णिज्जाइ वेयवी ।
- ४ जे खलु भो वीरा समिया सहिया सया जया संघडदंसिणो आतोवरया अहा तहा लोगं उवेहमाणा पाईणं पडीणं दाहिणं उदीणं इति सच्चंसि परिविचिट्ठिंसु । साहिस्सामो णाणं वीराणं समियाणं सहियाणं सया जयाणं संघडदंसीणं आतोवरयाणं अहा तहा लोगमुवेहमाणाणं । किमत्थि उवाहि पासगस्स, ण विज्जइ? णत्थि । त्ति बेमि ।

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

॥ चउत्थं अज्झयणं समत्तं ॥

पचमं अज्झयणं

पढमो उद्देसो

- १ आवंती केयावंती लोयंसि विप्परामुसंति, अट्ठाए अणट्ठाए वा, एतेसु चेव विप्परामुसंति ।
- २ गुरु से कामा । तओ से मारस्स अंतो । जओ से मारस्स अंतो, तओ से दूरे ।
- ३ णेव से अंतो णेव से दूरे । से पासइ फुसियमिव कुसग्गे पणुण्णं णिवइयं वाएरियं । एवं बालस्स जीवियं मंदस्स अविजाणओ । कूराइं कम्माइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेइ, मोहेण गब्भं मरणाइ एइ । एत्थ मोहे पुणो पुणो।

- ४ संसयं परियाणओ संसारे परिण्णाए भवइ, संसयं अपरियाणओ संसारे अपरिण्णाए भवइ । जे छेए से सागारियं ण सेवए। कट्टु एवं अवियाणओ बिइया मंदस्स बालया । लद्धा हुरत्था पडिलेहाए आगमेत्ता आणवेज्जा अणासेवणयाए त्ति बेमि। पासह एगे रूवेसु गिद्धे परिणिज्जमाणे । एत्थ फासे पुणो पुणो।
- ५ आवंती केयावंती लोयंसि आरंभजीवी एतेसु चेव आरंभजीवी । एत्थ वि बाले परिपच्चमाणे रमइ पावेहिं कम्महेहिं असरणं सरणं ति मण्णमाणे।
- ६ इहमेगेसिं एगचरिया भवइ । से बहुकोहे बहुमाणे बहुमाए बहुलोभे बहुरए बहुणडे बहुसडे बहुसंकप्पे आसवसक्की पलिओछण्णे उट्ठियवायं पवयमाणे, मा मे केइ अदक्खु, अण्णाण पमायदोसेणं । सययं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ।
- ७ अट्ठा पया माणव ! कम्मकोविया, जे अणुवरया अविज्जाए पलिमोक्खमाहु, आवट्टमेव अणुपरियट्ठंति । -त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

- १ आवंती केयावंती लोगंसि अणारंभजीवी, एतेसु चेव अणारंभजीवी । एत्थोवरए तं झोसमाणे अयं संधी ति अदक्खू, जे इमस्स विग्गहस्स अयं खणे त्ति अण्णेसी । एस मग्गे आरिएहिं पवेइए । उट्ठिए णो पमायए, जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं । पुढो छंदा इह माणवा । पुढो दुक्खं पवेइयं । से अविहिंसमाणे अणवयमाणे पुढो फासे विप्पणोल्लए । एस समियापरियाए वियाहिए ।
- २ जे असत्ता पावेहिं कम्महेहिं उदाहु ते आयंका फुसंति । इति उदाहु धीरे ते फासे पुढो अहियासए । से पुव्वं पेयं पच्छा पेयं भेउरधम्मं विद्धंसणधम्मं अधुवं अणितियं असासयं चयोवचइयं विप्परिणामधम्मं। पासह एयं रूवसंधिं समुपेहमाणस्स एगायतणरयस्स इह विप्पमुक्कस्स णत्थि मग्गे विरयस्स । त्ति बेमि ।
- ३ आवंती केयावंती लोगंसि परिग्गहावंती, से अप्पं वा बहुं वा अणुं वा थूलं वा चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, एतेसु चेव परिग्गहावंती । एतदेवेग स महब्भयं भवइ । लोगवित्तं च णं उवेहाए । एते संगे अवियाणओ ।
- से सुपडिबद्धं सूवणीयं ति णच्चा पुरिसा ! परमचक्खु विपरिक्कम । एतेसु चेव बंभचेरं । ति बेमि ।
- ४ से सुयं च मे अज्झत्थयं च मे, बंधपमोक्खो अज्झत्थेव ।
- ५ एत्थ विरए अणगारे दीहरायं तित्तिक्खए । पमत्ते बहिया पास, अप्पमत्तो परिव्वए । एयं मोणं सम्मं अणुवासेज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ बिइओ उद्देशो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

- १ आवंती केयावंती लोगंसि अपरिग्गहावंती, एसु चेव अपरिग्गहावंती । सोच्चावई मेहावी पंडियाणं णिसामिया । समियाए धम्मे आरिएहिं पवेइए । जहेत्थ मए संधी झोसिए एवमण्णत्थ संधी दुज्झोसए भवइ । तम्हा बेमि णो णिणहवेज्ज वीरियं ।
- २ जे पुव्वुड्डाई णो पच्छाणिवाई । जे पुव्वुड्डाई पच्छाणिवाई । जे णो पुव्वुड्डाई णो पच्छाणिवाई । से वि तारिसए सिया जे परिण्णाय लोगमण्णेसयंति । एयं णियाय मुणिणा पवेइयं ।
- ३ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे पुव्वावररायं जयमाणे सयासीलं सुपेहाए सुणिया भवे अकामे अझंझो ।
- ४ इमेण चेव जुज्झाहि, किं ते जुज्झेण बज्झओ ? जुद्धारिहं खलु दुल्लहं । जहेत्थ कुसलेहिं परिण्णाविवेगे भासिए ।
- ५ चुए हु बाले गब्भाइसु रज्जइ । अस्सिं चेयं पवुच्चइ, रूवंसि वा छणंसि वा ।
- ६ से हु एगे संविद्धपहे मुणी अण्णहा लोगमुवेहमाणे । इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो । से ण हिंसइ, संजमइ, णो पगब्भइ, उवेहमाणे पत्तेयं सायं, वण्णाएसी णारभे कं च णं सव्वलोए । एगप्पमुहे विदिसप्पइण्णे णिव्विण्णचारी अरए पयासु । से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावं कम्मं तं णो अण्णेसी ।
- ७ जं सम्मं ति पासह तं मोणं ति पासह, जं मोणं ति पासह तं सम्मं ति पासह । ण इमं सक्कं सिढिलेहिं अद्धिज्जमाणेहिं गुणासाएहिं वंक्समायारेहिं पमत्तेहिं गारमावसंतेहिं । मुणी मोणं समादाय धुणे कम्म सरीरगं । पंतं लूहं सेवंति वीरा सम्मत्तदंसिणो । एस ओहंतरे मुणी तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिए । त्ति बेमि ।

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ गामाणुगामं दूज्जमाणस्स दुज्जायं दुप्परक्कंतं भवइ अवियत्तस्स भिक्खुणो । वयसा वि एगे बुइया कुप्पंति माणवा । उण्णयमाणे य णरे महया मोहेण मुज्झइ । संबाहा बहवे भुज्जो भुज्जो दुरतिक्कमा अयाणओ अपासओ । एयं ते मा होउ । एयं कुसलस्स दंसणं ।
- २ तद्धिद्विए तम्ममुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सण्णी तण्णिवेसणे ।
- ३ जयंविहारी चित्तणिवाई पंथणिज्झाई पलिबाहिरे पासिय पाणे गच्छेज्जा । से अभिक्कममाणे पडिक्कममाणे संकुचेमाणे पसारेमाणे विणियट्ठमाणे संपलिमज्जमाणे ।
- ४ एगया गुणसमियस्स रीयओ कायसंफासं समणुचिण्णा एगइया पाणा उद्दायंति, इहलोगवेयणवेज्जावडियं, जं आउट्टिकयं कम्मं तं परिण्णाय विवेगमेइ । एवं से अप्पमाएण विवेगं किट्ठइ वेयवी ।

- ५] से पभूयदंसी पभूयपरिण्णणे उवसंते समिए सहिए सया जए । दहुं विप्पडिवेदेइ अप्पाणं, किमेस जणो करिस्सइ ? एस से परमारामो, जाओ लोगंसि इत्थीओ ।
- ६] मुणिणा हु एयं पवेइयं- उब्बाहिज्जमाणे गामधम्महिं अवि णिब्बलासए, अवि ओमोयरियं कुज्जा, अवि उड्ढं ठाणं ठाएज्जा, अवि गामाणुगामं दूइज्जेज्जा, अवि आहारं वोच्छिंदेज्जा, अवि चए इत्थीसु मणं । पुव्वं दंडा पच्छा फासा, पुव्वं फासा पच्छा दंडा । इच्चेते कलहासंगकरा भवन्ति । पडिलेहाए आगमेत्ता आणवेज्जा अणासेवणाए । त्ति बेमि ।
- ७] से णो काहिए, णो पासणिए, णो संपसारए, णो मामए, णो कयकिरिए, वइगुत्ते अज्झप्पसंवुडे परिवज्जए सया पावं । एयं मोणं समणुवासेज्जासि । त्ति बेमि ।
- ॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो

- १] से बेमि, तं जहा- अवि हरए पडिपुण्णे समंसि भोमे चिद्वइ उवसंतरए सारक्खमाणे। से चिद्वइ सोयमज्झगए। से पास सव्वओ गुत्ते। पास लोए महेसिणो। जे य पण्णाणमंता पबुद्धा आरंभोवरया। सम्ममेयं ति पासह । कालस्स कंखाए परिव्वयंति । त्ति बेमि ।
- २] वित्तिगिच्छासमावण्णेणं अप्पाणेणं णो लहइ समाहिं । सिया वेगे अणुगच्छंति, असिया वेगे अणुगच्छंति । अणुगच्छमाणेहिं अणुगच्छमाणे कहं ण णिव्विज्जे ? तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ।
- ३] सइडिस्स णं समणुणस्स संपव्वयमाणस्स समियं ति मण्णमाणस्स एगया समिया होइ, समियं ति मण्णमाणस्स एगया असमिया होइ, असमियं ति मण्णमाणस्स एगया समिया होइ, असमियं ति मण्णमाणस्स एगया असमिया होइ ।
- ४] समियं ति मण्णमाणस्स समिया वा असमिया वा समिया होइ उवेहाए, असमियं ति मण्णमाणस्स समिया वा असमिया वा असमिया होइ उवेहाए । उवेहमाणो अणुवेहमाणं- बूया-उवेहाहि समियाए, इच्चेवं तत्थ संधी झोसिओ भवइ ।
- ५] से उट्ठियस्स ठियस्स गइं समणुपासह । एत्थ वि बालभावे अप्पाणं णो उवदंसेज्जा ।
- ६] तुमं सि णाम सच्चेव जं हंतव्वं ति मण्णसि । तुमं सि णाम सच्चेव जं अज्जावेयव्वं ति मण्णसि । तुमं सि णाम सच्चेव जं परियावेयव्वं ति मण्णसि । तुमं सि णाम सच्चेव जं परिघेयव्वं ति मण्णसि । तुमं सि णाम सच्चेव जं उद्वेयव्वं ति मण्णसि ।
- ७] अंजू चेयं पडिबुद्धजीवी । तम्हा ण हंता, ण विघायए । अणुसंवेयणमप्पाणेणं, जं हंतव्वं णाभिपत्थए ।
- ८] जे आया से विण्णाया, जे विण्णाया से आया । जेण वियाणइ से आया । तं पडुच्च पडिसंखाए । एस आयावाई समियाए परियाए वियाहिए । त्ति बेमि ।

॥ पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

छट्टो उद्देसो

- १ अणाणाए एगे सोवट्टाणा, आणाए एगे णिरुवट्टाणा । एवं ते मा होउ । एयं कुसलस्स दंसणं । तद्धिद्वीए तम्ममुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सण्णी तण्णिवेसणे ।
- २ अभिभूय अदक्खु । अणभिभूए पभू णिरालंबणयाए, जे महं अबहिंमणे ।
- ३ पवाएणं पवायं जाणेज्जा - सहसम्मइयाए, परवागरणेणं, अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा । णिद्देसं णाइवट्टेज्जा मेहावी सुपडिलेहिय सव्वओ सव्वत्ताए सम्ममेव समभिजाणिज्जा ।
इह आरामं परिण्णाय अल्लीणगुत्तो परिव्वए । णिद्वियद्वी वीरे आगमेणं सया परक्कमेज्जासि । त्ति बेमि ।
- ४ उड्ढं सोया अहे सोया, तिरियं सोया वियाहिया ।
एते सोया वियक्खाया, जेहिं संगं ति पासह ॥
- ५ आवट्ठं तु पेहाए एत्थ विरमेज्ज वेयवी । विणइत्तु सोयं णिक्खम्म एस महं अकम्मा जाणइ, पासइ, पडिलेहाए णावकंखइ ।
- ६ इह आगइं गइं परिण्णाय अच्छेइ जाई मरणस्स वट्ठमगं विक्खायरए ।
- ७ सव्वे सरा णियट्ठंति, तक्का जत्थ ण विज्जइ, मई तत्थ ण गाहिया । ओए अप्पइट्ठाणस्स खेयण्णे ।
से ण दीहे, ण हस्से, ण वट्ठे, ण तंसे, ण चउरंसे, ण परिमंडले, ण किण्हे, ण णीले, ण लोहिए, ण हालिदे, ण सुक्किले, ण सुब्भिगंधे, ण दुब्भिगंधे, ण तित्ते, ण कडुए, ण कसाए, ण अंबिले, ण महुरे, ण कक्खडे, ण मउए, ण गरुए, ण लहुए, ण सीए, ण उण्हे, ण णिद्धे, ण लुक्खे, ण काऊ ण रुहे, ण संगे, ण इत्थी, ण पुरिसे, ण अण्णहा ।
परिण्णे, सण्णे । उवमा ण विज्जइ । अरूवी सत्ता । अपयस्स पयं णत्थि । से ण सद्दे, ण रूवे, ण गंधे, ण रसे, ण फासे, इच्चेयावंति । त्ति बेमि ।

॥ छट्टो उद्देसो समत्तो ॥

॥ पंचमं अज्झयणं सामत्तं ॥

छट्ठं अज्झयणं

धूयं

पढमो उद्देशो

- १ ओबुज्झमाणे इह माणवेसु आघाड से णरे। जस्स इमाओ जाईओ सव्वओ सुपडिलेहियाओ भवन्ति, आघाड से णाणमणेलिसं। से किट्ठइ तेसिं समुट्ठियाणं णिक्खित्तदंडाणं समाहियाणं पण्णाणमंताणं इह मुत्तिमग्गं ।
- २ एवं एगे महावीरा विप्परक्कमंति । पासह एगेऽवसीयमाणे अणत्तपण्णे ।
- ३ से बेमि-से जहा वि कुम्मे हरए विणिविट्ठचित्ते पच्छण्णपलासे, उम्मग्गं से णो लहइ । भंजगा इव सण्णिवेसं णो चयंति। एवं एगे अणेगरूवेहिं कुलेहिं जाया । रूवेहिं सत्ता कलुणं थणंति, णियाणओ ते ण लहंति मोक्खं ।
- ४ अह पास तेहिं कुलेहिं आयत्ताए जाया-
गंडी अदुवा कोढी, रायंसी अवमारियं ।
काणियं झिमियं चेव, कुणियं खुज्जियं तहा ॥१॥
उयरिं च पास मूयं च, सूणियं च गिलासिणिं ।
वेवइं पीढसप्पिं च, सिलिवयं महुमेहणिं ॥२॥
सोलस एते रोगा, अक्खाया अणुपुव्वसो ।
अह णं फुसंति आयंका, फासा य असमंजसा ॥३॥
- ५ मरणं तेसिं संपेहाए उववायं चवणं च णच्चा परिपागं च संपेहाए । तं सुणेह जहा तहा । संति पाणा अंधा तमंसि वियाहिया । तामेव सइं असइं अइयच्च उच्चावयफासे पडिसंवेदंति । बुद्धेहिं एयं पवेइयं। संति पाणा वासगा रसगा उदए उदयचरा आगासगामिणो । पाणा पाणे किलेसंति । पास लोए महब्भयं । बहुदुक्खा हु जंतवो । सत्ता कामेहिं माणवा ।
- ६ अबलेण वहं गच्छंति सरीरेण पभंगुरेण । अट्टे से बहुदुक्खे, इति बाले पकुव्वइ । एते रोगे बहू णच्चा आउरा परियावए। णालं पास । अलं तव एतेहिं । एयं पास मुणी ! महब्भयं । णाइवाएज्ज कं च णं।
- ७ आयाण भो ! सुस्सूस भो ! धूयवायं पवेयइस्सामि ! इह खलु अत्तत्ताए तेहिं तेहिं कुलेहिं अभिसेएण अभिसंभूया अभिसंजाया अभिणिव्वट्ठा अभिसंवुड्ढा अभिसंबुद्धा अभिणिकखंता अणुपुव्वेण महामुणी ।
- ८ तं परक्कमंतं परिदेवमाणा मा णे चयाहि इति ते वदंति । छंदोवणीया अज्झोववण्णा अक्कंदकारी जणगा रुयंति । अतारिसे मुणी णो ओहं तरए, जणगा जेण विप्पजढा । सरणं तत्थ णो समेइ । कहं णु णाम से तत्थ रमइ ? एयं णाणं सया समणुवासेज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

- १ आउरं लोगमायाए चइत्ता पुव्वसंजोगं, हिच्चा उवसमं, वसित्ता बंभचेरंसि । वसु वा अणुवसु वा जाणित्तु धम्मं अहा तहा। अहेगे तमचाइ कुसीला वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं विउसिज्ज अणुपुव्वेण अणहियासेमाणा परीसहे दुरहियासए । कामे ममायमाणस्स इयाणिं वा मुहुत्तेण वा अपरिमाणाए भेए । एवं से अंतराइएहिं कामेहिं आकेवलिएहिं, अविइण्णा चेए ।
- २ अहेगे धम्ममायाय आयाणप्पभिइसु पणिहिए चरे अप्पलीयमाणे दढे । सव्वं गिद्धिं परिण्णाय । एस पणए महामुणी। अइयच्च सव्वओ संगं ण महं अत्थि त्ति, इति एगो अहमंसि जयमाणे, एत्थ विरए अणगारे सव्वओ मुंडे रीयंते जे अचेले परिवुसिए संचिक्खइ ओमोयरियाए ।
- ३ से आकुट्टे वा हए वा लूसिए वा पलियं पकत्थ अदुवा पकत्थ अतहेहिं सद्धफासेहिं इति संखाए एगयरे अण्णयरे अभिण्णाय तित्तिक्खमाणे परिव्वए जे य हिरी जे य अहिरीमणा ।
- ४ चिच्चा सव्वं विसोत्तियं फासं संफासे समियदंसणे । एते भो णगिणा वुत्ता जे लोगंसि अणागमणधम्मिणो ।
- ५ आणाए मामगं धम्मं, स उत्तरवादे इह माणवाणं वियाहिए। एत्थोवरए तं झोसमाणे आयाणिज्जं परिण्णाय परियाएण विगिंचइ ।
- ६ इहमेगेसिं एगचरिया होइ । तत्थियराइयरेहिं कुलेहिं सुद्धेसणाए सव्वेसणाए से मेहावी परिव्वए सुब्धिं अदुवा दुब्धिं । अदुवा तत्थ भेरवा पाणा पाणे किलेसंति। ते फासे पुट्ठो धीरे अहियासेज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ बिइओ उद्देशो समत्तो ॥

तइओ उद्देशो

- १ एयं खु मुणी आयाणं सया सुअक्खायधम्मं विधूतकप्पे णिज्झो- सइत्ता । जे अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स णो एवं भवइ- परिजुण्णे मे वत्थे, वत्थं जाइस्सामि, सुत्तं जाइस्सामि, सूइं जाइस्सामि, संधिस्सामि, सीविस्सामि, उक्कसिस्सामि, वोक्कसिस्सामि, परिहिस्सामि, पाउणिस्सामि ।
- २ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति तेउफासा फुसंति, दंस-मसगफासा फुसंति, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासेइ । अचेले लाघवं आगममाणे, तवे से अभिसमण्णागए भवइ । जहेयं भगवया पवेइयं । तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा।
- ३ एवं तेसिं महावीराणं चिरराइं पुव्वाइं वासाइं रीयमाणानं दवियाणं पास अहियासियं । आगयपण्णाणानं किंसा बाहा भवंति, पयणुए य मंससोणिए । विस्सेणिं कट्ठु परिण्णाय, एस तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिए। त्ति बेमि ।
- ४ विरयं भिक्खुं रीयंतं चिरराओसियं अरई तत्थ किं विधारए ? संधेमाणे समुट्ठिए । जहा से दीवे असंदीणे एवं से धम्मं आरियपदेसिए । ते अणवकंखमाणा अणइवाएमाणा दइया मेहाविणो पंडिया ।

- ५ एवं तेसिं भगवओ अणुद्वाणे जहा से दियापोए । एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइया । त्ति बेमि ।

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइया । तेहिं महावीरेहिं पण्णाणमंतेहिं । तेसिं अंतिए पण्णाणमुवलब्भ हिच्चा उवसमं फारुसियं समादियंति । वसित्ता बंभचेरंसि आणं तं णो त्ति मण्णमाणा । आघायं तु सोच्चा णिसम्म समणुण्णा जीविस्सामो एगे णिक्खम्म, ते असंभवन्ता विडज्झमाणा कामेसु गिद्धा अज्झोववण्णा समाहिमाघायमज्झोसयन्ता सत्थारमेव फरुसं वयंति । सीलमन्ता उवसन्ता संखाए रीयमाणा, असीला अणुवयमाणस्स बिइया मंदस्स बालया ।
- २ णियट्ठमाणा वेगे आयारगोयरमाइक्खंति । णाणब्भट्ठा दंसणलूसिणो णममाणा वेगे जीवियं विप्परिणामेति ।
- ३ पुट्ठा वेगे णियट्ठंति जीवियस्सेव कारणा । णिक्खंतं पि तेसिं दुण्णिक्खंतं भवइ । बालवयणिज्जा हु ते णरा, पुणो पुणो जाइं पक्कप्पेति । अहे संभवन्ता विद्यायमाणा, अहमंसीति विउक्कसे । उदासीणे फरुसं वयंति, पलियं पक्कत्थ अदुवा पक्कत्थ अतहेहिं । तं मेहावी जाणेज्जा धम्मं ।
- ४ अहम्मट्ठी तुमं सि णाम बाले आरंभट्ठी अणुवयमाणे, हणमाणे, घायमाणे, हणओ यावि समणुजाणमाणे । घोरे धम्मे उदीरिए । उवेहइ णं अणाणाए । एस विसण्णे वितदे वियाहिए । त्ति बेमि ।
- ५ किमणेण भो जणेण करिस्सामि त्ति मण्णमाणे, एवं एगे वइत्ता मायरं पियरं हिच्चा णायओ य परिग्गहं । वीरायमाणा समुद्वाए अविहिंसा सुव्वया दन्ता । पस्स दीणे उप्पइए पडिवयमाणे । वसट्ठा कायरा जणा लूसगा भवंति । अहमेगेसिं सिलोए पावए भवइ से समणविब्भन्ते । समणविब्भन्ते ।
- ६ पासहेगे समण्णागएहिं असमण्णागए, णममाणेहिं अणममाणे, विरएहिं अविरए दविएहिं अदविए ।
- ७ अभिसमेच्चा पंडिए मेहावी णिट्ठियट्ठी वीरे आगमेणं सया परक्कमेज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो

- १ से गिहेसु गिहंतरेसु वा गामेसु वा गामंतरेसु वा णगरेसु वा णगरंतरेसु वा जणवएसु वा जणवयंतरेसु वा संतेगइया जणा लूसगा भवंति अदुवा फासा फुसंति । ते फासे पुट्ठो धीरो अहियासए ओए समियदंसणे ।

- २ दयं लोगस्स जाणित्ता पाईणं पडीणं दाहिणं उदीणं आइक्खे विभए किट्टए वेयवी । से उट्ठिएसु वा अणुट्ठिएसु वा सुस्सूसमाणेसु पवेयए- संतिं विरइं उवसमं णिव्वाणं सोयं अज्जवियं मद्वियं लाघवियं अणइवत्तियं सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं सव्वेसिं जीवाणं सव्वेसिं सत्ताणं, अणुवीइ भिक्खू धम्ममाइक्खेज्जा ।
- ३ अणुवीइ भिक्खू धम्ममाइक्खमाणे णो अत्ताणं आसाएज्जा णो परं आसाएज्जा णो अण्णाइं पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं आसाएज्जा । से अणासायए अणासायमाणे वज्झमाणानं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं जहा से दीवे असंदीणे एवं से भवइ सरणं महामुणी।
- ४ एवं से उट्ठिए ठियप्पा अणिहे अचले चले अबहिल्लेस्से परिव्वए । संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिणिव्वुडे ।
- ५ तम्हा संगं ति पासह । गंथेहिं गढिया णरा विसण्णा कामक्कंता । तम्हा लूहाओ णो परिवित्तसेज्जा। जस्सिमे आरंभा सव्वओ सव्वत्ताए सुपरिण्णाया भवंति, जस्सिमे लूसिणो णो परिवित्तसंति, से वंता कोहं च माणं च मायं च लोभं च । एस तुट्ठे वियाहिए । त्ति बेमि ।
- ६ कायस्स वियाघाए एस संगामसीसे वियाहिए । से हु पारंगमे मुणी । अवि हम्ममाणे फलगावतट्ठी कालोवणीए कंखेज्ज कालं जाव सरीरभेउ । त्ति बेमि ।

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ छट्ठं अज्झयणं समत्तं ॥

सत्तमो अज्झयणं

महापरिण्णा

॥ सत्तमो अज्झयणं समत्तं ॥

अट्ठमं अज्झयणं

विमोक्खो

पढमो उद्देशो

- १] से बेमि- समणुणस्स वा असमणुणस्स वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा वत्थं वा पडिग्गहं वा कंबलं वा पायपुंछणं वा णो पाएज्जा, णो णिमंतेज्जा, णो कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणे । त्ति बेमि ।
- २] धुवं चयं जाणेज्जा असणं वा जाव पायपुंछणं वा, लभिय णो लभिय भुंजिय णो भुंजिय, पंथं विउत्ता विउक्कम्म, विभत्तं धम्मं झोसेमाणे समेमाणे चलेमाणे पाएज्ज वा, णिमंतेज्ज वा कुज्जा वेयावडियं। परं अणाढायमाणे। त्ति बेमि।
- ३] इहमेगेषिं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ । ते इह आरंभट्ठी अणुवयमाणा हणपाणे घायमाणा, हणओ यावि समणुजाणमाणा, अदुवा अदिण्णमाइयंति, अदुवा वायाओ विउंजंति, तं जहा- अत्थि लोए, णत्थि लोए, धुवे लोए, अधुवे लोए, सादिए लोए, अणादिए लोए, सपज्जवसिए लोए, अपज्जवसिए लोए, सुकडे त्ति वा दुकडे त्ति वा कल्लाणे त्ति वा पावए त्ति वा साहु त्ति वा असाहु त्ति वा सिद्धी ति वा असिद्धी ति वा णिरए त्ति वा अणिरए त्ति वा। जमिणं विप्पडिवण्णा मामगं धम्मं पण्णवेमाणा । एत्थ वि जाणह अकम्मा ।
- ४] एवं तेसिं णो सुअक्खाए णो सुपण्णत्ते धम्मे भवइ । से जहेयं भगवया पवेइयं आसुपण्णेण जाणया पासया । अदुवा गुत्ति वओगोयरस्स । त्ति बेमि ।
- ५] सव्वत्थ सम्मयं पावं । तमेव उवाइकम्म, एस महं विवेगे वियाहिए । गामे अदुवा रण्णे, णेव गामे णेव रण्णे, धम्ममायाणह पवेइयं माहणेण मइमया । जामा तिण्णि उदाहिया जेसु इमे आयरिया संबुज्झमाणा समुट्ठिया, जे णिव्वुडा पावेहिं कम्मेहिं अणियाणा ते वियाहिया ।
- ६] उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वओ सव्वावंति च णं पाडियक्कं जीवेहिं कम्मसमारंभेणं । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं एतेहिं काएहिं दंडं समारंभेज्जा, णेवऽण्णेहिं एतेहिं काएहिं दंडं समारंभावेज्जा, णेवण्णे एतेहिं काएहिं दंडं समारंभंते वि समणुजाणेज्जा। जे य अण्णे एतेहिं काएहिं दंडं समारंभंति तेसिं पि वयं लज्जामो । तं परिण्णाय मेहावी तं वा दंडं, अण्णं वा दंडं, णो दंडभी दंडं समारंभेज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

- १] से भिक्खू परक्कमेज्ज वा चिट्ठेज्ज वा णिसीएज्ज वा तुयट्ठेज्ज वा सुसाणंसि वा सुण्णागारंसि वा रुक्खमूलंसि वा गिरिगुहंसि वा कुंभारायतणंसि वा, हुरत्था वा कहिंचि विहरमाणं तं भिक्खुं उवसंकमित्तु गाहावई बूया-आउसंतो समणा! अहं खलु तव अट्ठाए असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा वत्थं वा पडिग्गहं वा कंबलं वा पायपुंछणं वा पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारंभ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएमि, आवसहं वा समुस्सिणामि, से भुंजह वसह ।

आउसंतो समणा ! भिक्खू तं गाहावइं समणसं सवयसं पडियाइक्खे- आउसंतो गाहावई ! णो खलु ते वयणं आढामि, णो खलु ते वयणं परिजाणामि, जो तुमं मम अद्वाए असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाणाइं ४ समारब्भ समुद्धिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसद्धं अभिहडं आहद्दु चेएसि, आवसहं वा समुस्सिणासि, से विरओ आउसो गाहावई ! एयस्स अकरणयाए ।

२] से भिक्खू परक्कमेज्ज वा जाव हुरत्था वा कहिंचि विहरमाणं तं भिक्खुं उवसंकमित्तु गाहावई आयगयाए पेहाए असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाणाइं ४ समारब्भ जाव आहद्दु चेएइ आवसहं वा समुस्सिणाइ तं भिक्खुं परिघासेउं । तं च भिक्खू जाणेज्जा सहसम्मइयाए परवागरणेणं अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा अयं खलु गाहावइ मम अद्वाए असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाणाइं ४ समारब्भ चेएइ आवसहं वा समुस्सिणाइ । तं च भिक्खू पडिलेहाए आगमेत्ता आणवेज्जा अणासेवणाए । त्ति बेमि ।

३] भिक्खुं च खलु पुट्ठा वा अपुट्ठा वा जे इमे आहच्च गंथा फुसंति, से हंता हणह खणह छिंदह दहह पयह आलुं पह विलुं पह सहसक्कारेह विप्परामुसह । ते फासे पुट्ठो धीरो अहियासए । अदुवा आयारगोयरमाइक्खे तक्कियाणमणेलिसं । अदुवा वइगुत्तीए । गोयरस्स अणुपुव्वेण सम्मं पडिलेहाए आयगुत्ते । बुद्धेहिं एयं पवेइयं ।

४] से समणुण्णे असमणुण्णस्स असणं वां ४ वत्थं वा ४ णो पाएज्जा णो णिमंतेज्जा णो कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणे । त्ति बेमि ।

५] धम्ममायाणह पवेइयं माहणेण मइमयासमणुण्णे समणुण्णस्स असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाएज्जा णिमंतेज्जा कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणे त्ति बेमि ।

॥ बिइओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

१] मज्झिमेणं वयसा वि एगे संबुज्झमाणा समुद्धिया, सोच्चा वई मेहावी पंडियाण णिसामिया । समियाए धम्मे आरिएहिं पवेइए ।

ते अणवकंखमाणा, अणइवाएमाणा, अपरिग्गहमाणा, णो परिग्गहावंति सव्वावंति च णं लोगंसि, णिहाय दंडं पाणेहिं पावं कम्मं अकुव्वमाणे एस महं अगंथे वियाहिए । ओए जुइमस्स खेयण्णे, उववायं चयणं च णच्चा ।

२] आहारोवचया देहा, परीसहपभंगुरा । पासहेगे सव्विंदिएहिं परिगिलायमाणेहिं । ओए दयं दयइ । जे संणिहाणसत्थस्स खेयण्णे, से भिक्खू कालण्णे बलण्णे मायण्णे खणण्णे विणयण्णे समयण्णे परिग्गहं अममायमाणे कालेणुद्वाइ अपडिण्णे दुहओ छेत्ता णियाइ ।

३] तं भिक्खुं सीयफासपरिवेवमाणगायं उवसंकमित्तु गाहावई बूया- आउसंतो समणा ! णो खलु ते गामधम्मा उब्बाहंति ? आउसंतो गाहावई ! णो खलु मम गामधम्मा उब्बाहंति । सीयफासं णो खलु अहं संचाएमि अहियासित्तए । णो खलु मे कप्पइ अगणिकायं उज्जालित्तए वा पज्जालित्तए वा कायं आयावित्तए वा पयावित्तए वा; अण्णेसिं वा वयणाओ ।

सिया एवं वदंतस्स परो अगणिकायं उज्जालेत्ता पज्जालेत्ता कायं आयावेज्जा वा पयावेज्जा वा । तं च भिक्खू पडिलेहाए आगमेत्ता आणवेज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि ।

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ जे भिक्खू तिहिं वत्थेहिं परिवुसिए पायचउत्थेहिं । तस्स णं णो एवं भवइचउत्थं वत्थं जाइस्सामि । से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोएज्जा, णो रएज्जा, णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा, अपलिउंचमाणे गामंतरेसु, ओमचेलिए । एयं खु वत्थधारिस्स सामग्गियं ।
- २ अह पुण एवं जाणेज्जाउवाइक्कंते खलु हेमंते, गिम्हे पडिवण्णे, से अहापरिजुण्णाइं वत्थाइं परिद्वेज्जा अदुवा संतरुत्तरे अदुवा ओमचेलिए, अदुवा एगसाडे अदुवा अचेले । लाघवियं आगममाणे । तवे से अभिसमण्णागए भव । जहेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा ।
- ३ जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ पुट्ठो खलु अहमंसि, णालमहमंसि सीयफासं अहियासित्तए, से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं केइ अकरणयाए आउट्टे । तवस्सिणो हु तं सेयं जमेगे विहमाइए । तत्थावि तस्स कालपरियाए । से वि तत्थ वियंतिकारए । इच्चेयं विमोहायतणं हियं सुहं खमं णिस्सेसं आणुगामियं । त्ति बेमि ।

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो

- १ जे भिक्खू दोहिं वत्थेहिं परिवुसिए, पायतइएहिं । तस्स णं णो एवं भवइ तइयं वत्थं जाइस्सामि । से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा जाव एयं खु वत्थधारिस्स सामग्गियं ।
- २ अह पुण एवं जाणेज्जा उवाइक्कंते खलु हेमंते, गिम्हे पडिवण्णे, से अहापरिजुण्णाइं वत्थाइं परिद्वेज्जा, अदुवा ओमचेले, अदुवा, एगसाडे, अदुवा अचेले । लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमण्णागए भवइ । जहेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा ।
- ३ जस्सं णं भिक्खुस्स एवं भवइ- पुट्ठो अबलो अहमंसि, णालमहमंसि गिहंतर संकमणं भिक्खायरियं गमणाए । से एवं वदंतस्स परो अभिहडं असणं वा ४ आहट्टु दलएज्जा, से पुव्वामेव आलोएज्जा-आउसंतो गाहावई ! णो खलु मे कप्पइ अभिहडं असणं वा ४ भोत्तए वा पायए वा अण्णे वा एयप्पगारे ।
- ४ जस्स णं भिक्खुस्स अयं पगप्पे- अहं च खलु पडिण्णत्तो अपडिण्णत्तेहिं गिलाणो अगिलाणेहिं अभिकंख साहम्मिएहिं कीरमाणं वेयावडियं साइज्जिस्सामि । अहं वावि खलु अपडिण्णत्तो पडिण्णत्तस्स अगिलाणो गिलाणस्स अभिकंख साहम्मियस्स कुज्जा वेयावडियं करणाए ।

आहट्टु परिण्णं आणक्खेस्सामि आहडं च साइजिस्सामि। आहट्टु परिण्णं आणक्खेस्सामि आहडं च णो साइजिस्सामि। आहट्टु परिण्णं णो आणक्खेस्सामि आहडं च साइजिस्सामि । आहट्टु परिण्णं णो आणक्खेस्सामि आहडं च णो साइजिस्सामि। लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमण्णागए भवइ जहेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा।

- १ एवं से अहाकिट्टियमेव धम्मं समभिजाणमाणे भत्तं पणिण्हइ। से संते विरए सुसमाहियलेस्से। तत्थावि तस्स कालपरियाए। से वि तत्थ वियंति- कारण। इच्चेयं विमोहायतणं हियं सुहं खमं णिस्सेसं आणुगामियं । त्ति बेमि ।

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देशो

- १ जे भिक्खू एगेण वत्थेण परिवुसिए पायबिइएण । तस्स णं णो एवं भवइ बिइयं वत्थं जाइस्सामि । से अहेसणिज्जं वत्थं जाएज्जा, अहापरिग्गहियं वत्थं धारेज्जा जाव एवं खु वत्थ धारिस्स सामग्गियं। अह पुण एवं जाणेज्जा उवाइक्कंते खलु हेमंते, गिम्हे पडिवण्णे, से अहापरिजुण्णं वत्थं परिट्ठवेज्जा, अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले, लाघवियं आगममाणे जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा ।
- २ जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ- एगो अहमंसि, ण मे अत्थि कोइ, ण अहमवि कस्सइ । एवं से एगागिणमेव अप्पाणं समभिजाणेज्जा । लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमण्णागए भवइ । जहेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा ।
- ३ से भिक्खू वा भिक्खूणी वा असणं वा ४ आहारेमाणे णो वामाओ हणुयाओ दाहिणं हणुयं संचारेज्जा आसाएमाणे, दाहिणाओ वा हणुयाओ वामं हणुयं णो संचारेज्जा आसाएमाणे । से अणासाएमाणे लाघवियं आगममाणे, तवे से अभिसमण्णागए भवइ । जहेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा ।
- ४ जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ से गिलामि च खलु अहं इमंसि समए इमं सरीरगं अणुपुव्वेण परिवहित्तए । से आणुपुव्वेण आहारं संवट्ठेज्जा, आणुपुव्वेण आहारं संवट्ठेत्ता कसाए पयणुए किच्चा, समाहियच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे, अणुपविसित्ता गामं वा णगरं वा खेडं वा कब्बडं वा मडंबं वा पट्टणं वा दोणमुहं वा आगरं वा आसमं वा सण्णिवेसं वा णिगमं वा रायहाणिं वा तणाइं जाएज्जा, तणाइं जाएत्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अप्पंडे अप्पपाणे अप्पबीए अप्पहरिए अप्पोसे अप्पोदए अप्पुत्तिंगपणगदगमट्टिय मक्कडासंताणए पडिलेहिय पडिलेहिय पमज्जिय पमज्जिय तणाइं संथरेज्जा, तणाइं संथरेत्ता एत्थ वि समए इत्तरियं कुज्जा । तं सच्चं सच्चवाई ओए तिण्णे छिण्णकहंके आतीतट्ठे अणातीते चिच्चाण भेउरं कायं संविहुणिय विरूवरूवे परीसहोवसग्गे अस्सिं विस्संभणयाए भेरवं अणुचिण्णे । तत्थावि तस्स कालपरियाए । से वि तत्थ वियंतिकारए । इच्चेयं विमोहायतणं हियं सुहं खमं णिस्सेसं आणुगामियं । त्ति बेमि ।

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देशो

- १ जे भिक्खू अचले परिवुसिए तस्स णं एवं भवइ- चाएमि अहं तणफासं अहियासित्तए, सीयफासं अहियासित्तए, तेउफासं अहियासित्तए, दंसमसगफासं अहियासित्तए, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासित्तए, हिरीपडिच्छादणं च हं णो संचाएमि अहियासित्तए । एवं से कप्पइ कडिबंधणं धारित्तए ।
- २ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति, तेउफासा फुसंति, दंस-मसगफासा फुसंति, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासेइ । अचले लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमण्णागए भवइ । जहेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्च सव्वओ सव्वयाए सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा ।
- ३ जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ- अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४ आहट्ठु दलयिस्सामि आहडं च साइज्जिस्सामि, जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ- अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४ आहट्ठु दलयिस्सामि आहडं च णो साइज्जिस्सामि, जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ- अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४ आहट्ठु णो दलयिस्सामि आहडं च साइज्जिस्सामि, जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ- अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४ आहट्ठु णो दलयिस्सामि आहडं च णो साइज्जिस्सामि ।
- जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ- अहं च खलु तेण अहातिरित्तेण अहेसणिज्जेण अहापरिग्गहिणए असणेण वा ४ अभिकंख साहम्मियस्स कुज्जा वेयावडियं करणाए । अहं वा वि तेण अहातिरित्तेण अहेसणिज्जेण अहापरिग्गहिणए असणेण वा ४ अभिकंख साहम्मिएहिं कीरमाणं वेयावडियं साइज्जिस्सामि । लाघवियं आगममाणे जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा ।
- ४ जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ- से गिलामि च खलु अहं इमम्मि समए इमं सरीरगं अणुपुव्वेणं परिवहित्तए । से अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेज्जा, अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेत्ता कसाए पयणुए किच्चा समाहियच्चे फलगावतट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे अणुपविसित्ता गामं वा जाव रायहाणिं वा तणाइं जाएज्जा, तणाइं जाएत्ता से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा एगंतमवक्कमेत्ता अप्पंडे जाव मकडासंताणए तणाइं संथरेज्जा, तणाइं संथरेत्ता एत्थ वि समए कायं च जोगं च इरियं च पच्चक्खाएज्जा ।
- तं सच्चं सच्चवाई ओए तिण्णे छिण्णकहंकहे आतीतट्ठे अणातीते चिच्चाण भेउरं कायं संविहुणिय विरूवरूवे परीसहोवसग्गे अस्सिं विसंभणयाए भेरवमणु चिण्णे । तत्थावि तस्स कालपरियाए । से वि तत्थ विअंतिकारए । इच्चेयं विमोहायतणं हियं सुहं खमं णिस्सेसं आणुगामियं । त्ति बेमि ।

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

अट्ठमो उद्देशो

- १ अणुपुव्वेण विमोहाइं, जाइं धीरा समासज्ज ।
वसुमंतो मइमंतो, सव्वं णच्चा अणेलिसं ॥

- २ दुविहं पि विदित्ताणं, बुद्धा धम्मस्स पारगा ।
अणुपुव्वीए संखाए, कम्मणाओ तिउट्ठइ ॥
- ३ कसाए पयणुए किच्चा, अप्पाहारो तितिक्खए ।
अह भिक्खू गिलाएज्जा, आहारस्सेव अंतियं ॥
- ४ जीवियं णाभिकंखेज्जा, मरणं णो वि पत्थए ।
दुहओ वि ण सज्जेज्जा, जीविए मरणे तहा ॥
- ५ मज्झत्थो णिज्जरापेही, समाहिमणुपालए ।
अंतो बहिं विउसिज्ज, अज्झत्थं सुद्धमेसए ॥
- ६ जं किंचुवक्कमं जाणे, आउक्खेमस्स अप्पणो ।
तस्सेव अंतरद्धाए, खिप्पं सिक्खेज्ज पंडिए ॥
- ७ गामे अदुवा रण्णे, थंडिलं पडिलेहिया ।
अप्पपाणं तु विण्णाय, तणाइं संथरे मुणी ॥
- ८ अणाहारो तुयट्ठेज्जा, पुट्ठो तत्थऽहियासए ।
णाइवेलं उवचरे, माणुस्सेहिं वि पुट्ठओ ॥
- ९ संसप्पगा य जे पाणा, जे य उड्ढमहेचरा ।
भुंजंते मंससोणियं, ण छणे ण पमज्जए ॥
- १० पाणा देहं विहिंसंति, ठाणाओ ण वि उब्भमे ।
आसवेहिं विवित्तेहिं, तिप्पमाणोऽहियासए ॥
- ११ गंथेहिं विवित्तेहिं, आउकालस्स पारए ।
पग्गहियतरगं चेयं, दवियस्स वियाणओ ॥
- १२ अयं से अवरे धम्मे, णायपुत्तेण साहिए ।
आयवज्जं पडियारं, विजहेज्जा तिहा तिहा ॥
- १३ हरिएसु ण णिवज्जेज्जा, थंडिलं मुणिआ सए ।
विउसिज्ज अणाहारो, पुट्ठो तत्थऽहियासए ॥
- १४ इंदिएहिं गिलायंतो, समियं साहरे मुणी ।
तहावि से अगरिहे, अचले जे समाहिए ॥
- १५ अभिक्कमे पडिक्कमे, संकुचए पसारए ।
कायसाहारणद्धाए, एत्थं वा वि अचेयणं ॥
- १६ परिक्कमे परिकिलंते, अदुवा चिट्ठे अहायते ।

ठाणेण परिकिलंते, णिसीएज्जा य अंतसो ॥

१७ आसीणेऽणेलिसं मरणं, इंदियाणि समीरण ।
कोलावासं समासज्ज, वितहं पाउरेसए ॥

१८ जओ वज्जं समुप्पज्जे, ण तत्थ अवलंबए ।
तओ उक्कसे अप्पाणं, सव्वे फासेऽहियासए ॥

१९ अयं चायततरे सिया, जे एवं अणुपालए ।
सव्वगायणिरोहे वि, ठाणाओ ण वि उब्भमे ॥

२० अयं से उत्तमे धम्मे, पुव्वद्वाणस्स पग्गहे ।
अचिरं पडिलेहिता, विहरे चिद्ध माहणे ॥

२१ अचित्तं तु समासज्ज, ठावए तत्थ अप्पगं ।
वोसिरे सव्वसो कायं, ण मे देहे परीसहा ॥

२२ जावज्जीवं परीसहा, उवसग्गा इति संखाय ।
संवुडे देहभेयाए, इति पण्णेऽहियासए ॥

२३ भेउरेसु ण रज्जेज्जा, कामेसु बहुयरेसु वि ।
इच्छालोभं ण सेवेज्जा, धुववण्णं सपेहिया ॥

२४ सासएहिं णिमंतेज्जा, दिव्वमायं ण सद्धहे ।
तं पडिबुज्झ माहणे, सव्वं णूमं विहुणिया ॥

२५ सव्वट्ठेहिं अमुच्छिए, आउकालस्स पारए ।
तितिक्खं परमं णच्चा, विमोहण्णयरं हियं ॥ त्ति बेमि ।

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥

नवमं अज्झयणं

उवहाणसुयं

पढमो उद्देशो

- १ अहासुयं वइस्सामि, जहा से समणे भगवं उट्ठाय ।
संखाए तंसि हेमंते, अहुणा पव्वइए रीइत्था ॥
- २ णो चेविमेण वत्थेण, पिहिस्सामि तंसि हेमंते ।
से पारए आवकहाए, एयं खु अणुधम्मियं तस्स ॥
- ३ चत्तारि साहिए मासे, बहवे पाणजाइया आगम्म ।
अभिरुज्झ कायं विहरिंसु, आरुसियाणं तत्थ हिंसिंसु ॥
- ४ संवच्छरं साहियं मासं, जं ण रिक्कासि वत्थगं भगवं ।
अचेलए तओ चाई, तं वोसज्ज वत्थमणगारे ॥
- ५ अदु पोरिसिं तिरियभित्तिं, चक्खुमासज्ज अंतसो झाइ ।
अह चक्खुभीया संहिया, ते हंता हंता बहवे कंदिंसु ॥
- ६ सयणेहिं वित्तिमिस्सेहिं, इत्थीओ तत्थ से परिण्णाय ।
सागारियं ण सेवेइ, से सयं पवेसिया झाइ ॥
- ७ जे के इमे अगारत्था, मीसीभावं पहाय से झाइ ।
पुट्ठो वि णाभिभासिंसु, गच्छइ णाइवत्तइ अंजू ॥
- ८ णो सुकरमेयमेगेसिं, णाभिभासे अभिवायमाणे ।
हयपुव्वो तत्थ दंडेहिं, लूसियपुव्वो अप्पपुण्णेहिं ॥
- ९ फरूसाइं दुत्तित्तिक्खाइं, अइअच्च मुणी परक्कममाणे ।
आघाय-णट्ट-गीयाइं, दंडजुद्धाइं मुट्ठिजुद्धाइं ॥
- १० गढिए मिहोकहासु, समयम्मि णायसुए विसोगे अदक्खु ।
एयाइं से उरालाइं, गच्छइ णायपुत्ते असरणाए ॥
- ११ अवि साहिए दुवे वासे, सीओदं अभोच्चा णिक्खंते ।
एगत्तगए पिहियच्चे, से अहिण्णायदंसणे संते ॥
- १२ पुढविं च आउकायं च, तेउकायं च वायुकायं च ।
पणगाइं बीयहरियाइं, तसकायं च सव्वसो णच्चा ॥
- १३ एयाइं संति पडिलेहे, चितमंताइ से अभिण्णाय ।
परिवज्जियाण विहरित्था, इति संखाय से महावीरे ॥
- १४ अदु थावरा तसत्ताए, तसजीवा य थावरत्ताए ।

अदुवा सव्वजोणिया सत्ता, कम्मणा कप्पिया पुढो बाला ॥

१५ भगवं च एवमण्णेषिं, सोवहिए हु लुप्पइ बाले ।
कम्मं च सव्वसो णच्चा, तं पडियाइक्खे पावगं भगवं ॥

१६ दुविहं समिच्च मेहावी, किरियमक्खायमणेलिसं णाणी ।
आयाणसोयमइवायसोयं, जोगं च सव्वसो णच्चा ॥

१७ अइवत्तियं अणाउट्ठिं, सयमण्णेषिं अकरणयाए ।
जस्सिस्त्थीओ परिण्णाया, सव्वकम्मावहाओ सेऽदक्खू ॥

१८ अहाकडं ण से सेवे, सव्वसो कम्मणा य अदक्खू ।
जं किंचि पावगं भगवं, तं अकुव्वं वियडं भुंजित्था ॥

१९ णो सेवइ य परवत्थं, परपाए वि से ण भुंजित्था ।
परिवज्जियाण ओमाणं, गच्छइ संखडिं असरणाए ॥

२० मायण्णे असणपाणस्स, णाणुगिद्धे रसेसु अपडिण्णे ।
अच्छिंपि णो पमज्जिज्जा, णो वि य कंडूयए मुणी गायं ॥

२१ अप्पं तिरियं पेहाए, अप्पं पिड्डओ उ पेहाए ।
अप्पं बुइए अपडिभाणी, पंथपेही चरे जयमाणे ॥

२२ सिसिरंसि अद्धपडिवण्णे, तं वोसज्ज वत्थमणगारे ।
पसारित्तु बाहुं परक्कमे, णो अवलंबियाण खंधंसि ॥

२३ एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया ।
अपडिण्णेण वीरेण, कासवेण महेसिणा ॥ त्ति बेमि ॥
(बहुसो अपडिण्णेण, भगवया एवं रीयंति ॥ त्ति बेमि ॥)

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

१ चरियासणाइं सेज्जाओ, एगइयाओ जाओ बुइयाओ ।
आइक्ख ताइं सयणासणाइं, जाइं सेवित्था से महावीरे ॥

२ आवेसण-सभा-पवासु, पणियसालासु एगया वासो ।
अदुवा पलियद्वाणेसु, पलालपुंजेसु एगया वासो ॥

३ आगंतारे आरामागारे, गामे णगरे वि एगया वासो ।

सुसाणे सुण्णगारे वा, रुक्खमूले वि एगया वासो ॥

४ एतेहिं मुणी सयणेहिं, समणे आसि पतेरस वासे ।
राइंदिवं पि जयमाणे, अप्पमत्ते समाहिए झाइ ॥

५ णिद्धं पि णो पगामाए, सेवइ भगवं उट्ठाए ।
जग्गावई य अप्पाणं, ईसिं साई आसी अपडिण्णे ॥

६ संबुज्झमाणे पुणरवि, आसिंसु भगवं उट्ठाए ।
णिक्खम्म एगया राओ, बहिं चंकमिया मुहुत्तागं ॥

७ सयणेहिं तस्सुवसग्गा, भीमा आसी अणेगरूवा य ।
संसप्पगा य जे पाणा, अदुवा पक्खिणो उवचरंति ॥

८ अदु कुचरा उवचरंति, गामरक्खा य सत्तिहत्था य ।
अदु गामिया उवसग्गा, इत्थी एगइया पुरिसा य ॥

९ इहलोइयाइं परलोइयाइं, भीमाइं अणेगरूवाइं ।
अवि सुब्धिदुब्धिगंधाइं, सद्दाइं अणेगरूवाइं ॥

१० अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं ।
अरइं रइं अभिभूय, रीयइ माहणे अबहुवाई ॥

११ स जणेहिं तत्थ पुच्छिंसु, एगचरा वि एगया राओ ।
अव्वाहिए कसाइत्था, पेहमाणे समाहिं अपडिण्णे ॥

१२ अयमंतरंसि को एत्थ, अहमंसि त्ति भिक्खू आहट्टु ।
अयमुत्तमे से धम्मे, तुसिणीए सकसाइए झाइ ॥

१३ जंसिप्पेगे पवेयंति, सिसिरे मारुए पवायंते ।
तंसिप्पेगे अणगारा, हिमवाए णिवायमेसंति ॥

१४ संघाडीओ पविसिस्सामो, एहा य समादहमाणा ।
पिहिया वा सक्खामो, अइदुक्खं हिमगसंफासा ॥

१५ तंसि भगवं अपडिण्णे, अहे वियडे अहियासए दविए ।
णिक्खम्म एगया राओ, ठाएइ भगवं समियाए ॥

१६ एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया ।
अपडिण्णेण वीरेण, कासवेण महेसिणा ॥ त्ति बेमि ॥
(बहुसो अपडिण्णेण भगवया एवं रीयंति ॥ त्ति बेमि ॥)

॥ बिइओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उदेसो

- १ तणफासे सीयफासे य, तेउफासे य दंसमसगे य ।
अहियासए सया समिए, फासाइं विरुवरुवाइं ॥
- २ अह दुच्चरलाढमचारी, वज्जभूमिं च सुब्भभूमिं च ।
पंतं सेज्जं सेविंसु, आसणगाइं चेव पंताइं ॥
- ३ लाढेहिं तस्सुवसग्गा, बहवे जाणवया लूसिंसु ।
अह लूहदेसिए भत्ते, कुक्कुरा तत्थ हिंसिंसु णिवत्तिंसु ॥
- ४ अप्पे जणे णिवारेइ, लूसणए सुणए डसमाणे ।
छुच्छुकारेंति आहंसु, समणं कुक्कुरा दसंतु त्ति ॥८३॥
- ५ एल्लिखए जणे भुज्जो, बहवे वज्जभूमि फरुसासी ।
लद्धिं गहाय णालीयं, समणा तत्थ य विहरिंसु ॥
- ६ एवं पि तत्थ विहरंता, पुट्ठपुट्ठा अहेसि सुणएहिं ।
संलुंचमाणा सुणएहिं, दुच्चरगाणि तत्थ लाढेहिं ॥
- ७ णिहाय दंडं पाणेहिं, तं वोसिज्ज कायमणगारे ।
अह गामकंटए भगवं, ते अहियासए अभिसमेच्चा ॥
- ८ णागो संगामसीसे वा, पारए तत्थ से महावीरे ।
एवं पि तत्थ लाढेहिं, अलद्धपुट्ठो वि एगया गामो ॥
- ९ उवसंकमंतमपडिण्णं, गामंतियं पि अपत्तं ।
पडिण्णिक्खमित्तु लूसिंसु, एताओ परं पलेहि त्ति ॥
- १० हयपुट्ठो तत्थ डंडेणं, अदुवा मुट्ठिणा अदु कुंतफलेणं ।
अदु लेलुणा कवालेणं, हंता हंता बहवे कंदिंसु ॥
- ११ मंसाणि छिण्णपुट्ठाइं, उट्ठंभिया एगया कायं ।
परीसहाइं लुंचिंसु, अदुवा पंसुणा अवकरिंसु ॥
- १२ उच्चालइय णिहणिंसु, अदुवा आसणाओ खलइंसु ।
वोसट्ठकाए पणयासी, दुक्खसहे भगवं अपडिण्णे ॥
- १३ सूरुो संगामसीसे वा, संवुडे तत्थ से महावीरे ।
पडिसेवमाणे फरुसाइं, अचले भगवं रीइत्था ॥

- १४ एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया ।
 अपडिण्णेण वीरेण, कासवेण महेसिणा ॥ त्ति बेमि ॥
 (बहुसो अपडिण्णेण भगवया एवं रीयंति ॥ त्ति बेमि ॥)
 ॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ ओमोयरियं चाएइ, अपुढे वि भगवं रोगेहिं ।
 पुढे वा से अपुढे वा, णो से साइज्जइ तेइच्छं ॥
- २ संसोहणं च वमणं च, गायब्भंगणं सिणाणं च ।
 संबाहणं ण से कप्पे, दंतपक्खालणं परिण्णाए ॥
- ३ विरए य गामधम्ममेहिं, रीयइ माहणे अबहुवाई ।
 सिसिरंमि एगया भगवं, छायाए झाइ आसी य ॥
- ४ आयावई य गिम्हाणं, अच्छइ उक्कुडुए अभितावे ।
 अदु जावइत्थ लूहेणं, ओयण-मंथु-कुम्मासेणं ॥
- ५ एयाणि तिण्णि पडिसेवे, अट्ठ मासे य जावए भगवं ।
 अवि इत्थ एगया भगवं, अद्धमासं अदुवा मासं पि ॥
- ६ अवि साहिए दुवे मासे, छप्पि मासे अदुवा अपिबित्था ।
 राओवरायं अपडिण्णे, अण्णगिलायमेगया भुंजे ॥
- ७ छट्ठेण एगया भुंजे, अदुवा अट्ठमेण दसमेण ।
 दुवालसमेण एगया भुंजे, पेहमाणे समाहिं अपडिण्णे ॥
- ८ णच्चाण से महावीरे, णो वि य पावगं सयमकासी ।
 अण्णेहिं वि ण कारित्था, करंतं पि णाणुजाणित्था ॥
- ९ गामं पविस्स णगरं वा, घासमेसे कडं परट्ठाए ।
 सुविसुद्धमेसिया भगवं, आयतजोगयाए सेवित्था ॥
- १० अदु वायसा दिगिंछत्ता, जे अण्णे रसेसिणो सत्ता ।
 घासेसणाए चिट्ठंते, सययं णिवइए य पेहाए ॥
- ११ अदु माहणं व समणं वा, गामपिंडोलगं च अतिहिं वा ।
 सोवागं मूसियारिं वा, कुक्कुरं वा विविहं द्वियं पुरओ ॥

- १२ वित्तिच्छेयं वज्जंतो, तेसिंस्पत्तियं परिहरंतो ।
मंदं परक्कमे भगवं, अहिंसमाणो घासमेसित्था ॥
- १३ अवि सूइयं वा सुक्कं वा, सीयपिंडं पुराणकुम्मासं ।
अदु बुक्कसं पुलागं वा, लद्धे पिंडे अलद्धे दविए ॥
- १४ अवि झाइ से महावीरे, आसणत्थे अकुक्कुए झाणं ।
उड्ढं अहे य तिरियं च, पेहमाणे समाहिमपडिण्णे ॥
- १५ अकसायी विगयगेही य सद्ध-रूवेसु अमुच्छिए झाइ ।
छउमत्थे विप्परक्कममाणे, ण पमायं सइं पि कुव्वित्था ॥
- १६ सयमेव अभिसमागम्म, आयतजोगमायसोहीए ।
अभिणिव्वुडे अमाइल्ले, आवकहं भगवं समियासी ॥
- १७ एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया ।
अपडिण्णेण वीरेण, कासवेण महेसिणा ॥ त्ति बेमि ॥
(बहुसो अपडिण्णेण भगवया एवं रीयंति ॥ त्ति बेमि ॥)
॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

॥ णवमं अज्झयणं समत्तं ॥

पढमो सुयखंधो समत्तो

बीओ सुयखंधो

आचार चूला

पढमं अज्झयणं

पिंडसणा

पढमो उद्देशो

१] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा; पाणेहिं वा पणएहिं वा बीएहिं वा हरिएहिं वा; संसत्तं, उम्मिस्सं, सीओदएण वा ओसित्तं, रयसा वा परिघासियं; तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा; परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं ति मण्णमाणे लाभे वि संते णो पडिगाहेज्जा ।

से य आहच्च पडिगाहिए सिया, से तमादाय एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा अप्पंडे अप्पपाणे अप्पबीए अप्पहरिए अप्पोसे अप्पुदए अप्पुत्तिंग- पणग-दगमट्ठिय-मक्कडासंताणए विगिंचिय विगिंचिय, उम्मिस्सं विसोहिय विसोहिय तओ संजयामेव भुंजेज्ज वा पीएज्ज वा ।

जं च णो संचाएज्जा भोत्तए वा पायए वा; से तमादाय एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अहे झामथंडिलंसि वा अट्ठिरासिंसि वा किट्ठरासिंसि वा तुसरासिंसि वा गोमयरासिंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय-पडिलेहिय पमज्जिय- पमज्जिय तओ संजयामेव परिट्ठवेज्जा ।

२] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा-कसिणाओ सासियाओ अविदलकडाओ अतिरिच्छच्छिण्णाओ अव्वोच्छिण्णाओ तरुणियं वा छिवाडिं अणभिककंतभज्जियं पेहाए अफासुयं अणेसणिज्जं ति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।

से भिक्खू वा भिक्खुणी जाव पविट्ठे समाणे से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा-अकसिणाओ असासियाओ विदलकडाओ तिरिच्छच्छिण्णाओ वोच्छिण्णाओ तरुणियं वा छिवाडिं अभिककंतभज्जियं पेहाए फासुयं एसणिज्जं ति मण्णमाणे लाभे संते पडिगाहेज्जा ।

३] से भिक्खू वा भिक्खुणी जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा- पिहुयं वा बहुरयं वा भुज्जियं वा मंथुं वा चाउलं वा चाउलपलंबं वा सइं भज्जियं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

से भिक्खू वा भिक्खुणी जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा- पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा असइं भज्जियं दुक्खुत्तो वा भज्जियं, तिक्खुत्तो वा भज्जियं, फासुयं संते जाव पडिगाहेज्जा ।

- ४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविसिउकामे णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ अपरिहारिएण सद्धिं गाहावडकुलं पिंडवायपडियाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ।
- ५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा; णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएण सद्धिं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ।
- ६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएण सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे णो अण्णउत्थियस्स वा गारत्थियस्स वा परिहारिओ वा अपरिहारियस्स असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा देज्ज वा अणुपदेज्ज वा ।
- ८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्धिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारम्भ समुद्धिस्स कीयं पामिच्चं अच्छेज्जं अणिसद्धं अभिहडं आहट्टु चेएइ, तं तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पुरिसंतरकडं वा अपुरिसंतरकडं वा बहिया णीहडं वा अणीहडं वा अत्तट्ठियं वा अणत्तट्ठियं वा परिभुत्तं वा अपरिभुत्तं वा आसेवियं वा अणासेवियं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- एवं बहवे साहम्मिया, एगं साहम्मिणिं, बहवे साहम्मिणीओ समुद्धिस्स चत्तारि आलावगा भाणियव्वा ।
- ९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा बहवे समण- माहण-अतिहि-किवण-वणीमए पगणिय-पगणिय समुद्धिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारम्भ समुद्धिस्स कीयं पामिच्चं अच्छेज्जं अणिसद्धं अभिहडं आहट्टु चेएइ, तं तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पुरिसंतरकडं वा अपुरिसंतर-कडं वा बहिया णीहडं वा अणीहडं वा अत्तट्ठियं वा अणत्तट्ठियं वा, परिभुत्तं वा अपरिभुत्तं वा, आसेवियं वा अणासेवियं वा अफासुयं अणेसणिज्जं ति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।
- १० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा बहवे समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमए समुद्धिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारम्भ समुद्धिस्स कीयं पामिच्च अच्छेज्जं अणिसद्धं अभिहडं आहट्टु चेएइ, तं तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अपुरिसंतरकडं अबहिया णीहडं अणत्तट्ठियं अपरिभुत्तं अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- अह पुण एवं जाणेज्जा- पुरिसंतरकडं, बहिया णीहडं, अत्तट्ठियं, परिभुत्तं, आसेवियं फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहेज्जा ।
- ११ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावडकुलं पिंडवायपडियाए पविसिउकामे से जाइं पुण कुलाइं जाणेज्जा- इमेसु खलु कुलेसु णितिए पिंडे दिज्जइ, णितिए अग्गपिंडे दिज्जइ, णितिए भाए दिज्जइ, णितिए अवड्ढभाए दिज्जइ, तहप्पगाराइं कुलाइं णितियाइं णितिओवमाणाइं णो भत्ताए वा पाणाए वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ।

१२ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

१ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावड्कुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा; अट्ठमिपोसहिएसु वा अट्ठमासिएसु वा मासिएसु वा दोमासिएसु वा तेमासिएसु वा चाउमासिएसु वा पंचमासिएसु वा छम्मासिएसु वा उऊसु वा उउसंधीसु वा उउपरियट्ठेसु वा बहवे समण- माहण-अतिहि-किवण-वणीमगे एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, तिहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, चउहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, कुंभीमुहाओ वा कलोवाईओ वा संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए, तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अपुरिसंतरकडं जाव अणासेवियं; अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

अह पुण एवं जाणेज्जा पुरिसंतरकडं जाव आसेवियं; फासुयं जाव पडिगाहेज्जा ।

२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव अणुपविट्ठे समाणे से जाइं पुण कुलाइं जाणेज्जा, तं जहा- उग्गकुलाणि वा भोगकुलाणि वा राइण्णकुलाणि वा खत्तियकुलाणि वा इक्खागकुलाणि वा हरिवंसकुलाणि वा एसियकुलाणि वा वेसियकुलाणि वा गंडागकुलाणि वा कोट्टागकुलाणि वा गामरक्खकुलाणि वा बोक्कसालियकुलाणि वा अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु कुलेसु अदुगुंछिएसु अगरहिएसु असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा फासुयं जाव पडिगाहेज्जा ।

३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावड्कुलं पिंडवायं पडियाए जाव अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा समवाएसु वा पिंडणियरेसु वा इंदमहेसु वा खंदमहेसु वा रुद्धमहेसु वा मुगुंदमहेसु वा भूयमहेसु वा जक्खमहेसु वा णागमहेसु वा थूभमहेसु वा चेइयमहेसु वा रुक्खमहेसु वा गिरिमहेसु वा दरिमहेसु वा अगडमहेसु वा तडागमहेसु वा दहमहेसु वा णईमहेसु वा, सरमहेसु वा, सागरमहेसु वा आगरमहेसु वा अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु विरूवरूवेसु महामहेसु वट्ठमाणेसु बहवे समण- माहण-अतिहि-किवण-वणीमए एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए दोहिं उक्खाहिं जाव संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

अह पुण एवं जाणेज्जा- दिण्णं जं तेसिं दायव्वं; अह तत्थ भुंजमाणे पेहाए- गाहावड्भारियं वा गाहावड्भगिणिं वा गाहावड्पुत्तं वा गाहावड्धूयं वा सुण्हं वा धाइं वा दासं वा दासिं वा कम्मकरं वा कम्मकरिं वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! त्ति वा भगिणि ! त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं भोयणजायं ? से सेवं वदंतस्स परो असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा आहट्ठु दलएज्जा, तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहेज्जा ।

- ४] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा परं अद्धजोयणमेराए संखडिं णच्चा संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा पाईणं संखडिं णच्चा पडीणं गच्छे, अणाढायमाणे, पडीणं संखडिं णच्चा पाईणं गच्छे अणाढायमाणे, दाहिणं संखडिं णच्चा उदीणं गच्छे अणाढायमाणे, उदीणं संखडिं णच्चा दाहिणं गच्छे अणाढायमाणे । जत्थेव सा संखडी सिया, तं जहा- गामंसि वा णगरंसि वा खेडंसि वा कब्बडंसि वा मडंबंसि वा पट्टणंसि वा दोणमुहंसि वा आगरंसि वा णिगमंसि वा आसमंसि वा संणिवेसंसि वा रायहाणिसि वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए । केवली बूया-आयाणमेयं ।
- ५] संखडिं संखडिपडियाए अभिसंधारेमाणे आहाकम्मियं वा उद्देसियं वा मीसज्जायं वा कीयगडं वा पामिच्चं वा अच्छेज्जं वा अणिसट्ठं वा अभिहडं वा आहट्टु दिज्जमाणं भुंजेज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए खुड्डियदुवारियाओ महल्लियाओ कुज्जा, महल्लियदुवारियाओ खुड्डियाओ कुज्जा, समाओ सेज्जाओ विसमाओ कुज्जा, विसमाओ सेज्जाओ समाओ कुज्जा; पवायाओ सेज्जाओ णिवायाओ कुज्जा, णिवायाओ सेज्जाओ पवायाओ कुज्जा, अंतो वा बहिं वा उवसयस्स हरियाणि छिंदिय-छिंदिय दालिय-दालिय संथारगं संथारेज्जा, एस विलुंगयामो सेज्जाए अक्खाए ।
- तम्हा से संजए णियंठे तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा; संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ६] एवं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

- १] से एगइओ अण्णयरं संखडिं आसित्ता पिबित्ता छड्डेज्ज वा वमेज्ज वा भुत्ते वा से णो सम्मं परिणमेज्जा, अण्णयरे वा दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा। केवली बूया आयाणमेयं ।
- २] इह खलु भिक्खू गाहावईहिं वा गाहावईणीहिं वा परिवायएहिं वा परिवाइयाहिं वा एगज्झं सद्धिं सौंडं पाउं भो वतिमिस्सं हुरत्था य उवस्सयं पडिलेहमाणे णो लभेज्जा, तमेव उवस्सयं सम्मिस्सीभावमावज्जेज्जा, अण्णमण्णे वा से मत्ते विप्परियासियभूए इत्थिविग्गहे वा किलीबे वा, तं भिक्खुं उवसंकमित्तु बूया-आउसंतो समणा ! अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा राओ वा वियाले वा गामधम्मणियंतियं कट्टु रहस्सियं मेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टामो। तं चेगइओ साइज्जेज्जा ।
- अकरणिज्जं चेयं संखाए, एए आयाणा संति संचिज्जमाणा पच्चावाया भवंति । तम्हा से संजए णियंठे तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अण्णयरं संखडिं सोच्चा णिसम्म संपरिहावइ उस्सुयभूयेणं अप्पाणेणं । धुवा संखडी । णो संचाएइ तत्थियराइयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहेत्ता आहारं आहारेत्तए । माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा ।

से तत्थ कालेण अणुपविसित्ता तत्थियराइयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहेत्ता आहारं आहारेज्जा।

४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणेज्जा- गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिसि वा संखडी सिया, तं पि य गामं वा जाव रायहाणिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।

केवली बूया- आयाणमेयं ।

आइण्णावमाणं संखडिं अपुणविस्समाणस्स पाएण वा पाए अक्कंतपुव्वे भवइ, हत्थेण वा हत्थे संचालियपुव्वे भवइ, पाएण वा पाए आवडियपुव्वे भवइ, सीसेण वा सीसे संघट्टियपुव्वे भवइ, काएण वा काए संखोभियपुव्वे भवइ, दंडेण वा अट्ठीण वा मुट्ठीण वा लेलुणा वा कवालेण वा अभिहयपुव्वे भवइ, सीओदएण वा ओसित्तपुव्वे भवइ, रयसा वा परिघासियपुव्वे भवइ, अणेसणिज्जेण वा से परिभुत्तपुव्वे भवइ, अण्णेसिं वा देज्जमाणं पडिग्गाहियपुव्वे भवइ । तम्हा से संजए णिग्गंथे तहप्पगारं आइण्णावमाणं संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।

५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा एसणिज्जे सिया, अणेसणिज्जे सिया ? वित्तिगिंछासमावण्णेण अप्पाणेणं असमाहडाए लेस्साए तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा लाभे संते णो पडिगाहेज्जा।

६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवाय पडियाए पविसिउकामे सव्वं भंडगमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ।

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा बहिया विहारभूमिं वा वियारभूमिं वा णिक्खममाणे वा पविस्समाणे वा सव्वं भंडगमायाए बहिया विहारभूमिं वा वियारभूमिं वा णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ।

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे सव्वं भंडगमायाए गामाणुगामं दूइज्जेजा ।

७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अह पुण एवं जाणेज्जा, तिव्वदेसियं वा वासं वासमाणं पेहाए, तिव्वदेसियं वा महियं संणिचयमाणिं पेहाए, महावाएण वा रयं समुदुयं पेहाए, तिरिच्छ संपाइमा वा तसा पाणा संथडा संणिचयमाणा पेहाए, से एवं णच्चा णो सव्वं भंडगमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडिवाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा, बहिया विहारभूमिं वा वियारभूमिं वा णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।

८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जाइं पुणा कुलाइं जाणेज्जा, तं जहा- खत्तियाण वा राईण वा कुराईण वा रायपेसियाण वा रायवंसट्ठियाण वा; अंतो वा बाहिं वा गच्छंताण वा संणिविट्ठाण वा णिमंतेमाणाण वा अणिमंतेमाणाण वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।

९ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देशो

१] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- ... आहेणं वा पहेणं वा हिंगोलं वा संमेलं वा हीरमाणं पेहाए, अंतरा से मग्गा बहुपाणा बहुबीया बहुहरिया बहुओसा बहुउदया बहुउत्तिंग-पणग-दगमट्टिय-मक्कडासंताणगा, बहवे तत्थ समण-माहण- अतिहि-किवण-वणीमगा उवागया उवागमिस्संति, तत्थाइण्णा वित्ती । णो पण्णस्स णिक्खमण-पवेसाए णो पण्णस्स वायण-पुच्छण- परियट्ठणाणुप्पेह-धम्मणुओगचिंताए । से एवं णच्चा तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ।

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- ... आहेणं वा जाव संमेलं वा हीरमाणं पेहाए, अंतरा से मग्गा अप्पपाणा जाव संताणगा, णो जत्थ बहवे समण-माहण जाव उवागमिस्संति अप्पाइण्णावित्ती, पण्णस्स णिक्खमण-पवेसाए, पण्णस्स वायण- पुच्छण- परियट्ठणाणुप्पेह- धम्मणुयोगचिंताए । सेवं रुच्चा तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए अभिसंधारेज्ज गमणाए ।

२] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइ कुलं पिंडवायपडियाए जाव पविसिउकामे से जं पुण जाणेज्जा- खीरिणीओ गावीओ खीरिज्जमाणीओ पेहाए, असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उवक्खडिज्जमाणं पेहाए, पुरा अप्पजूहिए । सेवं णच्चा णो गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा । से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अणावायमसंलोए चिट्ठेज्जा ।

अह पुण एवं जाणेज्जा- खीरिणीओ गावीओ खीरियाओ पेहाए, असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उवक्खडियं पेहाए, पुरा पजूहिए । सेवं णच्चा तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ।

३] भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु समाणा वा वसमाणा वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे- खुड्डाए खलु अयं गामे, संणिरुद्धाए, णो महालए, से हंता भयंतारो ! बाहिरगाणि गामाणि भिक्खायरियाए वयह ।

संति तत्थेगइयस्स भिक्खुस्स पुरेसंथुया वा पच्छासंथुया वा परिवसंति, तं जहा- गाहावई वा गाहावइणीओ वा गाहावइपुत्ता वा गाहावइधूयाओ वा गाहावइ सुण्हाओ वा धाईओ वा दासा वा दासीओ वा कम्मकरा वा कम्मकरीओ वा तहप्पगाराइं कुलाइं पुरेसंथुयाणि वा पच्छासंथुयाणि वा पुव्वामेव भिक्खायरियाए अणुपविसिस्सामि, अवि य इत्थ लभिस्सामि पिंडं वा, लोयं वा, खीरं वा दहिं वा जाव सिंहिरिणिं वा, तं पुव्वामेव भोच्चा पेच्चा पडिग्गहं च संलिहिय संमज्जिय तओ पच्छा भिक्खूहिं सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिस्सामि वा णिक्खमिस्सामि वा । माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा ।

से तत्थ भिक्खूहिं सद्धिं कालेण अणुपविसित्ता तत्थियराइयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहेत्ता आहारं आहारेज्जा ।

४] एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो

- १] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावड्कुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-अग्गपिंडं उक्खिप्पमाणं पेहाए, अग्गपिंडं णिक्खिप्पमाणं पेहाए, अग्गपिंडं हीरमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिभाइज्जमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिभुज्जमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिट्ठविज्जमाणं पेहाए, पुरा असिणाइ वा अवहाराइ वा, पुरा जत्थण्णे समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमगा खद्धं-खद्धं उवसंकमंति, से हंता अहमवि खद्धं-खद्धं उवसंकमामि । माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा।
- २] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावड्कुलं जाव पविट्ठे समाणे अंतरा से वप्पाणि वा फलिहाणि वा पागाराणि वा तोरणाणि वा अग्गलाणि वा अग्गलपासगाणि वा, सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा, णो उज्जुयं गच्छेज्जा ।
- केवली बूया-आयाणमेयं । से तत्थ परक्कममाणे पयलेज्ज वा पक्खलेज्ज वा पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलमाणे वा पक्खलमाणे वा पवडमाणे वा; तत्थ से काए उच्चारणे वा पासवणेण वा खेलेण वा सिंघाणेण वा वंतेण वा पित्तेण वा पूएण वा सुक्केण वा सोणिएण वा उवलित्ते सिया । तहप्पगारं कायं णो अणंतरहियाए पुढवीए, णो ससिणिद्धाए पुढवीए, णो ससरक्खाए पुढवीए, णो चित्तमंताए सिलाए, णो चित्तमंताए लेलूए, कोलावासंसि वा दारुए जीवपइट्ठिए; सअंडे, सपाणे जाव संताणए; णो आमज्जेज्ज वा णो पमज्जेज्ज वा णो संलिहेज्ज वा णो णिल्लिहेज्ज वा णो उव्वलेज्ज वा णो उव्वट्ठेज्ज वा णो आयावेज्ज वा णो पयावेज्ज वा ।
- से पुव्वामेव अप्पससरक्खं तणं वा पत्तं वा कट्ठं वा सक्करं वा जाइज्जा, जाइत्ता से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमेत्ता अहे झामथंडिल्लंसि वा जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि पडिलेहिय- पडलेहिय पमज्जिय-पमज्जिय तओ संजयामेव आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा संलिहेज्ज वा णिल्लिहेज्ज वा उव्वलेज्ज वा उव्वट्ठेज्ज वा आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ।
- ३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-गोणं वियालं पडिपहे पेहाए, महिसं वियालं पडिपहे पेहाए, एवं मणुस्सं आसं हत्थिं सीहं वग्घं विगं दीवियं अच्छं तरच्छं परिसरं सियालं विरालं सुणयं कोलसुणयं कोकंतियं चित्ताचिल्लडयं वियालं पडिपहे पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा, णो उज्जुयं गच्छेज्जा ।
- ४] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे अंतरा से ओवाए वा खाणुं वा कंटए वा घसी वा भिलुगा वा विसमे वा विज्जले वा परियावज्जेज्जा, सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा; णो उज्जुयं गच्छेज्जा।
- ५] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावड्कुलस्स दुवारबाहं कंटगबोदियाए परिपिहियं पेहाए, तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणुणविय अपडिलेहिय अप्पमज्जिय णो अवंगुणेज्ज वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा । तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणुणविय पडिलेहिय पमज्जिय तओ संजयामेव अवंगुणेज्ज वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ।

६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा- समणं वा माहणं वा गामपिंडोलगं वा अतिहिं वा पुव्वपविट्ठं पेहाए णो तेसिं संलोए संपडिदुवारे चिट्ठेज्जा ।

केवली बूया- आयाणमेयं । पुरा पेहाए तस्सद्वाए परो असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा आहट्टु दलएज्जा । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेउ, एस कारणं, एस उवएसो- जं णो तेसिं संलोए संपडिदुवारे चिट्ठेज्जा ।

से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा एगंतमवक्कमेत्ता अणावायमसंलोए चिट्ठेज्जा।

७] सिक से परो अणावायमसंलोए चिट्ठमाणस्स असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा आहट्टु दलएज्जा, से एवं वएज्जा- आउसंतो समणा ! इमे भे असणे वा पाणे वा खाइमे वा साइमे वा सव्वजणाए णिसिट्ठे, तं भुंजह वा णं, परिभाएह वा णं ।

तं चेगइओ पडिगाहेत्ता तुसिणीओ उवेहेज्जा- अवियाइं एवं ममेव सिया । माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा ।

से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, तत्थ गच्छेत्ता से पुव्वामेव आलोएज्जा-आउसंतो समणा! इमे भे असणे वा पाणे वा खाइमे वा साइमे वा सव्वजणाए णिसिट्ठे । तं भुंजह वा णं, परिभाएह वा णं ।

से एवं वदंतं परो वएज्जा-आउसंतो समणा ! तुमं चेव णं परिभाएहि।

से तत्थ परिभाएमाणे णो अप्पणो खद्धं-खद्धं, डायं-डायं, ऊसढं -ऊसढं, रसियं-रसियं मणुण्णं-मणुण्णं, लुक्खं-लुक्खं । से तत्थ अमुच्छिअ अगिद्धे अगट्ठिअ अणज्झोववण्णे बहुसममेव परिभाएज्जा ।

से णं परिभाएमाणं परो वएज्जा-आउसंतो समणा! मा णं तुमं परिभाएहि, सव्वे वेगइया भोक्खामो वा पाहामो वा ।

से तत्थ भुंजमाणे णो अप्पणो खद्धं-खद्धं जाव लुक्खं । से तत्थ अमुच्छिअ अगिद्धे अगट्ठिअ अणज्झोववण्णे बहुसममेव भुंज्जेज वा पीएज्ज वा ।

८] से भिक्खु वा भिक्खुणी वा जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा-समणं वा माहणं वा गामपिंडोलगं वा अतिहिं वा पुव्वपविट्ठं पेहाए णो ते उवाइक्कम्म पविसेज्ज वा ओभासेज्ज वा । से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमेत्ता अणावायमसंलोए चिट्ठेज्जा ।

अह पुण एवं जाणेज्जा-पडिसेहिए वा दिण्णे वा; तओ तम्मि णियत्तिए । तओ संजयामेव पविसेज्ज वा ओभासेज्ज वा।

९] एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

छटो उद्देशो

- १] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुल जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- रसेसिणो बहवे पाणा घासेसणाए संथडे सणिवइए पेहाए तं जहा- कुक्कुडजाइयं वा सूयरजाइयं वा, अग्गपिंडंसि वा वायसा संथडा सणिवइया पेहाए, सइ परक्कमे संजया मेव परक्कमेज्जा, णो उज्जुयं गच्छेज्जा ।
- २] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे णो गाहावइकुलस्स दुवारसाहं अवलंबिय-अवलंबिय चिट्ठेज्जा, णो गाहावइकुलस्स दगच्छइडणमत्तए चिट्ठेज्जा, णो गाहावइकुलस्स चंदणिउयए चिट्ठेज्जा, णो गाहावइकुलस्स सिणाणस्स वा वच्चस्स वा संलोए संपडिदुवारे चिट्ठेज्जा, णो गाहावइकुलस्स आलोयं वा थिग्गलं वा संधिं वा दगभवणं वा बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय-अंगुलियाए वा उद्दिसिय-उद्दिसिय ओणमिय-ओणमिय उण्णमिय-उण्णमिय णिज्झाएज्जा। णो गाहावइ अंगुलियाए उद्दिसिय-उद्दिसिय जाएज्जा, णो गाहावइ अंगुलियाए चालिय चालिय जाएज्जा, णो गाहावइ अंगुलियाए तज्जिय- तज्जिय जाएज्जा, णो गाहावइ अंगुलियाए उक्खुलंपिय उक्खुलंपिय जाएज्जा, णो गाहावइ वंदिय-वंदिय जाएज्जा, णो य णं फरुसं वएज्जा।
- ३] अह तत्थ कंचि भुंजमाणं पेहाए तं जहा- गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा । से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! त्ति वा भइणि ! त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं भोयणजायं ?
- से सेवं वयंतस्स परो हत्थं वा मत्तं वा दव्विं वा भायणं वा; सीओदग- वियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा; उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा । से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! त्ति वा भइणि ! त्ति वा मा एयं तुमं हत्थं वा मत्तं वा दव्विं वा भायणं वा सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेहि वा पधोएहि वा; अभिकंखसि मे दाउं, एमेव दलयाहि।
- से सेवं वयंतस्स परो हत्थं वा मत्तं वा दव्विं वा भायणं वा सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेत्ता पधोइत्ता आहट्ठु दलएज्जा । तहप्पगारेणं पुरोकम्मकएणं हत्थेण वा मत्तेण वा दव्वीए वा भायणेण वा; असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा; अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ४] अह पुण एवं जाणेज्जा-णो पुरेकम्मकएणं, उदउल्लेणं । तहप्पगारेण उदउल्लेण हत्थेण वा मत्तेण वा दव्वीए वा भायणेण वा; असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा; अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- अह पुणेवं जाणेज्जा-णो उदउल्लेणं, ससिणिद्धेणं। सेसं तं चेव।
- एवं ससरक्खे, मट्ठिया, ऊसे, हरियाले हिंगुलुए, मणोसिला, अंजणे, लोणे, गेरुय, वण्णिय, सेडिय, सोरडिय-पिड्ड, कुक्कुस, उक्कुड्ड- संसट्ठेण वि आलावगा भाणियव्वा ।
- अह पुण एवं जाणेज्जा-णो उक्कड्ड संसट्ठेणं, असंसट्ठेणं । तहप्पगारेण असंसट्ठेण हत्थेण वा जाव पडिगाहेज्जा ।
- अह पुणेवं जाणेज्जा-णो असंसट्ठे, तज्जाय संसट्ठे । तहप्पगारेण संसट्ठेण हत्थेण वा मत्तेण वा, दव्वीए वा, भायणेण वा; असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा फासुयं जाव पडिगाहेज्जा ।

- ५) से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवाय पडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- पिहुयं वा बहुरयं वा जाव चाउलपलंबं वा अस्संजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव मक्कडासंताणाए कोट्टिसु वा कोट्टेति वा कोट्टिस्संति वा उप्फणिंसु वा उप्फणिंति वा उप्फणिस्संति वा । तहप्पगारं पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ६) से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-बिलं वा लोणं, उब्भियं वा लोणं; अस्संजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव संताणाए भिंदिसु वा भिंदंति वा भिंदिस्संति वा; रुचिसु वा रुचंति वा रुचिस्संति वा, तहप्पगारं बिलं वा लोणं, उब्भियं वा लोणं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ७) से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अगणि-णिक्खित्तं, तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- केवली बूया-आयाणमेयं । असंजए भिक्खुपडियाए उस्सिंचमाणे वा णिस्सिंचमाणे वा आमज्जमाणे वा पमज्जमाणे वा ओयारेमाणे वा उव्वत्तेमाणे वा अगणिजीवे हिंसेज्जा । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेऊ, एस कारणं, एसुवएसे- जं तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अगणिणिक्खित्तं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा।
- ८) एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सतमो उद्देशो

- १) से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा; खंधंसि वा थंभंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा पासादंसि वा हम्मियतलंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि अंतलिक्खजायंसि उवणिक्खित्ते सिया। तहप्पगारं मालोहडं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा।
- केवली बूया-आयाणमेयं । असंजए भिक्खुपडियाए पीढं वा फलगं वा णिस्सेणिं वा उदूहलं वा अवहट्ठु उस्सविय दुरुहेज्जा । से तत्थ दुरुहमाणे पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा । से तत्थ पयलमाणे वा पवडमाणे वा हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा उदरं वा सीसं वा अण्णयरं वा कायंसि इंदियजायं लूसेज्ज वा; पाणाणि वा भूयाणि वा जीवाणि वा सत्ताणि वा अभिहणेज्ज वा वत्तेज्ज वा लेसेज्ज वा संघसेज्ज वा संघट्टेज्ज वा परियावेज्ज वा किलामेज्ज वा ठाणाओ ठाणं संकामेज्ज वा । तं तहप्पगारं मालोहडं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- २) से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा कोट्टियाओ वा कोलेज्जाओ वा असंजए भिक्खुपडियाए उक्कुज्जिय अवउज्जिय ओहरिय

आहट्टु दलएज्जा। तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा मालोहडं ति णच्चा लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।

३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा मट्ठिओलित्तं; तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा जाव लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।

केवली बूया-आयाणमेयं । असंजए भिक्खुपडियाए मट्ठिओलित्तं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उब्भिंदमाणे पुढवीकायं समारंभेज्जा, तह तेउ-वाउ-वणस्सइ-तसकायं समारंभेज्जा, पुणरवि ओलिंपमाणे पच्छाकम्मं करेज्जा। अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारं मट्ठिओलित्तं असणं वा जाव णो पडिगाहेज्जा ।

४] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पुढविककाय-पइट्ठियं। तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा।

५] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा आउकायपइट्ठियं; तह चेव । एवं अगणिकायपइट्ठियं जाव लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।

केवली बूया-आयाणमेयं । असंजए भिक्खुपडियाए अगणिं ओसक्किय णिस्सक्किय ओहरिय आहट्टु दलएज्जा । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव णो पडिगाहेज्जा ।

६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अच्चुसिणं । असंजए भिक्खुपडियाए सुप्पेण वा विहुयणेण वा तालियंटेण वा पत्तेण वा साहाए वा साहाभंगेण वा पिहुणेण वा पिहुणहत्थेण वा चेलेण वा चेलकण्णेण वा हत्थेण वा मुहेण वा फुमेज्ज वा वीएज्ज वा ।

से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! त्ति वा भगिणि ! त्ति वा मा एयं तुमं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अच्चुसिणं सुप्पेण वा जाव फुमाहि वा वीयाहि वा, अभिक्खसि मे दाउं एमेव दलयाहि। से सेवं वदंतस्स परो सुप्पेण वा जाव फुमित्ता वीइत्ता आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

७] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा वणस्सइकायपइट्ठियं । तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा वणस्सइकायपइट्ठियं अफासुयं अणेसणिज्जं ति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहेज्जा । एवं तसकाए वि ।

८] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तं जहा- उस्सेइमं वा संसेइमं वा चाउलोदगं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं अहुणाधोयं अणंबिलं अव्वोक्कंत अपरिणयं अविद्धत्थं अफासुयं अणेसणिज्जं ति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहेज्जा । अह पुण एवं जाणेज्जा- चिराधोयं अंबिलं वुक्कंतं परिणयं विद्धत्थं फासुयं जाव पडिगाहेज्जा ।

- ९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तं जहा-तिलोदगं वा तुसोदगं वा जवोदगं वा आयामं वा सोवीरं वा सुद्धवियडं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं पुव्वामेव आलोएज्जा-आउसो ! त्ति वा भगिणि! त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं पाणगजायं? से सेवं वयंतं परो वएज्जा-आउसंतो समणा! तुमं चेव एयं पाणगजायं पडिग्गहेण वा मत्तएण वा उस्सिंचियाणं ओयत्तियाणं गिण्हाहि । तहप्पगारं पाणगजायं सयं वा णं गेण्हेज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहेज्जा।
- १० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा-अणंतरहियाए पुढवीए जाव संताणए उद्धट्टु [ओहट्टु] णिक्खित्ते सिया । असंजए भिक्खुपडियाए उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण वा सकसाएण वा मत्तेण, सीओदएण वा संभोएत्ता आहट्टु दलएज्जा । तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ११ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥

अट्ठमो उद्देसो

- १ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवाय पडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तं जहा- अंबपाणगं वा अंबाडगपाणगं वा कविट्ठपाणगं वा माउलिंगपाणगं वा मुद्धियापाणगं वा दाडिमपाणगं वा खज्जूरपाणगं वा णालिएरपाणगं वा करीरपाणगं वा कोलपाणगं वा आमलगपाणगं वा चिंचापाणगं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं सअट्ठियं सकणुयं सबीयगं असंजए भिक्खुपडियाए छब्बेण वा दूसेण वा वालगेण वा आवीलियाण परिपीलियाण परिस्सावियाण आहट्टु दलएज्जा । तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- २ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से आगंतारेसु वा आरामागारेसु वा गाहावइकुलेसु वा परियावसहेसु वा अण्णगंधाणि वा पाणगंधाणि वा सुरभिगंधाणि वा अग्घाय अग्घाय से तत्थ आसायवडियाए मुच्छिए गिद्धे गट्टिए अज्झोववण्णे “अहो गंधो, अहो गंधो” णो गंधमाघाएज्जा ।
- ३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- सालुयं वा विरालियं वा सासवणालियं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- पिप्पलिं वा पिप्पलिचुण्णं वा मिरियं वा मिरियचुण्णं वा सिंगबेरं वा सिंगबेरचुण्णं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा।
- ५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पलंबजायं जाणेज्जा, तं जहा- अंबपलंबं वा, अंबाडगपलंबं वा, तालपलंबं वा, झिज्झिरिपलंबं वा सुरभिपलंबं वा सल्लइपलंबं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पलंबजायं आमं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

- ६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पवालजायं जाणेज्जा, तं जहा- आसोत्थपवालं वा णिग्गोहपवालं वा पिलंखुपवालं वा णिपूरपवालं वा सल्लइपवालं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पवालजायं आमं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा।
- ७] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण सरडुयजायं जाणेज्जा, तं जहा- अंबसरडुयं वा कविट्ठसरडुयं वा दाडिमसरडुयं वा बिल्लसरडुयं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं सरडुयजायं आमं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ८] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण मंथुजायं जाणेज्जा, तं जहा- उंबरमंथुं वा णिग्गोहमंथुं वा पिलक्खुमंथुं वा आसोत्थमंथुं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं मंथुजायं आमं दुरुक्कं साणुबीयं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ९] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- आमडागं वा पूइपिण्णागं वा ... सप्पिं वा खोलं पुराणगं, एत्थ पाणा अणुप्पसूया, एत्थ पाणा जाया, एत्थ पाणा संवुड्ढा, एत्थ पाणा अवुक्कंता, एत्थ पाणा अपरिणया, एत्थ पाणा अविद्धत्था, अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा।
- १०] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- उच्छुमेरगं वा अंककरेलुयं वा कसेरुगं वा सिंघाडगं वा पूइआलुगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ११] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- उप्पलं वा उप्पलणालं वा भिसं वा भिसमुणालं वा पोक्खलं वा पोक्खलथिभगं वा; अण्णयरं वा तहप्पगारं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- १२] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- अग्गबीयाणि वा मूलबीयाणि वा खंधबीयाणि वा पोरबीयाणि वा अग्गजायाणि वा मूलजायाणि वा खंधजायाणि वा पोरजायाणि वा णण्णत्थ तक्कलिमत्थएण वा तक्कलिसीसेण वा णालिएरिमत्थएण वा खज्जूरिमत्थएण वा तालमत्थएण वा; अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- १३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- उच्छुं वा काणं अंगारियं संमिस्सं विगदूमियं; वेत्तग्गं वा कंदलिऊसुयं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- १४] से भिक्खू वा भिक्खुणी जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- लसुणं वा लसुणपत्तं वा लसुणणालं वा लसुणकंदं वा लसुणचोयगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- १५] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- अत्थियं वा कुंभिपक्कं तिंदुयं वा वेत्तुगं वा कासवणालियं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- १६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा- कणं वा कणकुंडगं वा कणपूयलिं वा चाउलं वा चाउलपिट्ठं वा तिलं वा तिलपिट्ठं वा तिलप्पडगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहेज्जा।

१७ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वद्देहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्तो ॥

नवमो उद्देशो

१ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा । तेसिं च णं एवं वुत्तपुवं भवइ- जे इमे भवंति समणा भगवंतो सीलमंता वयमंता गुणमंता संजया संवुडा बंभयारी उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एसिं कप्पइ आहाकम्मिए असणे वा पाणे वा खाइमे वा साइमे वा भोत्तए वा पायए वा ।

से जं पुण इमं अम्हं अप्पणो अट्ठाए णिद्धियं, तं जहा- असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा; सव्वमेयं समणाणं णिसिरामो, अवियाइं वयं पच्छा वि अप्पणो सयट्ठाए असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा चेइस्सामो । एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे, से जं पुण जाणेज्जा- गामं वा जाव रायहाणिं वा । इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिसि वा संतेगइयस्स भिक्खुस्स पुरेसंथुया वा पच्छासंथुया वा परिवसंति, तं जहा- गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा । तहप्पगाराइं कुलाइं णो पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ।

केवली बूया- आयाणमेयं ! पुरा पेहाए तस्स अट्ठाए परो असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उवकरेज्ज वा उवक्खडेज्ज वा । अह भिक्खुणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा एस हेऊ एस कारणं एस उवएसो जं णो तहप्पगाराइं कुलाइं पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ।

से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अणावायमसंलोए चिद्धेज्जा, से तत्थ कालेणं अणुपविसेज्जा, अणुपविसित्ता तत्थियरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं एसित्ता आहारं आहारेज्जा ।

३ सिया से परो कालेण अणुपविट्ठस्स आहाकम्मियं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उवकरेज्ज वा उवक्खडेज्ज वा । तं चेगइओ तुसिणीओ उवेहेज्जा, आहडमेवं पच्चाइक्खिस्सामि । माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा। से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! ति वा भइणी ! ति वा; णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मियं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा भोत्तए वा पायए वा, मा उवकरेहि, मा उवक्खडेहि ।

से सेवं वयंतस्स परो आहाकम्मियं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उवक्खडेत्ता आहट्ठ दलएज्जा । तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, ... तेल्लपूयं आएसाए उवक्खडिज्जमाणं पेहाए णो खद्धं-खद्धं उवसंकमित्तु ओभासेज्जा, णण्णत्थ गिलाणाए ।

- ५] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावईकुलं पिंडवाय पडियाए पविट्ठे समाणे अण्णयरं भोयणजायं पडिगाहेत्ता सुब्भिं-सुब्भिं भोच्चा दुब्भिं-दुब्भिं परिट्ठवेइ । माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा । सुब्भिं वा दुब्भिं वा सव्वं भुंजे ण छइइए ।
- ६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे अण्णयरं वा पाणगजायं पडिगाहेत्ता पुप्फं पुप्फं आविइत्ता कसायं कसायं परिट्ठवेइ । माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा । पुप्फं पुप्फे ति वा कसायं कसाए ति वा सव्वमेयं भुंजेज्जा, ण किंचि वि परिट्ठवेज्जा ।
- ७] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवाय पडियाए पविट्ठे समाणे बहुपरियावण्णं भोयणजायं पडिगाहेत्ता साहम्मिया तत्थ वसंति संभोइया समणुण्णा अपरिहारिया अदूरगया । तेसिं अणालोइय अणामंतिय परिट्ठवेइ । माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा ।
- से तमादाए तत्थ गच्छेज्जा, गच्छेत्ता से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसंतो समणा ! इमे मे असणे वा पाणे वा खाइमे वा साइमे वा बहुपरियावण्णे, तं भुंजह । से सेवं वयंतं परो वएज्जा-आउसंतो समणा ! आहारमेयं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा जावइयं-जावइयं परिसडइ तावइयं-तावइयं भोक्खामो वा पाहामो वा; सव्वमेयं परिसडइ सव्वमेयं भोक्खामो वा पाहामो वा ।
- ८] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा-असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा परं समुद्धिस्स बहिया णीहडं तं परेहिं असमणुण्णायं अणिसिद्धं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा। तं परेहिं समणुण्णायं समणुसिद्धं फासुयं जाव पडिगाहेज्जा।
- ९] एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ नवमो उद्देशो समत्तो ॥

दसमो उद्देशो

- १] से एगइओ साहारणं वा पिंडवायं पडिगाहेत्ता ते साहम्मिए अणापुच्छित्ता जस्स-जस्स इच्छइ तस्स तस्स खद्धं-खद्धं दलयइ । माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा ।
- से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, गच्छित्ता पुव्वामेव एवं वएज्जा- आउसंतो समणा ! संति मम पुरेसंथुया वा पच्छासंथुया वा, तं जहा- आयरिए वा उवज्झाए वा पवत्ती वा थेरे वा गणी वा गणहरे वा गणावच्छेइए वा, अवियाइं एएसिं खद्धं-खद्धं दाहामि । से एवं वयंतं परो वइज्जा- कामं खलु आउसो ! अहापज्जत्तं णिसिराहि । जावइयं जावइयं परो वयइ, तावइयं तावइयं णिसिरेज्जा। सव्वमेयं परो वयइ, सव्वमेयं णिसिरेज्जा ।
- २] से एगइओ मणुण्णं भोयणजायं पडिगाहेत्ता पंतेण भोयणेण पत्तिच्छाएइ मामेयं दाइयं संतं; दट्ठूणं सयमाइए; तं जहा- आयरिए वा जाव गणावच्छेइए वा । णो खलु मे कस्सइ किंचि वि दायव्वं सिया । माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा।

से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, गच्छेत्ता पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे पडिग्गहं कट्टु इमं खलु इमं खलु त्ति आलोएज्जा । णो किंचि वि णिगूहेज्जा ।

३ से एगइओ अण्णयरं भोयणजायं पडिगाहेत्ता भद्दयं-भद्दयं भोच्चा विवण्णं विरसमाहरइ । माइद्वाणं संफासे । णो एवं करेज्जा ।

४ से भिक्खू वा भिक्खुणी से जं पुण जाणेज्जा अंतरुच्छुयं वा उच्छुगंडियं वा उच्छुचोयगं वा उच्छुमेरगं वा उच्छुसालगं वा उच्छुडालगं वा सिंबलिं वा सिंबलिथालगं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे भोयणजाए बहुउज्झियधम्मिए, तहप्पगारं अंतरुच्छुयं वा जाव सिंबलिथालगं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

५ से भिक्खू वा भिक्खुणी से जं पुण जाणेज्जा- बहुअट्ठियं वा पुग्गलं अणिमिसं... वा बहुकंटगं, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे भोयणजाए बहुउज्झियधम्मिए, तहप्पगारं बहुअट्ठियं वा पोग्गलं अणिमिसं... वा बहुकंटगं लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।

६ से भिक्खू वा भिक्खुणी जाव पविट्ठे समाणे सिया णं परो बहुअट्ठिएण पोग्गलेण... उवणिमंतेज्जा- आउसंतो समणा ! अभिकंखसि बहुअट्ठियं पोग्गलं... पडिगाहेत्तए ? एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो! ति वा भइणी ! ति वा णो खलु मे कप्पइ बहुअट्ठियं पोग्गलं... पडिगाहेत्तए । अभिकंखसि मे दाउं, जावइयं तावइयं पोग्गलं दलयाहि, मा अट्ठियाइं ।

से सेवं वदंतस्स परो अभिहट्ठु अंतो पडिग्गहगंसि बहुअट्ठियं पोग्गलं ... परिभाएत्ता णिहट्ठु दलएज्जा । तहप्पगारं पडिग्गहगं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं त्ति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।

से य आहच्च पडिगाहिए सिया, तं णो हि त्ति वएज्जा, णो अणिहि त्ति वएज्जा, से तमादाय एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमेत्ता अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा अप्पंडे जाव संताणए पोग्गलं अणिमिसं...भोच्चा अट्ठियाइं कंटए गहाए से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमेत्ता अहे झामथंडिल्लंसि वा जाव तओ संजयामेव परिट्ठवेज्जा ।

७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे सिया से परो अभिहट्ठु अंतो पडिग्गहए बिलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं, परिभाएत्ता णिहट्ठु दलएज्जा । तहप्पगारं पडिग्गहगं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

से आहच्च पडिग्गाहिए सिया, तं च णाइदूरगए जाणेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, गच्छेत्ता पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ति वा भइणी त्ति वा इमं किं ते जाणया दिण्णं उदाहु अजाणया ? सो य भणेज्जा- णो खलु मे जाणया दिण्णं, अजाणया; कामं खलु आउसो ! इदाणिं णिसिरामि, तं भुंजह च णं परियाभाएह च णं । तं परेहिं समणुण्णायं समणुसिट्ठं तओ संजयामेव भुंजेज्ज वा पीएज्ज वा । जं च णो संचाएइ भोत्तए वा पायए वा, साहम्मिया तत्थ वसंति संभोइया समणुण्णा अपरिहारिया अदूरगया तेसिं अणुप्पदायव्वं सिया । सिया णो जत्थ साहम्मिया सिया, जहेव बहुपरियावण्णे कीरइ तहेव कायव्वं सिया ।

८ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

एगारसमो उद्देशो

- १ भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे मणुण्णं भोयणजायं लभित्ता- से य भिक्खु गिलाइ, से हंदह णं तस्साहरह, से य भिक्खू णो भुंजेज्जा तुमं चेव णं भुंजेज्जासि । से एगइओ भोक्खामि त्ति कट्ठु पलिउंचिय पलिउंचिय आलोएज्जा, तं जहा- इमे पिंडे, इमे लोए, इमे तित्तए, इमे कडुयए, इमे कसाए, इमे अंबिले, इमे महुरे, णो खलु एत्तो किंचि गिलाणस्स सयइ त्ति। माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा । तहाठियं आलोएज्जा जहाठियं गिलाणस्स सयइ, तं जहा- तित्तयं तित्तए त्ति वा, कडुयं कडुए त्ति, कसायं कसाए त्ति अंबिलं अंबिले त्ति महुरं महुरे त्ति वा ।
- २ भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे, मणुण्णं भोयणजायं लभित्ता- से य भिक्खु गिलाइ, से हंदह णं तस्साहरह, से य भिक्खू णो भुंजेज्जा आहारेज्जासि, से णं णो खलु मे अंतराए आहरिस्सामि। इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइकम्म ।
- ३ अह भिक्खू जाणेज्जा-सत्त पिंडेसणाओ, सत्त पाणेसणाओ ।
तत्थ खलु इमा पढमा पिंडेसणा-असंसद्वे हत्थे असंसद्वे मत्ते । तहप्पगारेण असंसद्वेण हत्थेण वा मत्तएण वा; असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा; सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहेज्जा- पढमा पिंडेसणा।
- ४ अहावरा दोच्चा पिंडेसणा- संसद्वे हत्थे संसद्वे मत्ते, तहेव दोच्चा पिंडेसणा।
- ५ अहावरा तच्चा पिंडेसणा- इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति- गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा । तेसिं च णं अण्णयरेसु विरूवरूवेसु भायणजाएसु उवणिक्खित्त पुव्वे सिया, तं जहा- थालंसि वा पिढरंसि वा सरगंसि वा परगंसि वा वरगंसि वा ।
अह पुण एवं जाणेज्जा असंसद्वे हत्थे संसद्वे मत्ते, संसद्वे वा हत्थे असंसद्वे मत्ते । से य पडिग्गहधारी सिया पाणिपडिग्गहए वा; से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! त्ति वा भगिणी ! त्ति वा एएण तुमं असंसद्वेण हत्थेण, संसद्वेण मत्तेण; संसद्वेण वा हत्थेण, असंसद्वेण मत्तेण; अस्सिं पडिग्गहगंसि वा पाणिंसि वा णिहट्ठु उवित्तु दलयाहि । तहप्पगारं भोयणजायं सयं वा जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहेज्जा । तच्चा पिंडेसणा ।
- ६ अहावरा चउत्था पिंडेसणा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणेज्जा- पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे अप्पे पज्जवजाए । तहप्पगारं पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा; सयं वा णं जाएज्जा जाव पडिगाहेज्जा । चउत्था पिंडेसणा ।
- ७ अहावरा पंचमा पिंडेसणा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे उग्गहियमेव भोयणजायं जाणेज्जा, तं जहा- सरावंसि वा डिंडिमंसि वा कोसगंसि वा ।
अह पुण एवं जाणेज्जा बहुपरियावण्णे पाणिसु दगलेवे । तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा सयं वा णं जाएज्जा जाव पडिगाहेज्जा। पंचमा पिंडेसणा ।

- ७ अहावरा छट्ठा पिंडेसणा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे पग्गहियमेव भोयणजायं जाणेज्जा जं च सयट्ठाए पग्गहियं, जं च परट्ठाए पग्गहियं तं पायपरियावणं तं पाणिपरियावणं फासुयं जाव पडिगाहेज्जा । छट्ठा पिंडेसणा ।
- ८ अहावरा सत्तमा पिंडेसणा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे उज्झियधम्मियं भोयणजायं जाणेज्जा- जं च अण्णे बहवे दुपय-चउप्पय-समण-माहण-अतिहि-किवण- वणीमगा-णावकंखंति तहप्पगारं उज्झियधम्मियं भोयणजायं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा जाव पडिगाहेज्जा । सत्तमा पिंडेसणा । इच्चेयाओ सत्त पिंडेसणाओ ।
- ९ अहावराओ सत्त पाणेसणाओ । तत्थ खलु इमा पढमा पाणेसणा- असंसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते । तं चेव भाणियत्वं, णवरं चउत्थाए णाणत्तं, से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावड्कुलं पिंडवाय पडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तं जहा- तिलोदगं वा तुसोदगं वा जवोदगं वा आयामं वा सोवीरं वा सुद्धवियडं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे, तहेव जाव पडिगाहेज्जा ।
- १० इच्चेयासिं सत्तण्हं पिंडेसणाणं सत्तण्हं पाणेसणाणं अण्णयरं पडिमं पडिवज्जमाणे णो एवं वएज्जा-मिच्छा पडिवण्णा खलु एए भयंतारो, अहमेगे सम्मं पडिवण्णे ।
- जे एए भयंतारो एयाओ पडिमाओ पडिवज्जित्ताणं विहरंति, जो य अहमंसि एयं पडिमं पडिवज्जित्ताणं विहरामि; सव्वे ते उ जिणाणाए उवट्ठिया अण्णोणसमाहीए; एवं च णं विहरंति ।
- ११ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ एगारसमो उद्देशो समत्तो ॥

॥पढम अज्झयणं समत्तं ॥

बीअं अज्झयणं

सेज्जा

पढमो उद्देशो

- १ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा उवस्सयं एसित्ताए, से अणुपविसित्ता गामं वा णगरं वा जाव रायहाणिं वा; से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- सअंडं सपाणं जाव संताणयं, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।
- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं उवस्सयं जाणेज्जा- अप्पंडं जाव संताणयं, तहप्पगारे उवस्सए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा, णिसीहियं वा चेएज्जा ।

२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्धिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ समुद्धिस्स कीयं पामिच्चं अच्छेज्जं अणिसद्वं अभिहदं आहदु चेएइ । तहप्पगारे उवस्सए पुरिसंतरकडे वा अपुरिसंतरकडे वा जाव आसेविए वा अणासेविए वा; णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं चेएज्जा । एवं बहवे साहम्मिया, एगं साहम्मिणिं, बहवे साहम्मिणीओ ।

३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- बहवे समण- माहण-अतिहि-किवण-वणीमए पगणिय-पगणिय समुद्धिस्स तं चेव भाणियव्वं ।

४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा-बहवे समण-माहण- अतिहि-किवण-वणीमए समुद्धिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ जाव चेएइ । तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरकडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

अह पुण एवं जाणेज्जा- पुरिसंतरकडे जाव आसेविए; पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- असंजए भिक्खुपडियाए कडिए वा उक्कंबिए वा छण्णे वा लित्ते वा घट्टे वा मट्टे वा संमट्टे वा संपधूमिए वा । तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरकडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

अह पुण एवं जाणेज्जा- पुरिसंतरकडे जाव आसेविए; पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- असंजए भिक्खुपडियाए खुड्डियाओ दुवारियाओ महल्लियाओ कुज्जा जहा पिंडेसणाए जाव संधारगं संधारेज्जा, बहिया वा णिण्णक्खु; तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरकडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

अह पुण एवं जाणेज्जा- पुरिसंतरकडे जाव आसेविए; पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- असंजए भिक्खुपडियाए उदगप्पसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा पत्ताणि वा पुप्फाणि वा फलाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा ठाणाओ ठाणं साहरइ, बहिया वा णिण्णक्खू, तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरकडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

अह पुण एवं जाणेज्जा-पुरिसंतरकडे जाव आसेविए; पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- अस्संजए भिक्खुपडियाए पीढं वा फलगं वा णिस्सेणिं वा उदूहलं वा ठाणाओ ठाणं साहरइ, बहिया वा णिण्णक्खु; तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरकडे जाव अणासेविए; णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

अह पुण एवं जाणेज्जा-पुरिसंतरकडे जाव आसेविए; पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा, तं जहा- खंधंसि वा थंभंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा पासायंसि वा हम्मियतलंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि अंतलिक्खजायंसि णण्णत्थ आगाढागाढेहिं कारणेहिं णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

से य आहच्च चेइए सिया, णो तत्थ सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा हत्थाणि वा पायाणि वा अच्छीणि वा दंताणि वा मुहं वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा; णो तत्थ ऊसढं पगरेज्जा, तं जहा- उच्चारं वा पासवणं वा खेलं वा सिंघाणं वा वंतं वा पित्तं वा पूडं वा सोणियं वा अण्णयरं वा सरीरावयवं ।

केवली बूया- आयाणमेयं । से तत्थ ऊसढं पगरेमाणे पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलमाणे पवडमाणे वा हत्थं वा जाव सीसं वा अण्णयरं वा कायंसि इंदियजायं लूसेज्जा, पाणाणि वा भूयाणि वा जीवाणि वा सत्ताणि वा अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा ।

अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए अंतलिक्खजाए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

१० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- सइत्थियं सखुड्डं सपसुभत्तपाणं; तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

११ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावड्कुलेण सद्धिं संवसमाणस्स- अलसगे वा विसूइया वा छड्डी वा णं उब्बाहेज्जा, अण्णयरे वा से दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा अस्संजए कलुणपडियाए तं भिक्खुस्स गायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा अब्भंगेज्ज वा मक्खेज्ज वा; सिणाणेण वा कक्केण वा लोद्धेण वा वण्णेण वा चुण्णेण वा पउमेण वा आघंसेज्ज वा पघंसेज्ज वा उव्वलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा; सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा सिणावेज्ज वा सिंचेज्ज वा; दारुणा वा दारुपरिणामं कट्ठु अगणिकायं उज्जालेज्ज वा पज्जालेज्ज वा उज्जालेत्ता पज्जालेत्ता कायं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ।

अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेऊ, एस कारणं, एस उवएसो, जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

१२ आयाणमेयं भिक्खुस्स सागारिए उवस्सए संवसमाणस्स- इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा वहंति वा रुंभंति वा उद्वेति वा । अह भिक्खू उच्चावयं मणं णियच्छेज्जा- एए खलु अण्णमण्णं अक्कोसंतु वा मा वा अक्कोसंतु, वहंतु वा मा वा वहंतु, रुंभंतु वा मा वा रुंभंतु, उद्वेत्तु वा मा वा उद्वेत्तु ।

अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

१३ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स- इह खलु गाहावई अप्पणो सयद्वाए अगणिकायं उज्जालेज्ज वा पज्जालेज्ज वा विज्जावेज्ज वा । अह भिक्खू उच्चावयं मणं णियच्छेज्जा- एए खलु अगणिकायं उज्जालेत्तु वा मा वा उज्जालेत्तु, पज्जालेत्तु वा मा वा पज्जालेत्तु, विज्जावेत्तु वा मा वा विज्जावेत्तु । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

१४ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स- इह खलु गाहावइस्स कुंडले वा गुणे वा मणी वा मोत्तिए वा हिरण्णे वा सुवण्णे वा कडगाणि वा तुडियाणि वा तिसरगाणि वा पालंबाणि वा हारे वा अद्धहारे वा एगावली वा मुत्तावली वा कणगावली वा रयणावली वा तरुणियं वा कुमारिं अलंकियविभूसियं पेहाए; अह भिक्खू उच्चावयं मणं णियच्छेज्जा- एरिसिया वा सा, णो वा एरिसिया, इति वा णं बूया, इति वा णं मणं साएज्जा ।

अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

१५ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स- इह खलु गाहावइणीओ वा गाहावइधूयाओ वा गाहावइसुण्हाओ वा गाहावइधाईओ वा गाहावइदासीओ वा गाहावइकम्मकरीओ वा, तासिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ- जे इमे भवंति समणा भगवंतो जाव उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एसिं कप्पइ मेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टित्तए, जा य खलु एसिं सद्धिं मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टेज्जा, पुत्तं खलु सा लभेज्जा ओयस्सिं तेयस्सिं वच्चस्सिं जसस्सिं संपराइयं आलोयणदरिसणिज्जं । एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तासिं च णं अण्णयरी सइढी तं तवस्सिं भिक्खुं मेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टावेज्जा ।

अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

१६ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

१ गाहावई णामेगे सुइसमायारा भवंति, भिक्खू य असिणाणए, मोयसमायारे; से तग्गंधे दुग्गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ । जं पुव्वकम्मं तं पच्छाकम्मं, जं पच्छाकम्मं तं पुव्वकम्मं । तं भिक्खुपडियाए वट्टमाणे करेज्जा वा, णो वा करेज्जा ।

अह भिक्खूणं पुव्वोवविट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

२ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स- इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सयद्वाए विरूवरूवे भोयणजाए उवक्खडिए सिया, अह पच्छा भिक्खुपडियाए असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उवक्खडेज्ज वा उवकरेज्ज वा, तं च भिक्खू अभिक्खेज्जा भोत्तए वा पायए वा वियट्टित्तए वा ।

अह भिक्खूणं पुव्वोवविट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

३ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइहिं सद्धिं संवसमाणस्स- इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सयद्वाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिण्णपुव्वाइं भवंति, अह पच्छा भिक्खुपडियाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिंदेज्ज वा

किणेज्ज वा पामिच्चेज्ज वा दारुणा वा दारुपरिणामं कट्ठु अगणिकायं उज्जालेज्ज वा पज्जालेज्ज वा, तत्थ भिक्खू अभिक्खेज्जा आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा वियट्ठित्तए वा ।

अह भिक्खूणं पुव्वोवविट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

- ४] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा उच्चारपासवणेणं उब्बाहिज्जमाणे राओ वा वियाले वा गाहावड्कुलस्स दुवारबाहं अवंगुणेज्जा, तेणे य तस्संधिचारी अणुपविसेज्जा । तस्स भिक्खुस्स णो कप्पइ एवं वदित्तए- अयं तेणे पविसइ, णो वा पविसइ; उवल्लियइ, णो वा उवल्लियइ; अइपतति, णो वा अइपतति; वयइ, णो वा वयइ; तेण हडं, अण्णेण हडं, तस्स हडं, अण्णस्स हडं, अयं तेणे, अयं उवचरण, अयं हंता, अयं एत्थमकासी । तं तवस्सिं भिक्खुं अतेणं तेणं ति संकइ ।

अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

- ५] से भिक्खु वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा, तं जहा- तणपुंजेसु वा पलालपुंजेसु वा सअंडे जाव ससंताणए । तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।

से भिक्खु वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- तणपुंजेसु वा पलालपुंजेसु वा अप्पंडे जाव चेएज्जा ।

- ६] से आगंतारेसु वा आरामागारेसु वा गाहावड्कुलेसु वा परियावसहेसु वा अभिक्खणं-अभिक्खणं साहम्मिएहिं ओवयमाणेहिं णो ओवएज्जा ।

- ७] से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा जे भयंतारो उडुबद्धियं वा वासावासियं वा कप्पं उवाइणावित्ता तत्थेव भुज्जो-भुज्जो संवसंति, अयमाउसो कालाइक्कंतकिरिया यावि भवइ ।

- ८] से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा जे भयंतारो उडुबद्धियं वा वासावासियं वा कप्पं उवाइणावित्ता तं दुगुणा तिगुणेण अपरिहरित्ता तत्थेव भुज्जो संवसंति अयमाउसो उवट्ठाणकिरिया यावि भवइ ।

- ९] इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सइढा भवंति, तं जहा- गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा, तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ, तं सद्धमाणेहिं तं पत्तियमाणेहिं तं रोयमाणेहिं बहवे समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमए समुद्धिस्स तत्थ- तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति, तं जहा- आएसणाणि वा आयतणाणि वा देवकुलाणि वा सभाणि वा पवाणि वा पणियगिहाणि वा पणियसालाओ वा जाणगिहाणि वा जाणसालाओ वा सुहाकम्मंताणि वा दब्भकम्मंताणि वा बद्धकम्मंताणि वा वक्कयकम्मंताणि वा वणकम्मंताणि वा इंगालकम्मंताणि वा कट्ठकम्मंताणि वा सुसाणकम्मंताणि वा सुण्णागारकम्मंताणि वा गिरिकम्मंताणि वा कंदरकम्मंताणि वा संतिकम्मंताणि वा सेलोवट्ठाणकम्मंताणि वा भवणगिहाणि वा । जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तेहिं ओवयमाणेहिं ओवयइ, अयमाउसो ! अभिक्कंतकिरिया यावि भवइ ।

- १०] इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सइढा भवंति, तं जहा- गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा। तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ । तं सद्धमाणेहिं तं पत्तियमाणेहिं तं रोयमाणेहिं बहवे समण-माहण- अतिहि-किवण वणीमए समुद्धिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति, तं जहा- आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि

वा जाव भवणगिहाणि वा तेहिं अणोवयमाणेहिं ओवयंति अयमाउसो ! अणभिव्वकंतकिरिया यावि भवइ।

११ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सइढा भवंति, तं जहा- गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा, तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ- जे इमे भवंति समणा भगवंतो सीलमंता जाव उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एसिं भयंताराणं कप्पइ आहाकम्मिए उवस्सए वत्थए । से जाणि इमाणि अम्हं अप्पणो सयद्वाए चेइयाइं भवंति, तं जहा- आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा सव्वाणि ताणि समणाणं णिसिरामो, अवियाइं वयं पच्छा अप्पणो सयद्वाए चेइस्सामो, तं जहा- आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा।

एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति, उवागच्छित्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्ठंति, अयमाउसो वज्जकिरिया यावि भवइ ।

१२ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सइढा भवंति, तं जहा- गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा; तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ । तं सद्वहमाणेहिं, तं पत्तियमाणेहिं तं रोयमाणेहिं बहवे समण-माहण अतिहि किवणवणीमए पगणिय-पगणिय समुद्धिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति, तं जहा- आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति उवागच्छित्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्ठंति, अयमाउसो ! महावज्जकिरिया यावि भवइ।

१३ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा, संतेगइया सइढा भवंति, तं जहा- गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा। तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ । तं सद्वहमाणेहिं, तं पत्तियमाणेहिं तं रोयमाणेहिं बहवे समणजाए समुद्धिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति, तं जहा- आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति, उवागच्छित्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्ठंति अयमाउसो सावज्जकिरिया यावि भवइ ।

१४ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सइढा भवंति, तं जहा- गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा। तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ ।

तं सद्वहमाणेहिं, तं पत्तियमाणेहिं तं रोयमाणेहिं एगं समणजायं समुद्धिस्स तत्थ-तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति, तं जहा- आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा; महया पुढविकायसमारंभेणं जाव महया तसकायसमारंभेणं महया संरंभेणं महया समारंभेणं महया आरंभेणं महया विरूवरूवेहिं पावकम्म- किच्चेहिं, तं जहा- छायणओ लेवणओ संथार-दुवार-पिहणओ, सीओदए वा परिट्ठवियपुव्वे भवइ, अगणिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ, जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति, उवागच्छित्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्ठंति; दुपक्खं ते कम्मं सेवन्ति, अयमाउसो महासावज्ज- किरिया यावि भवइ ।

१५ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सइढा भवंति, तं जहा- गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा। तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ ।

तं सद्वहमाणेहिं, तं पत्तियमाणेहिं, तं रोयमाणेहिं अप्पणो सयद्वाए तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति, तं जहा- आएसणाणि वा जाव भवण- गिहाणि वा महया पुढविकायसमारंभेणं जाव अगणिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ, जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति उवागच्छित्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्ठंति एगपक्खं ते कम्मं सेवन्ति, अयमाउसो अप्पसावज्जकिरिया यावि भवइ ।

१६ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए । त्ति बेमि ।

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

तइओ उद्देशो

१ से य णो सुलभे फासुए उंछे अहेसणिज्जे, णो य खलु सुद्धे इमेहिं पाहुडेहिं, तं जहा- छायाणओ लेवणओ संथार-दुवार पिहणओ पिंडवाएसणाओ । से य- भिक्खू चरियारए ठाणरए णिसीहियारए सेज्जा-संथार-पिंडवाएसणारए, संति- भिक्खुणो एवमक्खाइणो उज्जुया णियागपडिवण्णा अमायं कुव्वमाणा वियाहिया।

संतेगइया पाहुडिया उक्खित्तपुव्वा भवइ, एवं णिक्खित्तपुव्वा भवइ, परिभाइयपुव्वा भवइ, परिभुत्तपुव्वा भवइ, परिडुवियपुव्वा भवइ, एवं वियागरेमाणे समियाए वियागरेइ ? हंता भवइ ।

२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- खुड्डियाओ खुड्डदुवारियाओ णिइयाओ संणिरुद्धाओ भवंति, तहप्पगारे उवस्सए राओ वा वियाले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पुरा हत्थेण, पच्छा पाएण; तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ।

केवली बूया आयाणमेयं । जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा छत्तए वा मत्तए वा दंडए वा लट्ठिया वा भिसिया वा णालिया वा चेले वा चिलिमिली वा चम्मए वा चम्मकोसए वा चम्मच्छेयणए वा दुबद्धे दुणिक्खित्ते अणिकं पे चलाचले, भिक्खू य राओ वा वियाले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा । से तत्थ पयलमाणे वा पवडमाणे वा हत्थं वा पायं वा जाव इंदियजायं लूसेज्ज वा; पाणाणि वा भूयाणि वा जीवाणि वा सत्ताणि वा अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा ।

अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेउ, एस कारणं, एस उवएसो जं तहप्पगारे उवस्सए पुरा हत्थेण पच्छा पाएण तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ।

३ से आगंतारेसु वा आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा, परियावसहेसु वा अणुवीई उवस्सयं जाएज्जा । जे तत्थ ईसरे, जे तत्थ समहिट्ठाए; ते उवस्सयं अणुणवेज्जा- कामं खलु आउसो ! अहालंदं अहापरिण्णायं वसिस्सामो जाव आउसंतो जाव आउसंतस्स उवस्सए जाव साहम्मिया, एतावताव उवस्सयं गिण्हिस्सामो, तेण परं विहरिस्सामो ।

४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जस्सुवस्सए संवसेज्जा तस्स पुव्वामेव णामगोयं जाणेज्जा, तओ पच्छा तस्स गिहे णिमंतेमाणस्स वा अणिमंतेमाणस्स वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

- ५] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं, णो पण्णस्स णिक्खमण-पवेसाए णो पण्णस्स वायण जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।
- ६] से भिक्खू वा भिक्खुणी से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- गाहावइकुलस्स मज्झिमज्झेणं गंतु, पंथं पडिबद्धं वा; णो पण्णस्स णिक्खमण पवेसाए जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।
- ७] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा जाव उद्वेति वा, णो पण्णस णिक्खमण पवेसाए जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।
- ८] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा अब्भंगेति वा मक्खेति वा, णो पण्णस णिक्खमण-पवेसाए जाव चिंताए; तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।
- ९] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं सिणाणेण वा कक्केण वा लोद्धेण वा वण्णेण वा चुण्णेण वा पउमेण वा आघसंति वा पघसंति वा उव्वलेति वा उव्वहेति वा, णो पण्णस णिक्खमण-पवेसाए जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।
- १०] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेति वा पधोवेति वा सिंचंति वा सिणावेति वा, णो पण्णस्स णिक्खमण-पवेसाए जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।
- ११] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा णिगिणा ठिआ णिगिणा उवल्लीणा मेहुणधम्मं विण्णवेति रहस्सियं वा मंतं मंतेति, णो पण्णस्स णिक्खमण-पवेसाए जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा।
- १२] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण उवस्सयं जाणेज्जा- आइण्णं संलेक्खं, णो पण्णस्स णिक्खमण-पवेसाए जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।
- १३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा संथारगं एसित्तए । से जं पुण संथारगं जाणेज्जा- सअंडं जाव संताणगं, तहप्पगारं संथारगं लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।
- १४] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण संथारगं जाणेज्जा- अप्पंडं जाव संताणगं, गरुयं; तहप्पगारं संथारगं लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।
- १५] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण संथारगं जाणेज्जा- अप्पंडं जाव संताणगं, लहुयं, अपडिहारियं; तहप्पगारं संथारगं लाभे संते णो पडिगाहेज्जा।
- १६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण संथारगं जाणेज्जा- अप्पंडं जाव संताणगं, लहुयं, पाडिहारियं, णो अहाबद्धं; तहप्पगारं संथारगं लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।

- १७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण संधारंगं जाणेज्जा अप्पंडं जाव संताणंगं, लहुयं, पाडिहारियं, अहाबद्धं; तहप्पगारं संधारंगं लाभे संते पडिगाहेज्जा।
- १८ इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइकम्म; अह भिक्खू जाणेज्जा- इमाहिं चउहिं पडिमाहिं संधारंगं एसित्तए- तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा उद्दिसिय उद्दिसिय संधारंगं जाएज्जा, तं जहा- इक्कडं वा कट्ठिणं वा जंतुयं वा परंगं वा मोरंगं वा तणंगं वा, कुसं वा कुच्चगं वा पिप्पलंगं वा पलालंगं वा । से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! ति वा भगिणी ! ति वा; दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं संधारंगं ? तहप्पगारं संधारंगं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा, फासुयं एसणिज्जं त्ति मण्णमाणे लाभे संते पडिगाहेज्जा। पढमा पडिमा ।
- १९ अहावरा दोच्चा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा पेहाए संधारंगं जाएज्जा, तं जहा- गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा । से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! ति वा भगिणी ! ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं संधारंगं ? तहप्पगारं संधारंगं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा; फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहेज्जा । दोच्चा पडिमा ।
- २० अहावरा तच्चा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जसुवस्सए संवसेज्जा जे तत्थ अहासमण्णागए, तं जहा- इक्कडे वा जाव पलाले वा, तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुए वा णेसज्जिए वा विहरेज्जा । तच्चा पडिमा।
- २१ अहावरा चउत्था पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहासंधमेव संधारंगं जाएज्जा, तं जहा- पुढविसिलं वा कट्ठसिलं वा अहासंधमेव, तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुए वा णेसज्जिए वा विहरेज्जा । चउत्था पडिमा।
- २२ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं अण्णयरं पडिमं पडिवज्जमाणे तं चेव जाव अण्णोण्णसमाहिए एवं च णं विहरंति ।
- २३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा संधारंगं पच्चप्पिणित्तए । से जं पुण संधारंगं जाणेज्जा- सअंडं जाव ससंताणंगं, तहप्पगारं संधारंगं णो पच्चप्पिणेज्जा ।
- २४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा संधारंगं पच्चप्पिणित्तए । से जं पुण संधारंगं जाणेज्जा- अप्पंडं जाव संताणंगं, तहप्पगारं संधारंगं पडिलेहिय पडिलेहिय पमज्जिय-पमज्जिय आयाविय- आयाविय विहुणिय-विहुणिय तओ संजयामेव पच्चप्पिणेज्जा।
- २५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे वा पुव्वामेव पण्णस्स उच्चार-पासवणभूमिं पडिलेहेज्जा ।
- केवली बूया- आयाणमेयं ।
- अपडिलेहियाए उच्चार-पासवणभूमीए, भिक्खू वा भिक्खुणी वा राओ वा वियाले वा उच्चार-पासवणं परिद्वेमाणे पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलमाणे वा पवडमाणे वा हत्थं वा पायं वा जाव लूसेज्जा; पाणाणि वा जाव ववरोएज्जा ।
- अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेऊ, एस कारणं, एस उवएसो, जं पुव्वामेव पण्णस्स उच्चार-पासवणभूमिं पडिलेहेज्जा ।

- २६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा सेज्जासंधारगभूमिं पडिलेहित्तए, अण्णत्थ आयरिएण वा उवज्झाएण वा जाव गणावच्छेइएण वा; बालेण वा वुड्ढेण वा सेहेण वा गिलाणेण वा आएसेण वा; अंतेण वा मज्झेण वा समेण वा विसमेण वा पवाएण वा णिवाएण वा; तओ संजयामेव पडिलेहिय-पडिलेहिय पमज्जिय-पमज्जिय बहुफासुयं सेज्जासंधारगं संधरेज्जा ।
- २७] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा बहुफासुयं सेज्जासंधारगं संधरित्ता अभिकंखेज्जा बहुफासुए सेज्जासंधारए दुरुहित्तए । से भिक्खू वा भिक्खुणी वा बहुफासुए सेज्जासंधारए दुरुहमाणे, से पुव्वामेव ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जिय पमज्जिय तओ संजयामेव बहुफासुए सेज्जासंधारए दुरुहेज्जा, दुरुहेत्ता तओ संजयामेव बहुफासुए सेज्जासंधारए सएज्जा ।
- २८] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा बहुफासुए सेज्जासंधारए सयमाणे णो अण्णमण्णस्स हत्थेण हत्थं, पाएण पायं, काएण कायं आसाएज्जा । से अणासायमाणे तओ संजयामेव बहुफासुए सेज्जासंधारए सएज्जा ।
- २९] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा ऊसासमाणे वा णीसासमाणे वा कासमाणे वा छीयमाणे वा जंभायमाणे वा; उड्डुए वा वायणिसग्गे वा करेमाणे पुव्वामेव आसयं वा पोसयं वा पाणिणा परिपिहेत्ता तओ संजयामेव ऊससेज्ज वा जाव वायणिसग्गं वा करेज्जा ।
- ३०] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा समा वेगया सेज्जा भवेज्जा, विसमा वेगया सेज्जा भवेज्जा, पवाया वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिवाया वेगया सेज्जा भवेज्जा, ससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अप्पससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सदंस-मसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अप्पदंस-मसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सउवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिरुवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, तहप्पगाराहिं सेज्जाहिं संविज्जमाणाहिं पग्गहियतरागं विहारं विहरेज्जा । णो किंचि वि गिलाएज्जा ।
- ३१] एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि। त्ति बेमि ।

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

॥ बीअं अज्झयणं समत्तं ॥

तइअं अज्झयणं

इरिया

पढमो उद्देसो

- १] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणेज्जा-अब्भुवगए खलु वासावासे अभिपवुट्ठे, बहवे पाणा अभिसंभूया, बहवे बीया अहुणुब्भिण्णा, अंतरा से मग्गा बहुपाणा बहुबीया जाव संताणगा, अणभिकंता पंथा, णो विण्णाया मग्गा, सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा, तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ।

- २] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणेज्जा- गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा णो महई विहारभूमी, णो महई वियारभूमी, णो सुलभे पीढ-फलग-सेज्जा-संथारए, णो सुलभे फासुए उंछे अहेसणिज्जे, बहवे जत्थ समण-माहण- अतिहि-किवण-वणीमगा उवागया उवागमिस्संति य, अच्चाइण्णा वित्ती, णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए जाव चिंताए । सेवं णच्चा तहप्पगारं गामं वा णगरं वा जाव रायहाणिं वा णो वासावासं उवल्लिएज्जा ।
- ३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणेज्जा- गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा महई विहारभूमी, महई वियारभूमी, सुलभे जत्थ पीढ-फलग-सेज्जा-संथारए, सुलभे फासुए उंछे अहेसणिज्जे, णो जत्थ बहवे समण जाव उवागमिस्संति य, अप्पाइण्णा वित्ती, पण्णस्स णिक्खमण पवेसाए जाव चिंताए, सेवं णच्चा तहप्पगारं गामं वा जाव रायहाणिं वा तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ।
- ४] अह पुणेवं जाणेज्जा-चत्तारि मासा वासाणं वीइक्कंता, हेमंताण य पंच-दस-रायकप्पे परिवुसिए, अंतरा से मग्गा बहुपाणा जाव संताणगा, णो जत्थ बहवे समण जाव उवागमिस्संति य, सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ५] अह पुणेवं जाणेज्जा-चत्तारि मासा वासाणं वीइक्कंता, हेमंताण य पंच-दस-रायकप्पे परिवुसिए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव असंताणगा, बहवे जत्थ समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमगा उवागया उवागमिस्संति य । सेवं णच्चा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दुइज्जमाणे पुरओ जुगमायं पेहमाणे, दडूण तसे पाणे, उद्धट्टु पायं रीएज्जा, साहट्टु पायं रीएज्जा, उक्खिप्प पायं रीएज्जा, तिरिच्छं वा कट्टु पायं रीएज्जा, सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा, णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दुइज्जेज्जा ।
- ७] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दुइज्जमाणे, अंतरा से पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदए वा मट्टिया वा अविद्धत्था, सइ परक्कमे जाव णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दुइज्जेज्जा ।
- ८] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दुइज्जमाणे, अंतरा से विरूवरूवाणि पच्चंतिकाणि दस्सुगायतणाणि मिलक्खूणि अणारियाणि दुस्सण्णप्पाणि दुप्पण्णवणिज्जाणि अकालपडिबोहीणि अकालपरिभोईणि, सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए । केवली बूया- आयाणमेयं ।
- ते णं बाला अयं तेणे, अयं उवचरए, अयं तओ आगए त्ति कट्टु तं भिक्खुं अक्कोसेज्ज वा जाव उवद्धवेज्ज वा, वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं आच्छिंदेज्ज वा भिंदेज्ज वा अवहरेज्ज वा परिट्ठवेज्ज वा । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि पच्चंतियाणि दस्सुगायतणाणि जाव विहारवत्तियाए णो पवज्जेज्ज गमणाए । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ९] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दुइज्जमाणे, अंतरा से अरायाणि वा गणरायाणि वा जुवरायाणि वा दोरज्जाणि वा वेरज्जाणि वा विरुद्धरज्जाणि वा, सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए । केवली बूया- आयाणमेयं ।

ते णं बाला अयं तेणे, अयं उवचरेण जाव णो पवज्जेज्ज गमणाए । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।

- १० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे, अंतरा से विहं सिया, से जं पुण विहं जाणेज्जा- एगाहेण वा दुयाहेण वा तियाहेण वा चउयाहेण वा पंचाहेण वा पाउणेज्जा वा णो वा पाउणेज्जा । तहप्पगारं विहं अणेगाहगमणिज्जं सइ लाढे जाव णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए । केवली बूया-आयाणमेयं । अंतरा से वासे सिया पाणेसु वा पणएसु वा बीएसु वा हरिएसु वा उदएसु वा मट्टियाए वा अविद्धत्थाए । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारं विहं अणेगाहगमणिज्जं जाव णो गमणाए । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ११ से भिक्खु वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे, अंतरा से णावासंतारिमे उदए सिया, से जं पुण णावं जाणेज्जा- असंजए भिक्खुपडियाए किणेज्ज वा, पामिच्चेज्ज वा, णावाए वा णावं परिणामं कट्ठु, थलाओ वा णावं जलंसि ओगाहेज्जा, जलाओ वा णावं थलंसि उक्कसेज्जा, पुण्णं वा णावं उस्सिंचेज्जा, सण्णं वा णावं उप्पीलावेज्जा, तहप्पगारं णावं उड्ढगामिणिं वा अहेगामिणिं वा तिरियगामिणिं वा परं जोयणमेराए, अद्धजोयणमेराए वा अप्पयरे वा भुज्जयरे वा णो दुरुहेज्जा गमणाए ।
- १२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा पुव्वामेव तिरिच्छसंपाइमं णावं जाणेज्जा, जाणित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतममक्कमेत्ता भंडगं पडिलेहेज्जा, पडिलेहेत्ता एगाभोयं भंडगं करेज्जा, करेत्ता ससीसोवरियं कायं, पाए य पमज्जेज्जा, पमज्जेत्ता सागारं भत्तं पच्चक्खाएज्जा, पच्चक्खाएत्ता एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव णावं दुरुहेज्जा ।
- १३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा णावं दुरुहेमाणे णो णावाए पुरओ दुरुहेज्जा, णो णावाए मग्गओ दुरुहेज्जा, णो णावाए मज्झओ दुरुहेज्जा, णो बाहाओ पगिज्झय पगिज्झय अंगुलियाए उवदंसिय उवदंसिय ओणमिय ओणमिय उण्णमिय उण्णमिय णिज्झाएज्जा ।
- १४ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा- आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावं उक्कसाहि वा वोक्कसाहि वा खिवाहि वा रज्जूए वा गहाय आकसाहि । णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा ।
- १५ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा-आउसंतो समणा ! णो संचाएसि तुमं णावं उक्कसित्तए वा वोक्कसित्तए वा खिवित्तए वा रज्जुयाए वा गहाय आकसित्तए; आहर एयं णावाए रज्जुयं, सयं चेव णं वयं णावं उक्कसिस्सामो वा वोक्कसिस्सामो वा, खिविस्सामो वा, रज्जूए वा गहाय आकसिस्सामो । णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा ।
- १६ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा- आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावं अलित्तेण वा पीढेण वा [पिहएण वा] वंसेण वा वलएण वा अवल्लएण वा वाहेहि । णो से तं परिण्णं जाव उवेहेज्जा ।
- १७ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा- आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावाए उदयं हत्थेण वा पाएण वा मत्तेण वा पडिग्गहेण वा णावा उस्सिंचणेण वा उस्सिंचाहि । णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा ।

- १८ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा- आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावाए उत्तिगं हत्थेण वा पाएण वा बाहुणा वा ऊरुणा वा उदरेण वा सीसेण वा काएण वा णावा उस्सिंचणेण वा चेलेण वा मट्ठियाए वा कुसपत्तएण वा कुविंदेण वा पिहेहि । णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा ।
- १९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा णावाए उत्तिंगेण उदगं आसवमाणं पेहाए, उवरुवरिं णावं कज्जलावेमाणं पेहाए, णो परं उवसंकमित्तु एवं बूया- आउसंतो गाहावड् ! एयं ते णावाए उदयं उत्तिंगेण आसवड्, उवरुवरिं वा णावा कज्जलावेड् । एयप्पगारं मणं वा वायं वा णो पुरओ कट्ठु विहरेज्जा । अप्पुस्सुए अबहिलेस्से एगंतगएणं अप्पाणं विओसेज्ज समाहीए । तओ संजयामेव णावासंतारिमे उदए आहारियं रीएज्जा ।
- २० एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

- १ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा- आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं छत्तगं वा जाव चम्मछेयणगं वा गेण्हाहि, एयाणि ता तुमं विरुवरूवाणि सत्थजायाणि धारेहि, एयं ता तुमं दारगं वा दारिगं वा पज्जेहि । णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा ।
- २ से णं परो णावागए णावागयं वएज्जा- आउसंतो ! एस णं समणे णावाए भंडभारिए भवड्, से णं बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवेज्जा । एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से य चीवरधारी सिया खिप्पामेव चीवराणि उव्वेड्ढिज्ज वा णिव्वेड्ढिज्ज वा, उप्फेसं वा करेज्जा ।
- ३ अह पुणेवं जाणेज्जा- अभिकंतकूरकम्मा खलु बाला बाहाहिं गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवेज्जा । से पुव्वामेव वएज्जा- आउसंतो गाहावड् ! मा मेत्तो बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवह, सयं चेव णं अहं णावाओ उदगंसि ओगाहिस्सामि ।
- से णेवं वयंतं परो सहसा बलसा बाहाहिं गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवेज्जा, तं णो सुमणे सिया, णो दुम्मणे सिया, णो उच्चावयं मणं णियच्छेज्जा, णो तेसिं बालाणं घायाए वहाए समुट्ठेज्जा । अप्पुस्सुए जाव समाहीए । तओ संजयामेव उदगंसि पवेज्जा ।
- ४ से भिक्खु वा भिक्खूणी वा उदगंसि पवमाणे णो हत्थेण हत्थं, पाएण पायं, काएण कायं आसाएज्जा । से अणासायमाणे तओ संजयामेव उदगंसि पवेज्जा ।
- ५ से भिक्खु वा भिक्खुणी वा उदगंसि पवमाणे णो उम्मग्ग- णिमग्गियं करेज्जा, मा मेयं उदगं कण्णेसु वा अच्छीसु वा णक्कंसि वा मुहंसि वा परियावज्जेज्जा, तओ संजयामेव उदगंसि पवेज्जा ।
- ६ से भिक्खु वा भिक्खुणी वा उदगंसि पवमाणे दोब्बलियं पाउणेज्जा, खिप्पामेव उवहिं विगिंचेज्ज वा विसोहेज्ज वा, णो चेव णं साइज्जेज्जा ।

- ७ अह पुण एवं जाणेज्जा-पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए । तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण वा काएण उदगतीरे चिद्धेज्जा।
- ८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा उदउल्लं वा ससिणिद्धं वा कायं णो आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा संलिहेज्ज वा णिल्लिहेज्ज वा उव्वलेज्ज वा उव्वहेज्ज वा आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ।
अह पुण एवं जाणेज्जा- विगतोदए मे काए छिण्णसिणेहे मे काए । तहप्पगारं कायं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा जाव पयावेज्ज वा । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो परेहिं सद्धिं परिजविय-परिजविय गामाणुगामं दुइज्जेज्जा । तओ संजयामेव गामाणुगामं दुइज्जेज्जा ।
- १० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दुइज्जमाणे, अंतरा से जंघासंतारिमे उदगे सिया, से पुव्वामेव ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा, पमज्जेत्ता जाव एगं पायं जले किच्चा, एगं पायं थले किच्चा; तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदगे अहारियं रीएज्जा ।
- ११ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जंघासंतारिमे उदगे अहारियं रीयमाणे णो हत्थेण हत्थं जाव आसाएज्जा । से अणासायमाणे तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदगे अहारियं रीएज्जा ।
- १२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीयमाणे णो सायावडियाए णो परिदाहवडियाए महइमहालयंसि उदगंसि कायं विओसेज्जा । तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ।
- १३ अह पुण एवं जाणेज्जा-पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए । तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण वा काएण दगतीरे चिद्धेज्जा।
- १४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा उदउल्लं वा कायं, ससिणिद्धं वा कायं, णो आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा ।
अह पुण एवं जाणेज्जा-विगओदए मे काए, छिण्णसिणेहे, तहप्पगारं कायं आमज्जेज्ज वा जाव पयावेज्ज वा । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा।
- १५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो मट्टियामएहिं पाएहिं हरियाणि छिंदिय-छिंदिय विकुज्जिय- विकुज्जिय विफालिय-विफालिय उम्मग्गेण हरियवहाए गच्छेज्जा; जहेयं पाएहिं मट्टियं खिप्पामेव हरियाणि अवहरंतु। माइट्ठाणं संफासे । णो एवं करेज्जा । से पुव्वामेव अप्पहरियं मग्गं पडिलेहेज्जा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा।
- १६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा फलिहाणि वा पागाराणि वा तोरणाणि वा अग्गलाणि वा अग्गलपासगाणि वा गड्डाओ वा दरीओ वा सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा, णो उज्जुयं गच्छेज्जा । केवली बूया- आयाणमेयं ।
से तत्थ परक्कममाणे पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलमाणे वा पवडमाणे वा रुक्खाणि वा गुच्छाणि वा गुम्माणि वा लयाओ वा वल्लीओ वा तणाणि वा गहणाणि वा हरियाणि वा अवलंबिय-अवलंबिय उत्तरेज्जा, जे तत्थ पाडिपहिया उवागच्छंति ते पाणी जाएज्जा, तओ संजयामेव अवलंबिय-अवलंबिय उत्तरेज्जा । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।

- १७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे, अंतरा से जवसाणि वा सगडाणि वा रहाणि वा सचक्काणि वा परचक्काणि वा, सेणं वा विरूवरूवं संणिविहुं पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा ।
- १८ से णं परो सेणागओ वएज्जा- आउसंतो ! एस णं समणे सेणाए अभिणिचारियं करेइ, से णं बाहाए गहाय आगसह । से णं परो बाहाहिं गहाय आगसेज्जा, तं णो सुमणे सिया जाव समाहीए । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- १९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे, अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया एवं वएज्जा- आउसंतो समणा ! केवइए एस गामे वा जाव रायहाणी वा, केवइया एत्थ आसा, हत्थी, गामपिंडोलगा, मणुस्सा परिवसंति ? से बहुभत्ते बहुउदए बहुजणे बहुजवसे ? से अप्पभत्ते अप्पुदए अप्पजणे अप्पजवसे ? एयप्पगाराणि पसिणाणि पुट्ठो णो आइक्खेज्जा, एयप्पगाराणि पसिणाणि णो पुच्छेज्जा ।
- २० एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वद्वेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

- १ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा फलिहाणि वा पागाराणि वा जाव दरीओ वा कूडागाराणि वा पासायाणि वा णूमगिहाणि वा रुक्खगिहाणि वा पव्वयगिहाणि वा रुक्खं वा चेइयकडं, थूभं वा चेइयकडं; आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा; णो बाहाओ पगिज्झिय-पगिज्झिय, अंगुलियाए उद्दिसिय-उद्दिसिय, ओणमिय-ओणमिय, उण्णमिय-उण्णमिय णिज्झाएजा । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- २ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से कच्छाणि वा दवियाणि वा णूमाणि वा वलयाणि वा गहणाणि वा गहणविदुग्गाणि वा वणाणि वा वणविदुग्गाणि वा पव्वयाणि वा पव्वयविदुग्गाणि वा अगडाणि वा तडागाणि वा दहाणि वा णईओ वा वावीओ वा पोक्खरणीओ वा दीहियाओ वा गुंजालियाओ वा सराणि वा सरपंतियाणि वा सरसरपंतियाणि वा; णो बाहाओ पगिज्झिय- पगिज्झिय जाव णिज्झाएज्जा । केवली बूया- आयाणमेयं ।
- जे तत्थ मिगा वा पसू वा पक्खी वा सरीसिवा वा सीहा वा जलयरा वा थलयरा वा खहयरा वा सत्ता ते उत्तसेज्ज वा, वित्तसेज्ज वा वाडं वा सरणं वा कंखेज्जा, चारि त्ति मे अयं समणे ।
- अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं णो बाहाओ पगिज्झिय- पगिज्झिय जाव णिज्झाएज्जा । तओ संजयामेव आयरिय-उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।

- ३] से भिक्खू वा [भिक्खुणी वा] आयरिय-उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो आयरिय-उवज्झायस्स हत्थेण हत्थं जाव आसाएज्जा । से अणासायमाणे तओ संजयामेव आयरिय-उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ४] से भिक्खू वा [भिक्खुणी वा] आयरिय-उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया एवं वएज्जा- आउसंतो समणा ! के तुब्भे, कओ वा एह, कहिं वा गच्छिहिह ?
- जे तत्थ आयरिए वा उवज्झाए वा, से भासेज्ज वा वियागरेज्ज वा; आयरिय-उवज्झायस्स भासमाणस्स वा वियागरेमाणस्स वा णो अंतरा भासं करेज्जा, तओ संजयामेव आहाराइणियाए गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ५] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा आहाराइणियं गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो राइणियस्स हत्थेण हत्थं जाव आसाएज्जा । से अणासायमाणे तओ संजयामेव आहाराइणियं गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा आहाराइणियं गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया एवं वएज्जा- आउसंतो समणा! के तुब्भे ? कओ वा एह ? कहिं वा गच्छिहिह ?
- जे तत्थ सव्वराइणिए से भासेज्ज वा वियागरेज्ज वा, राइणियस्स भासमाणस्स वा वियागरेमाणस्स वा णो अंतरा भासं भासेज्जा । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ७] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया आगच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया एवं वएज्जा- आउसंतो समणा ! अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह, तं जहा- मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा पसुं वा पक्खिं वा सरीसवं वा जलयरं वा, से तं मे आइक्खह, दंसेह । तं णो आइक्खेज्जा, णो दंसेज्जा, णो तस्स तं परिणं परिजाणेज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा, जाणं वा णो जाणं ति वएज्जा । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइजेज्जा ।
- ८] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया एवं वएज्जा- आउसंतो समणा ! अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह- उदगपसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा पत्ताणि वा पुप्फाणि वा फलाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदयं वा संणिहियं अगणिं वा संणिक्खित्तं, से आइक्खह जाव दूइज्जेज्जा ।
- ९] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया एवं वएज्जा- आउसंतो समणा ! अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह- जवसाणि वा जाव सेणं वा विरूवरूवं संणिविद्धं, से आइक्खह जाव दूइज्जेज्जा ।
- १०] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया जाव आउसंतो समणा ! केवइए एत्तो गामे वा जाव रायहाणी वा ? से आइक्खह जाव दूइज्जेज्जा ।
- ११] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया जाव आउसंतो समणा ! केवइए एत्तो गामस्स वा णगरस्स वा जाव रायहाणीए वा मग्गे ? से आइक्खह तहेव जाव दूइज्जेज्जा ।

- १२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से गोणं वियालं पडिपहे पेहाए जाव चित्ताचिल्लडं वियालं पडिपहे पेहाए; णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा, णो मग्गाओ मग्गं संकमेज्जा, णो गहणं वा वणं वा दुग्गं वा अणुपविसेज्जा, णो रुक्खंसि दुरुहेज्जा, णो महइमहालयंसि उदयंसि कायं विओसेज्जा, णो वाडं वा सरणं वा सेणं वा सत्थं वा कंखेज्जा अप्पुस्सुए जाव समाहीए। तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- १३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे, अंतरा से विहं सिया, से जं पुण विहं जाणेज्जा- इमंसि खलु विहंसि बहवे आमोसगा उवगरणपडियाए संपिंडिया गच्छेज्जा, णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा जाव समाहीए । तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- १४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे, अंतरा से आमोसगा संपिंडिया गच्छेज्जा, ते णं आमोसगा एवं वएज्जा- आउसंतो समणा ! आहर एयं वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं वा देहि, णिक्खिवाहि । तं णो देज्जा, णिक्खिवेज्जा, णो वंदिय वंदिय जाएज्जा, णो अंजलिं कट्ठु जाएज्जा, णो कलुणवडियाए जाएज्जा, धम्मियाए जायणाए जाएज्जा, तुसिणीयभावेण वा उवेहेज्जा ।
- १५ ते णं आमोसगा सयं करणिज्जं ति कट्ठु अक्कोसंति वा जाव उद्वेति वा, वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं वा आच्छिंदेज्ज वा अवहरेज्ज वा, परिद्वेज्ज वा, तं णो गामसंसारियं कुज्जा, णो रायसंसारियं कुज्जा, णो परं उवसंकमित्तु बूया- आउसंतो गाहावई ! एए खलु आमोसगा उवगरणपडियाए सयं करणिज्जं ति कट्ठु अक्कोसंति वा जाव परिद्वेति वा । एयप्पगारं मणं वा वइं वा णो पुरओ कट्ठु विहरेज्जा । अप्पुस्सुए जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- १६ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि। त्ति बेमि ।

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

॥ तइओ अज्झयणं समत्तं॥

चउत्थं अज्झयणं

भासाज्जातं

पढमो उद्देसो

- १ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा इमाइं वइ-आयाराइं सोच्चा णिसम्म इमाइं अणायाराइं अणायरियपुव्वाइं जाणेज्जा- जे कोहा वा वायं विउंजंति, जे माणा वा वायं विउंजंति, जे मायाए वा वायं विउंजंति, जे लोभा वा वायं विउंजंति, जाणओ वा फरुसं वयंति, अजाणओ वा फरुसं वयंति । सव्वमेयं सावज्जं वज्जेज्जा विवेगमायाए।

धुवं चेयं जाणेज्जा, अधुवं चेयं जाणेज्जा, असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा लभिय, णो लभिय, भुंजिय, णो भुंजिय, अदुवा आगओ, अदुवा णो आगओ, अदुवा एइ, अदुवा णो एइ, अदुवा

एहिइ, अदुवा णो एहिइ, एत्थ वि आगए, एत्थ वि णो आगए, एत्थ वि एइ, एत्थ वि णो एइ, एत्थ वि एहिइ, एत्थ वि णो एहिइ ।

२ अणुवीइ णिद्धाभासी समियाए संजए भासं भासेज्जा, तं जहा-एगवयणं, दुवयणं, बहुवयणं, इत्थीवयणं, पुरिसवयणं, णपुंसगवयणं, अज्झत्थवयणं, उवणीयवयणं, अवणीयवयणं, उवणीयअवणीयवयणं, अवणीयउवणीयवयणं, तीयवयणं, पडुप्पणवयणं, अणागयवयणं, पच्चक्खवयणं, परोक्खवयणं ।

ते एगवयणं वइस्सामीति एगवयणं वएज्जा, जाव परोक्खवयणं वइस्सामीति परोक्खवयणं वएज्जा । इत्थी वेस, पुरिस वेस, णपुंसगं वेस, एवं वा चेयं, अण्णं वा चेयं, अणुवीइ णिद्धाभासी समियाए संजए भासं भासेज्जा । इच्चेयाइं आयतणाइं उवातिकम्म ।

३ अह भिक्खू जाणेज्जा चत्तारि भासज्जायाइं, तं जहा- सच्चमेगं पढमं भासजायं, बीयं मोसं, तइयं सच्चामोसं, जं णेव सच्चं णेव मोसं णेव सच्चामोसं-असच्चामोसं णाम तं चउत्थं भासज्जायं ।

से बेमि- जे य अईया जे य पडुपण्णा जे य अणागया अरहंता भगवंतो सव्वे ते एयाणि चेव चत्तारि भासज्जायाइं भासिंसु वा भासंति वा भासिस्संति वा, पण्णविंसु वा पण्णवेंति वा, पण्णविस्संति वा ।

सव्वाइं च णं एयाणि अचित्ताणि वण्णमंताणि गंधमंताणि रसमंताणि फासमंताणि चयोवचइयाइं विप्परिणामधम्माइं भवंतीति अक्खायाइं ।

४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणेज्जा- पुवं भासा अभासा, भासिज्जमाणी भासा भासा, भासासमयवीइकंता च णं भासिया भासा अभासा ।

५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणेज्जा जा य भासा सच्चा, जा य भासा मोसा, जा य भासा सच्चामोसा जा य भासा असच्चामोसा तहप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं कक्कसं कडुयं णिदुरं फरुसं अण्हयकरिं छेयणकरिं भेयणकरिं परितावणकरिं उद्वणकरिं भूओवघाइयं अभिक्ख णो भासेज्जा ।

६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणेज्जा- जा य भासा सच्चा सुहुमा, जा य भासा असच्चामोसा; तहप्पगारं भासं असावज्जं अकिरियं जाव अभूओवघाइयं अभिक्ख भासेज्जा ।

७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा पुमं आमंतेमाणे, आमंति ए वा अपडिसुणमाणे णो एवं वएज्जा- होले ति वा गोले ति वा वसुले ति वा कुपक्खे ति वा घडदासे ति वा साणे ति वा तेणे ति वा चारिए ति वा मायी ति वा मुसावाई ति वा एयाइं तुमं, एयाइं ते जणगा । एयप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं जाव अभिक्ख णो भासेज्जा ।

८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा पुमं आमंतेमाणे, आमंति ए वा अपडिसुणमाणे एवं वएज्जा- अमुगे ति वा, आउसो ति वा, आउसंतारो ति वा, सावगेति वा, उवासगे ति वा धम्मि ए ति वा, धम्मप्पि ए ति वा । एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभूओवघाइयं अभिक्ख भासेज्जा ।

९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा इत्थिं आमंतेमाणे, आमंति ए वा अपडिसुणमाणे णो एवं वएज्जा- होली ति वा गोली ति वा एवं इत्थिगमेणं णेयव्वं ।

- १० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा पुमं आमंतेमाणे, आमंतिए वा अपडिसुणमाणे एवं वएज्जा- आउसो ति वा, भगिणी ति वा, भोई ति वा, भगवई ति वा, साविगे ति वा, उवासिए ति वा, धम्मिए ति वा, धम्मप्पिए ति वा । एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासेज्जा।
- ११ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा णो एवं वएज्जा- णभोदेवे ति वा गज्जदेवे ति वा विज्जुदेवे ति वा पवुट्टदेवे ति वा णिवुट्टदेवे ति वा पडउ वा वासं मा वा पडउ, णिप्फज्जउ वा सस्से, मा वा णिप्फज्जउ, विभाउ वा रयणी, मा वा विभाउ, उदेउ वा सूरिए, मा वा उदेउ, सो वा राया जयउ, मा वा जयउ । णो एयप्पगारं भासं भासेज्जा पण्णवं ।
- १२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अंतलिकखे ति वा गुज्झाणुचरिए ति वा समुच्छिए वा णिवइए वा पओए वा वएज्ज वा वुट्टबलाहए त्ति ।
- १३ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि। ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

- १ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तं जहा- गंडी गंडी इ वा कुट्टी कुट्टी इ वा जाव महुमेहणी इ वा हत्थच्छिण्णं हत्थच्छिण्णे इ वा पायच्छिण्णे पायच्छिण्णे इ वा कण्णच्छिण्णे कण्णच्छिण्णे इ वा णक्कच्छिण्णे णक्कच्छिण्णे इ वा ओट्टच्छिण्णे ओट्टच्छिण्णे इ वा ।
- जे यावण्णे तहप्पगारा, तहप्पगाराहिं भासाहिं बुइया-बुइया कुप्पंति माणवा, ते यावि तहप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख णो भासेज्जा।
- २ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तहावि ताइं एवं वएज्जा, तं जहा- ओयंसी ओयंसी इ वा तेयंसी तेयंसी इ वा वच्चंसी वच्चंसी इ वा जसंसी जसंसी इ वा अभिरूवं अभिरूवे इ वा पडिरूवं पडिरूवे इ वा पासादियं पासादिए इ वा दरिसणिज्जं दरिसणीए इ वा । जे यावण्णे तहप्पगारा तहप्पगाराहिं भासाहिं बुइया-बुइया णो कुप्पंति माणवा ते यावि एयप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख भासेज्जा ।
- ३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा, तं जहा- वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा; तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तं जहा- सुकडे इ वा सुट्टुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा। एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ।
- ४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा, तं जहा- वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, तहावि ताइं एवं वएज्जा, तं जहा- आरंभकडे इ वा सावज्जकडे इ वा पयत्तकडे इ वा पासादियं पासादिए इ वा दरिसणीयं दरिसणीए इ वा अभिरूवं अभिरूवे इ वा पडिरूवं पडिरूवे इ वा । एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ।

- ५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उवक्खडियं पेहाए तहावि तं णो एवं वएज्जा, तं जहा- सुकडे इ वा सुट्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा । एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव भूओवघाइयं अभिकंख णो भासेज्जा ।
- ६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उवक्खडियं पेहाए एवं वएज्जा, तं जहा- आरंभकडे इ वा सावज्जकडे इ वा पयत्तकडे इ वा भद्दयं भद्दए इ वा ऊसढं ऊसढे इ वा रसियं रसिए इ वा मणुण्णं मणुण्णे । इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभूओवघाइयं अभिकंख भासेज्जा ।
- ७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा मिगं वा पसुं वा पक्खिं वा सरीसिवं वा जलयरं वा सत्तं परिवूढकायं पेहाए णो एवं वएज्जा- थूले इ वा पमेइले इ वा वट्टे इ वा वज्झे इ वा पाइमे ति वा । एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव भूओवघाइयं अभिकंख णो भासेज्जा ।
- ८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा मणुस्सं वा जाव जलयरं वा सत्तं परिवूढकायं पेहाए एवं वएज्जा- परिवूढकाए ति वा उवचियकाए ति वा थिरसंघयणे ति वा चियमंससोणिए ति वा बहुपडिपुण्णइंदिए ति वा । एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभूओवघाइयं अभिकंख भासेज्जा ।
- ९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा विरूवरूवाओ गाओ पेहाए णो एवं वएज्जा, तं जहा- गाओ दोज्झा इ वा दम्मा इ वा गोरहा इ वा वाहिमा इ वा रहजोग्गा इ वा । एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ।
- १० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा विरूवरूवाओ गाओ पेहाए एवं वएज्जा, तं जहा- जुवंगवे इ वा धेणू इ वा रसवई इ वा हस्से इ वा महल्लए इ वा महव्वए इ वा संवहणे इ वा । एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभूओवघाइयं अभिकंख भासेज्जा ।
- ११ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्वयाइं वणाणि वा रुक्खा महल्ला पेहाए णो एवं वएज्जा, तं जहा- पासायजोग्गा इ वा गिहजोग्गा इ वा तोरणजोग्गा इ वा फलिहजोग्गा इ वा अग्गलजोग्गा इ वा णावाजोग्गा इ वा उदगदोणिजोग्गा इ वा पीढ-चंगबेर-णंगल-कुलिय- जंतलट्ठी- णाभि-गंडी- आसण सयण-जाण- उवस्सयजोग्गा इ वा । एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव भूओवघाइयं अभिकंख णो भासेज्जा ।
- १२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्वयाइं वणाणि वा रुक्खा महल्ला पेहाए एवं वएज्जा, तं जहा- जाइमंता इ वा दीहवट्ठा इ वा महालया इ वा पयायसाला इ वा विडिमसाला इ वा पासाईया इ वा दरिसणीया इ वा अभिरूवा इ वा पडिरूवा इ वा । एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभूओवघाइयं अभिकंख भासेज्जा ।
- १३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा बहुसंभूया वणफला पेहाए तहावि ते णो एवं वएज्जा, तं जहा- पक्का इ वा पायखज्जा इ वा वेलोइया इ वा टाला इ वा वेहिया इ वा । एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव भूओवघाइयं अभिकंख णो भासेज्जा ।
- १४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा बहुसंभूया वणफला पेहाए एवं वएज्जा, तं जहा- असंथडा इ वा बहुणिव्वट्ठिमफला इ वा बहुसंभूया इ वा भूयरूवा इ वा । एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ।

- १५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहा वि ताओ णो एवं वएज्जा, तं जहा- पक्का इ वा, णीलिया इ वा, छवीया इ वा, लाइमा इ वा, भज्जिमा इ वा, बहुखज्जा इ वा । एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव भूओवघाइयं अभिक्खं णो भासेज्जा ।
- १६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि एवं वएज्जा, तं जहा- रूढा इ वा बहुसंभूया इ वा थिरा इ वा ऊसढा इ वा गब्भिया इ वा पसूया इ वा ससारा इ वा । एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ।
- १७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जहा वेगइयाइं सद्दाइं सुणेज्जा तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तं जहा- सुसद्धे इ वा, दुसद्धे इ वा । एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव भूओवघाइयं अभिक्खं णो भासेज्जा ।
- १८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जहा वेगइयाइं सद्दाइं सुणेज्जा तहावि ताइं एवं वएज्जा, तं जहा- सुसद्धं सुसद्धे इ वा, दुसद्धं दुसद्धे इ वा । एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भूओवघाइयं अभिक्खं भासेज्जा ।
एवं रूवाइं किण्हे इ वा णीले इ वा लोहिए इ वा हालिद्धे इ वा सुक्किले इ वा गंधाइं सुब्भिगंधे इ वा दुब्भिगंधे इ वा रसाइं तित्ताणि वा कडुयाणि वा कसायाणि वा अंबिलाणि वा महराणि वा फासाइं कक्खडाणि वा मउयाणि वा गरुयाणि वा लहुयाणि वा सीयाणि वा उसिणाणि वा णिद्धाणि वा रुक्खाणि वा ।
- १९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा वंता कोहं च माणं च मायं च लोभं च अणुवीइ णिद्धाभासी णिसम्मभासी अतुरियभासी विवेगभासी समियाए संजए भासं भासेज्जा ।
- २० एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वद्वेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

॥ चउत्थं अज्झयणं समत्तं ॥

पंचमं अज्झयणं

वत्थेसणा

पढमो उद्देशो

- १] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिक्खेज्जा वत्थं एसित्तए । से जं पुण वत्थं जाणेज्जा, तं जहा- जंगिय वा भंगिय वा साणयं वा पोत्तगं वा खोमियं वा तूलकडं वा, तहप्पगारं वत्थं जे णिग्गंथे तरुणे जुगवं बलवं अप्पायंके थिरसंघयणे से एगं वत्थं धारेज्जा, णो बिइयं ।
जा णिग्गंथी सा चत्तारि संघाडीओ धारेज्जा-एगं दुहत्थवित्थारं, दो तिहत्थ वित्थाराओ, एगं चउहत्थवित्थारं ।
तहप्पगारेहिं वत्थेहिं असंविज्जमाणेहिं अह पच्छा एगमेगं संसीवेज्जा ।
- २] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा परं अद्धजोयणमेराए वत्थपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण वत्थं जाणेज्जा- अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्धिस्स पाणाइं, एवं जहा पिंडेसणाए भाणियव्वं, एवं बहवे साहम्मिया, एगं साहम्मिणिं, बहवे साहम्मिणीओ, बहवे समण-माहण पगणिय- पगणिय, बहवे समण-माहण समुद्धिस्स तहेव पुरिसंतरकडं वा जाव आसेवियं वा फासुयं जाव पडिगाहेज्जा ।
- ४] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण वत्थं जाणेज्जा- असंजए भिक्खुपडियाए कीयं वा धोयं वा रत्तं वा घट्टं वा मट्टं वा संमट्टं वा संपधूवियं वा, तहप्पगारं वत्थं अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
अह पुण एवं जाणेज्जा पुरिसंतरकडं जाव पडिगाहेज्जा ।
- ५] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जाइं पुण वत्थाइं जाणेज्जा- विरूवरूवाइं महद्धणमोल्लाइं, तं जहा- आजिणगाणि वा सहिणाणि वा सहिणकल्लाणाणि वा आयकाणि वा कायकाणि वा खोमयाणि वा दुगुल्लाणि वा पट्टाणि वा मलयाणि वा पत्तुण्णाणि वा अंसुयाणि वा चीणंसुयाणि वा देसरागाणि वा अमिलाणि वा गज्जलाणि वा फालियाणि वा कोयवाणि वा कंबलगाणि वा पावाराणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं वत्थाइं महद्धणमोल्लाइं लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।
- ६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण आईणपाउरणाणि वत्थाणि जाणेज्जा, तं जहा- उद्दाणि वा पेसाणि वा पेसलेसाणि वा किण्हमिगाईणगाणि वा णीलमिगाईणगाणि वा गोरमिगाईणगाणि वा कणगाणि वा कणगकंताणि वा कणगपट्टाणि वा कणगखइयाणि वा कणगफुसियाणि वा वग्घाणि वा विवग्घाणि वा आभरणाणि वा आभरणविचित्ताणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं आईणपाउरणाणि वत्थाणि लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।
- ७] इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइकम्म । अह भिक्खू जाणेज्जा चउहिं पडिमाहिं वत्थं एसित्तए ।
तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा उद्धिसिय- उद्धिसिय वत्थं जाएज्जा, तं जहा- जंगियं वा भंगियं वा साणयं वा पोत्तगं वा खोमियं वा तूलकडं वा, तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं एसणिज्जं लाभे संते पडिगाहेज्जा । पढमा पडिमा ।

- ८ अहावरा दोच्चा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा पेहाए वत्थं जाएज्जा, तं जहा- गाहावई वा जाव कम्मकरी वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! ति वा भइणी ! ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं वत्थं ? तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा, फासुयं एसणिज्जं लाभे संते पडिगाहेज्जा । दोच्चा पडिमा ।
- ९ अहावरा तच्चा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण वत्थं जाएज्जा, तं जहा- अंतरिज्जगं वा उत्तरिज्जगं वा, तहप्पगारं वत्थं सयं वा जाएज्जा जाव पडिगाहेज्जा । तच्चा पडिमा ।
- १० अहावरा चउत्था पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा उज्झियधम्मियं वत्थं जाएज्जा- जं च अण्णे बहवे समण-माहण- अतिहि-किवण-वणीमगा णावकंखंति, तहप्पगारं उज्झियधम्मियं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहेज्जा । चउत्था पडिमा ।
इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं जहा पिंडेसणाए ।
- ११ सिया णं एयाए एसणाए एसमाणं परो वएज्जा- आउसंतो समणा ! एज्जाहि तुमं मासेण वा दसराएण वा पंचराएण वा सुए वा सुयतरे वा, तो ते वयं आउसो ! अण्णयरं वत्थं दाहामो । एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! ति वा भगिणी ! ति वा णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे संगारवयणे पडिसुणित्तए, अभिकंखसि मे दाउं इयाणिमेव दलयाहि ।
- १२ से सेवं वयंतं परो वएज्जा- आउसंतो समणा ! अणुगच्छाहि, तो ते वयं अण्णयरं वत्थं दाहामो । से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! ति वा, भइणी ! ति वा, णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे संगारवयणे पडिसुणित्तए, अभिकंखसि मे दाउं, इयाणिमेव दलयाहि ।
- १३ से सेवं वयंतं परो नेत्ता वएज्जा- आउसो ! ति वा, भगिणी ! ति वा, आहरेयं वत्थं समणस्स दाहामोक । अवियाइं वयं पच्छा वि अप्पणो सयद्वाए पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारंभ समुद्धिस्स वत्थं चेएस्सामो । एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- १४ सिया णं परो नेत्ता वएज्जा- आउसो ! ति वा, भइणी ! ति वा, आहरेयं वत्थं सिणाणेण वा जाव आघंसित्ता वा पघंसित्ता वा समणस्स णं दासामो । एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा-आउसो ! ति वा भइणी ! ति वा मा एयं तुमं वत्थं सिणाणेण वा जाव आघंसाहि पघंसाहि वा अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि । से सेवं वयंतस्स परो सिणाणेण वा जाव आघंसित्ता पघंसित्ता वा दलएज्जा । तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- १५ से णं परो नेत्ता वएज्जा- आउसो ! ति वा, भइणी ! ति वा, आहरेयं वत्थं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेत्ता वा पधोवेत्ता वा समणस्स णं दाहामो । एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! त्ति वा भइणि ! त्ति वा एयं तुमं वत्थं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेहि वा पधोवेहि वा । अभिकंखसि मे दाउं; सेसं तहेव जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- १६ से णं परो नेत्ता वएज्जा- आउसो ! त्ति वा भइणी ! त्ति वा आहरेयं वत्थं कंदाणि वा जाव हरियाणि वा विसोहेत्ता समणस्स णं दाहामो । एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा

आउसो ! त्ति वा भइणी ! ति वा मा एयाणि तुमं कंदाणि वा जाव विसोहेहि, णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे वत्थे पडिगाहित्तए ।

- १७ से सेवं वयंतस्स परो कंदाणि वा जाव हरियाणि विसोहेत्ता दलएज्जा । तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- १८ सिया से परो णेत्ता वत्थं णिसिरेज्जा, से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो! ति वा भइणी ! ति वा तुमं चेव णं संतियं वत्थं अंतोअंतेण पडिलेहिस्सामि । केवली बूया- आयाणमेयं । वत्थंतेण उ बद्धे सिया कुंडले वा गुणे वा हिरण्णे वा सुवण्णे वा मणी वा जाव रयणावली वा पाणे वा बीए वा हरिए वा । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं पुव्वामेव वत्थं अंतोअंतेण पडिलेहिज्जा ।
- १९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण वत्थं जाणेज्जा सअंडं जाव ससंताणं तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- २० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण वत्थं जाणेज्जा- अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं अणलं अथिरं अधुवं आधारणिज्ज रोइज्जंतं ण [रुच्चइ] रोएइ, तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- २१ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण वत्थं जाणेज्जा- अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं; अलं थिरं धुवं धारणिज्जं रोइज्जंतं रोएइ, तहप्पगारं वत्थं फासुयं जाव पडिगाहेज्जा ।
- २२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा णो णवए मे वत्थे त्ति कट्ठु णो बहुदेसिएण सिणाणेण वा जाव पधंसेज्ज वा ।
- २३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा णो णवए मे वत्थे त्ति कट्ठु णो बहुदेसिएण सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा जाव पधोएज्ज वा ।
- २४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा दुब्भिगंधे मे वत्थे त्ति कट्ठु णो बहुदेसिएण सिणाणेण वा तहेव सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा आलावओ ।
- २५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा, तहप्पगारं वत्थं णो अणंतरहियाए पुढवीए, णो ससणिद्धाए पुढवीए जाव संताणए आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ।
- २६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा । तहप्पगारं वत्थं थूणंसि वा गिहेलुगंसि वा उसुयालंसि वा कामजलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिकखजाए दुब्बद्धे, दुण्णिक्खित्ते अणिकंप्पे चलाचले णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ।
- २७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा, तहप्पगारं वत्थं कुलियंसि वा भित्तिंसि वा सिलंसि वा लेलुंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिकखजाए जाव णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ।
- २८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा, तहप्पगारं वत्थं खंधंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा पासायंसि वा हम्मियतलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिकखजाए जाव णो आयावेज्ज वा णो पयावेज्ज वा ।

- २९ से तमादाए एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमेत्ता अहे झामथंडिल्लंसि वा जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिल्लंसि पडिलेहिय-पडिलेहिय पमज्जिय पमज्जिय तओ संजयामेव वत्थं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ।
- ३० एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए सामग्गियं । जं सव्वेद्वेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

- १ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोएज्जा, णो रएज्जा, णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा, अपलिउंचमाणे गामंतरेसु, ओमचेलिए । एयं खलु वत्थधारिस्स सामग्गियं ।
- २ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिउकामे सव्वं चीवरमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, एवं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा गामाणुगामं वा दूइज्जेज्जा ।
- अह पुण एवं जाणेज्जा तिव्वदेसियं वा वासं वासमाणं पेहाए, तिव्वदेसियं वा महियं सण्णिवयमाणिं पेहाए, महावाएण वा रयं समुदुयं पेहाए, तिरिच्छं संपाइमा वा तसा पाणा संथडा सण्णिवयमाणा पेहाए, से एवं णच्चा णो सव्वं चीवरमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा गामाणुगामं वा दूइज्जेज्जा ।
- ३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से एगइओ मुहुत्तगं मुहुत्तगं पाडिहारियं वत्थं जाएज्जा जाव एगाहेण वा दुयाहेण वा तियाहेण वा चउयाहेण वा पंचाहेण वा विप्पवसिय विप्पवसिय उवागच्छेज्जा, तहप्पगारं वत्थं णो अप्पणा गेण्हेज्जा, णो अण्णमण्णस्स देज्जा णो पामिच्चं कुज्जा, णो वत्थेण वत्थं परिणामं करेज्जा, णो परं उवसंकमित्तु एवं वएज्जा-आउसंतो समणा ! अभिक्खसि वत्थं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ? थिरं वा णं संतं णो पलिच्छिंदिय पलिच्छिंदिय परिद्वेज्जा, तहप्पगारं वत्थं ससंधियं तस्स चेव णिसिरेज्जा, णो णं साइज्जेज्जा ।
- से एगइओ एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जे भयंतारो तहप्पगाराणि वत्थाणि ससंधियाणि मुहुत्तगं मुहुत्तगं जाइत्ता जाव एगाहेण वा दुयाहेण वा तियाहेण वा चउयाहेण वा पंचाहेण वा विप्पवसिय विप्पवसिय उवागच्छंति, तहप्पगाराणि वत्थाणि णो अप्पणा गिण्हंति, णो अण्णमण्णस्स अणुवदंति, तं चेव जाव णो णं साइज्जंति, बहुवयणेण भाणियव्वं । से हंता अहमवि मुहुत्तगं-मुहुत्तगं पाडिहारियं वत्थं जाइत्ता एगाहेण वा दुयाहेण वा तियाहेण वा चउयाहेण वा पंचाहेण वा विप्पवसिय विप्पवसिय उवागच्छिस्सामि, अवियाइं एयं ममेव सिया, माइद्वाणं संफासे, णो एवं करेज्जा ।
- ४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा णो वण्णमंताइं वत्थाइं विवण्णाइं करेज्जा, विवण्णाइं वत्थाइं णो वण्णमंताइं करेज्जा, अण्णं वा वत्थं लभिस्सामि त्ति कट्ठु णो अण्णमण्णस्स देज्जा, णो पामिच्चं

कुज्जा, णो वत्थेण वत्थपरिणामं करेज्जा, णो परं उवसंकमित्तु एवं वएज्जा- आउसंतो समणा ! अभिकंखसि मे वत्थं धारेत्तए वा परिहरेत्तए वा ? थिरं वा णं संतं णो पलिच्छिंदिय पलिच्छिंदिय परिद्वेज्जा जहा मेयं वत्थं पावगं परो मण्णइ । परं च णं अदत्तहारिं पडपहे पेहाए तस्स वत्थस्स णियाणाए णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा जाव अप्पुस्सुए जाव तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।

- ५] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया, से जं पुण विहं जाणेज्जा- इमंसि खलु विहंसि बहवे आमोसगा वत्थपडियाए संपिंडिया गच्छेज्जा जाव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ।
- ६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से आमोसगा संपिंडिया गच्छेज्जा, ते णं आमोसगा एवं वएज्जा आउसंतो समणा ! आहरेयं वत्थं, देहि, णिक्खिवाहि, जहा इरियाए, णाणत्तं वत्थपडियाए ।
- ७] एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वद्वेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि। त्ति बेमि ।

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

॥ पंचमं अज्झयणं समत्तं॥

छट्ठं अज्झयणं

पाएसणा

पढमो उद्देशो

- १] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा पायं एसित्तए, से जं पुण पायं जाणेज्जा, तं जहा- अलाउपायं वा दारुपायं वा मट्ठियापायं वा, तहप्पगारं पायं, जे णिग्गंथे तरुणे जुगवं बलवं अप्पायंके थिरसंघयणे, से एगं पायं धारेज्जा, णो बिइयं ।
- २] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा परं अद्धजोयणमेराए पायपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ३] जे भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण पायं जाणेज्जा- अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्धिस्स पाणाइं जहा पिंडेसणाए चत्तारि आलावगा । पंचमो बहवे समण-माहण पगणिय-पगणिय तहेव ।
- ४] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव बहवे समण-माहण समुद्धिस्स एवं जहा पिंडेसणाए जाव पुरिसंतरकडं पडिगाहेज्जा । तहेव असंजए भिक्खुपडियाए कीयं वा, एवं वत्थेसणा आलावओ जाव पुरिसंतरकडं पडिगाहेज्जा ।

- ५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जाइं पुण पायाइं जाणेज्जा विरूवरूवाइं महद्धणमुल्लाइं, तं जहा-अयपायाणि वा तउपायाणि वा तंबपायाणि वा सीसगपायाणि वा हिरण्णपायाणि वा सुवण्णपायाणि वा रीरियपायाणि वा हारपुडपायाणि वा मणि-काय-कंसपायाणि वा संखसिंगपायाणि वा दंतपायाणि वा चेलपायाणि वा सेलपायाणि वा चम्मपायाणि वा; अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महद्धणमुल्लाइं पायाइं अफासुयाइं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जाइं पुण पायाइं जाणेज्जा विरूवरूवाइं महद्धणबंधणाइं, तं जहा-अयबंधणाणि वा जाव चम्मबंधणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं महद्धणबंधणाइं अफासुयाइं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ७ इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइकम्म, अह भिक्खू जाणेज्जा चउहिं पडिमाहिं पायं एसित्तए ।
तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा उद्दिसिय उद्दिसिय पायं जाएज्जा, तं जहा-लाउयपायं वा दारुपायं वा मट्टियापायं वा, तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाएज्जा जाव पडिगाहेज्जा। पढमा पडिमा ।
- ८ अहावरा दोच्चा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा पेहाए पायं जाएज्जा, तं जहा- गाहावई वा जाव कम्मकरी वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसो ! ति वा, भइणी ! ति वा, दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं पायं, तंजहा- लाउयपायं वा दारुपायं वा मट्टियापायं वा, तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाएज्जा जाव पडिगाहेज्जा । दोच्चा पडिमा।
- ९ अहावरा तच्चा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण पायं जाणेज्जा संगइयं वा वेजयंतियं वा, तहप्पगारं पायं सयं वा जाव पडिगाहेज्जा। तच्चा पडिमा ।
- १० अहावरा चउत्था पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा उज्झियधम्मियं वा पायं जाएज्जा- जं च अण्णे बहवे समण- माहण- अतिहि-किवण-वणीमगा णावकंखंति, तहप्पगारं उज्झिय-धम्मियं पायं सयं वा णं जाएज्जा जाव पडिगाहेज्जा। चउत्था पडिमा ।
इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं अण्णयरं पडिमं जहा पिंडेसणाए ।
- ११ से णं एयाए एसणाए एसमाणं पासित्ता परो वएज्जा- आउसंतो समणा ! एज्जासि तुमं मासेण वा जहा वत्थेसणाए ।
- १२ से णं परो णेत्ता वएज्जा- आउसो ! त्ति वा भइणी ! त्ति वा आहरेयं पायं, तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा अब्भंगेत्ता वा; तहेव सिणाणाइ तहेव सीओदगादि, कंदादि तहेव ।
- १३ से णं परो णेत्ता वएज्जा- आउसंतो समणा ! मुहुत्तगं मुहुत्तगं अच्छाहि जाव ताव अम्हे असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उवकरैसु वा उवक्खडैसु वा, तो ते वयं आउसो ! सपाणं सभोयणं पडिग्गहगं दासामो, तुच्छए पडिग्गहए दिण्णे समणस्स णो सुट्ठु णो साहु भवइ । से पुव्वामेव आलोएज्जा- आउसो ! ति वा, भइणी ! ति वा, णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मिए असणे वा पाणे वा खाइमे वा साइमे वा भोत्तए वा पायए वा, मा उवकरेहि, मा उवक्खडेहि । अभिकंखसि मे दाउं ? एमेव दलयाहि । से सेवं वयंतस्स परो असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा उवकरेत्ता

उवक्खडेत्ता सपाणं सभोयणं पडिग्गहं दलएज्जा, तहप्पगारं पडिग्गहं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।

१४ सिया परो णेत्ता पडिग्गहं णिसिरेज्जा, से पुव्वामेव आलोएज्जा-आउसो ! ति वा, भइणी ! ति वा, तुमं चेव णं संतियं पडिग्गहं अंतोअंतेणं पडिलेहिस्सामि । केवली बूया- आयाणमेयं, अंतो पडिग्गहं पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जाव जं पुव्वामेव पडिग्गहं अंतोअंतेण पडिलेहेज्जा ।

१५ सअंडादि सव्वे आलावगा जहा वत्थेसणाए, णाणत्तं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा सिणाणादि जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिल्लंसि पडिलेहिय-पडिलेहिय पमज्जिय-पमज्जिय तओ संजयामेव आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ।

१६ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

१ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसमाणे पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहं, अवहट्ठ पाणे, पमज्जिय रयं, तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा । केवली बूया आयाणमेयं। अंतो पडिग्गहं पाणे वा बीए वा रए वा परियावज्जेज्जा । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जं पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहं, अवहट्ठ पाणे, पमज्जिय रयं, तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा।

२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइ कुलं पायवडियाए पिंडवाय पडियाए अणुपविट्ठे समाणे सिया से परो आहट्ठ अंतो पडिग्गहं सीओदगं परिभाएत्ता णीहट्ठ दलएज्जा, तहप्पगारं पडिग्गहं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा। से य आहच्च पडिग्गाहिए सिया, खिप्पामेव उदगंसि साहरेज्जा, सपडिग्गहमायाए व णं परिट्ठवेज्जा, ससणिद्धाए वा भूमीए पाणं णियमेज्जा ।

३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा उदउल्लं वा ससणिद्धं वा पडिग्गहं णो आमज्जेज्ज वा जाव पयावेज्ज वा। अह पुण एवं जाणेज्जा विगतोदए मे पडिग्गहए छिण्ण-सिणेहे मे पडिग्गहए, तहप्पगारं पडिग्गहं तओ संजयामेव आमज्जेज्जा वा जाव पयावेज्ज वा ।

४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवाय पडियाए पविसिउकामे सपडिग्गहमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा, एवं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा; गामाणुगामं वा दूइज्जेज्जा; तिव्वदेसियादि जहा बिइयाए वत्थेसणाए णवरं एत्थ पडिग्गहं ।

५ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि। त्ति बेमि ।

आचारांग सूत्र - बीओ सुयखंधो

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

॥ छट्ठं अज्झयणं समत्तं॥

सत्तमं अज्झयणं

ओग्गह पडिमा

पढमो उद्देशो

- १ समणे भविस्सामि अणगारे अकिंचणे अपुत्ते अपसू परदत्तभोई पावं कम्मं णो करिस्सामि त्ति समुद्वाए; सव्वं भंते ! अदिण्णादाणं पच्चक्खामि ।
से अणुपविसित्ता गामं वा जाव रायहाणिं वा णेव सयं अदिण्णं, गिण्हेज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हावेज्जा, णेवण्णं अदिण्णं गिण्हंतं पि समणुजाणेज्जा ।
जेहिं वि सद्धिं संपव्वइए तेसिं पि याइं भिक्खू छत्तयं वा मत्तयं वा दंडगं वा जाव चम्मच्छेयणं वा तेसिं पुव्वामेव ओग्गहं अणुण्णविय अपडिलेहिय अपमज्जिय णो गिण्हेज्ज वा, पगिण्हेज्ज वा, तेसिं पुव्वामेव ओग्गहं अणुण्णविय पडिलेहिय पमज्जिय तओ संजयामेव ओगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ।
- २ से आगंतारेसु वा, आरामगारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा, परियावसहेसु वा अणुवीइ ओग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे, जे तत्थ समहिद्वाए ते उग्गहं अणुण्णवेज्जा- कामं खलु आउसो ! अहालंदं अहापरिण्णायं वसामो, जाव आउसो; जाव आउसंतस्स ओग्गहे जाव साहम्मिया एतावताव ओग्गहं ओगिण्हिस्सामो, तेण परं विहरिस्सामो ।
- ३ से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि ? जे तत्थ साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवागच्छेज्जा, जे तेण सयमेसियाए असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा तेण ते साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवणिमंतेज्जा, णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय उगिज्झिय उवणिमंतेज्जा ।
- ४ से आगंतारेसु वा जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि ? जे तत्थ साहम्मिया अण्णसंभोइया समणुण्णा उवागच्छेज्जा जे तेण सयमेसियाए पीढे वा फलए वा सेज्जासंथारए वा तेण ते साहम्मिया अण्णसंभोइए समणुण्णे उवणिमंतेज्जा, णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय-उगिज्झिय उवणिमंतेज्जा ।
- ५ से आगंतारेसु वा जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ गाहावइण वा गाहावइपुत्ताण वा सूई वा पिप्पलए वा कण्णसोहणए वा णहच्छेयणए वा तं अप्पणो एगस्स अद्वाए पाडिहारियं जाइत्ता णो अण्णमण्णस्स देज्ज वा अणुपएज्ज वा ।
सयं करणिज्जं ति कट्ठु से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, गच्छेत्ता पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे कट्ठु, भूमीए वा ठवेत्ता “इमं खलु-इमं खलु त्ति” आलोएज्जा, णो चेव णं सयं पाणिणा परपाणिंसि पच्चप्पिणेज्जा ।
- ६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण ओग्गहं जाणेज्जा अणंतरहियाए पुढवीए ससणिद्वाए पुढवीए जाव संताणए, तहप्पगारं ओग्गहं णो ओगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ।

- ७] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण ओग्गहं जाणेज्जा थूणंसि वा गिहेलुगंसि वा, उसुयालंसि वा कामजलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिकखजाए दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले णो उग्गहं ओगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा।
- ८] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण ओग्गहं जाणेज्जा कुलियंसि वा जाव णो ओग्गहं ओगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा।
- ९] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण ओग्गहं जाणेज्जा खंधंसि वा जाव णो ओग्गहं ओगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ।
- १०] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण ओग्गहं जाणेज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं सइत्थिं सखुड्डं सपसुभत्तपाणं णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए ससागारिए जाव सखुड्ड-पसु- भत्तपाणे णो ओग्गहं ओगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ।
- ११] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण ओग्गहं जाणेज्जा गाहावइकुलस्स मज्झिमज्झेणं गंतु पंथे पडिबद्धं वा, णो पण्णस्स जाव चिंताए; से एवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए णो ओग्गहं ओगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ।
- १२] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण ओग्गहं जाणेज्जा- इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा तहेव तेल्लादि; सिणाणादि; सीओदगवियडादि; णिगिणाइ य; जहा सेज्जाए आलावगा, णवरं ओग्गहवत्तव्वया ।
- १३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण ओग्गहं जाणेज्जा- आइण्णं संलिकखं णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ओग्गहं ओगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ।
- १४] एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

- १] से आगंतारेसु वा आरामागारेसु वा गाहावइकुलेसु वा परियावसहेसु वा अणुवीइ ओग्गहं जाएज्जा । जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिद्वाए ते ओग्गहं अणुणवेज्जा । कामं खलु आउसो ! अहालंदं अहापरिण्णायं वसामो, जाव आउसो, जाव आउसंतस्स उग्गहे, जाव साहम्मिया, एतावताव ओग्गहं ओगिण्हिस्सामो, तेण परं विहरिस्सामो ।
- २] से किं पुण तत्थ ओग्गहंसि एवोग्गहियंसि ? जे तत्थ समणाण वा माहणाण छत्तए वा जाव चम्मछेयणए वा तं णो अंतोहितो बाहिं णीणेज्जा, बहियाओ वा णो अंतो पवेसेज्जा, णो सुत्तं वा णं पडिबोहेज्जा, णो तेसिं किंचि अप्पत्तियं पडिणीयं करेज्जा ।

- ३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिक्खेज्जा अंबवणं उवागच्छित्तए । जे तत्थ ईसरे, जे तत्थ समहिद्वाए; ते ओग्गहं अणुणवेज्जा- कामं खलु जाव विहरिस्सामो ।
- से किं पुण तत्थ ओग्गहंसि एवोग्गहियंसि ? अह भिक्खू इच्छेज्जा अंबं भोत्तए । से जं पुण अंबं जाणेज्जा- सअंडं जाव ससंताणगं तहप्पगारं अंबं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ४] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण अंबं जाणेज्जा- अप्पंडं जाव संताणगं, अतिरिच्छच्छिण्णं, अव्वोच्छिण्णं; अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ५] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण अंबं जाणेज्जा- अप्पंडं जाव असंताणगं; तिरिच्छच्छिण्णं, वोच्छिण्णं, फासुयं जाव पडिगाहेज्जा ।
- ६] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिक्खेज्जा अंबभित्तगं वा अंबपेसियं वा अंबचोयगं वा अंबसालगं वा अंबडालगं वा भोत्तए वा पायए वा । से जं पुण जाणेज्जा- अंबभित्तगं वा जाव अंबडालगं वा; सअंडं जाव संताणगं; अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ७] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणेज्जा- अंबभित्तगं वा जाव अंबडालगं वा; अप्पंडं जाव संताणगं, अतिरिच्छच्छिण्णं अवोच्छिण्णं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ८] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणेज्जा- अंबभित्तगं वा जाव अंबडालगं वा; अप्पंडं जाव संताणगं, तिरिच्छच्छिण्णं वोच्छिण्णं फासुयं जाव पडिगाहेज्जा ।
- ९] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिक्खेज्जा उच्छुवणं उवागच्छित्तए । जे तत्थ ईसरे जाव उग्गहियंसि एवोग्गहियंसि । अह भिक्खू इच्छेज्जा उच्छुं भोत्तए वा पायए वा, से जं उच्छुं जाणेज्जा- सअंडं जाव णो पडिगाहेज्जा । अतिरिच्छच्छिण्णं तहेव, तिरिच्छच्छिण्णे वि तहेव ।
- १०] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिक्खेज्जा अंतरुच्छुयं वा उच्छुगंडियं वा उच्छुचोयगं वा उच्छुसालगं वा उच्छुडालगं भोत्तए वा पायए वा । से जं पुण जाणेज्जा- अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा; सअंडं जाव णो पडिगाहेज्जा ।
- ११] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिक्खेज्जा अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा; अप्पंडं जाव असंताणगं, अतिरिच्छच्छिण्णं तहेव, तिरिच्छच्छिण्णे वि तहेव ।
- १२] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिक्खेज्जा ल्हसुणवणं उवागच्छित्तए, तहेव तिण्णि वि आलावगा, णवरं ल्हसुणं ।
- १३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिक्खेज्जा ल्हसुणं वा ल्हसुणकंदं वा ल्हसुणचोयगं वा ल्हसुणणालगं वा ल्हसुणडालगं वा भोत्तए वा पायए वा । से जं पुण जाणेज्जा ल्हसुणं वा जाव ल्हसुणणालगं वा सअंडं जाव णो पडिगाहेज्जा। एवं अतिरिच्छच्छिण्णे वि । तिरिच्छच्छिण्णे जाव पडिगाहेज्जा ।
- १४] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा आगंतारेसु जाव परियावसहेसु वा जे तत्थ गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइकम्म, अह भिक्खू जाणेज्जा इमाहिं पडिमाहिं उग्गहं ओगिण्हित्तए-
- तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा- से आगंतारेसु वा आरामागारेसु वा गाहावइकुलेसु वा, परियावसहेसु वा अणुवीइ ओग्गहं जाएज्जा जाव विहरिस्सामो। पढमा पडिमा ।

अहावरा दोच्चा पडिमा- जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए ओग्गहं ओगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं भिक्खूणं उग्गहे ओग्गहिए उवल्लिस्सामि । दोच्चा पडिमा ।

अहावरा तच्चा पडिमा- जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ- अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए ओग्गहं ओगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं भिक्खूणं च ओग्गहे ओग्गहिए णो उवल्लिस्सामि । तच्चा पडिमा ।

अहावरा चउत्था पडिमा- जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ- अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए ओग्गहं णो ओगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं च ओग्गहे उग्गहिए उवल्लिस्सामि । चउत्था पडिमा ।

अहावरा पंचमा पडिमा- जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अप्पणो अट्ठाए ओग्गहं ओगिण्हिस्सामि, णो दोण्हं, णो तिण्हं, णो चउण्हं, णो पंचण्हं । पंचमा पडिमा ।

अहावरा छट्ठा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जस्सेव ओग्गहे उवल्लिएज्जा, जे तत्थ अहासमण्णागए तं जहा- इक्कडे वा जाव पलाले वा, तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुए वा णेसज्जिए वा विहरेज्जा । छट्ठा पडिमा ।

अहावरा सत्तमा पडिमा- से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहासंथडमेव ओग्गहं जाएज्जा, तं जहा- पुढविसिलं वा कट्ठसिलं वा अहासंथडमेव तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुओ वा णेसज्जिओ वा विहरेज्जा । सत्तमा पडिमा ।

इच्चेयासिं सत्तण्हं पडिमाणं अण्णयरं जहा पिंडेसणाए ।

१५ सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं- इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं पंचविहे ओग्गहे पण्णत्ते, तं जहा- देविंदोग्गहे, रायोग्गहे, गाहावइओग्गहे, सागारियओग्गहे, साहम्मियओग्गहे ।

१६ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि। त्ति बेमि ।

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

॥ सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥

अट्ठमं अज्झयणं

ढाण-सत्तिक्कयं

१ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा ठाणं ठाइत्तए । से अणुपविसेज्जा गामं वा णगरं वा जाव रायहाणिं वा । से अणुपविसित्ता गामं वा जाव रायहाणिं वा से जं पुण ठाणं जाणेज्जा सअंडं जाव मक्कडासंताणयं, तं तहप्पगारं ठाणं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहेज्जा । एवं सेज्जागमेण णेयव्वं जाव उदगपसूयाइं ति ।

२ इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइक्कम्म अह भिक्खू इच्छेज्जा चउहिं पडिमाहिं ठाणं ठाइत्तए ।

तत्थिमा पढमा पडिमा- अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा, अवलंबेज्जा, काएण विप्परिकम्मादी, सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति। पढमा पडिमा ।

३ अहावरा दोच्चा पडिमा- अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा, अवलंबेज्जा, काएण विप्परिकम्मादी, णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति । दोच्चा पडिमा ।

४ अहावरा तच्चा पडिमा- अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा, अवलंबेज्जा, णो काएण विप्परिकम्मादी, णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति । तच्चा पडिमा ।

५ अहावरा चउत्था पडिमा- अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा, णो अवलंबेज्जा, णो काएण विप्परिकम्मादी, णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि । वोसट्ठकाए वोसट्ठकेस मंसु-लोम-णहे संणिरुद्धं वा ठाणं ठाइस्सामि त्ति चउत्था पडिमा ।

इच्चेयासिं चउण्हं पडिमाणं जाव पग्गहियतरागं विहारं विहरेज्जा, णेव किंचि वि वएज्जा ।

६ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि। त्ति बेमि ।

॥ अट्ठमं अज्झयणं समत्तं॥

नवमं अज्झयणं

णिसीहिया सत्तिककयं

१ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा णिसीहियं फासुयं गमणाए । से जं पुण णिसीहियं जाणेज्जा- सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं, तहप्पगारं णिसीहियं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहेज्जा ।

२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अभिकंखेज्जा णिसीहियं गमणाए, से जं पुण णिसीहियं जाणेज्जा अप्पपाणं अप्पबीयं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं णिसीहियं फासुयं एसणिज्जं लाभे संते पडिग्गाहेज्जा ।

एवं सेज्जागमेण णेयव्वं जाव उदयपसूयाणि त्ति ।

३ जे तत्थ दुवग्गा वा तिवग्गा वा चउवग्गा वा पंचवग्गा वा अभिसंधारेंति णिसीहियं गमणाए ते णो अण्णमण्णस्स कायं आलिंजेज्ज वा, विलिंजेज्ज वा, चुंबेज्ज वा, दंतेहिं वा णहेहिं वा अच्छिंदेज्ज वा विच्छिंदेज्ज वा ।

४ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जा, सेयमिणं मण्णेज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ नवम अज्झयणं समत्तं॥

दसमं अज्झयणं

संत्तिककयं

- १ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा उच्चार-पासवणकिरियाए उब्बाहिज्जमाणे सयस्स पायपुंछणस्स असईए तओ पच्छा साहम्मियं जाएज्जा ।
- २ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- ३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- अप्पंडं अप्पपाणं अप्पबीयं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- ४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्धिस्स, अस्सिंपडियाए बहवे साहम्मिया समुद्धिस्स, अस्सिंपडियाए एगं साहम्मिणिं समुद्धिस्स, अस्सिंपडियाए बहवे साहम्मिणीओ समुद्धिस्स, बहवे समण- माहण- अतिहि-किवण-वणीमगे पगणिय-पगणिय समुद्धिस्स, पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं जाव उद्देसियं चेएइ, तहप्पगारं थंडिलं पुरिसंतरकडं वा अपुरिसंतरकडं वा जाव आसेवियं वा अणासेवियं वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चार पासवणं वोसिरेज्जा ।
- ५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- बहवे समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमग समुद्धिस्स पाणाइं भूयाइं-जीवाइं- सत्ताइं समारब्भ समुद्धिस्स कीयं पामिच्चं जाव तहप्पगारं थंडिलं अपुरिसंतरकडं जाव अणासेवियं; तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चार- पासवणं वोसिरेज्जा ।
अह पुण एवं जाणेज्जा पुरिसंतरकडं जाव आसेवियं तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चार-पासवणं वोसिरेज्जा ।
- ६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- अस्सिंपडियाए कयं वा कारियं वा पामिच्चियं वा छण्णं वा घट्ठं वा मट्ठं वा लित्तं वा समट्ठं वा संपधूवियं वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- ७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्ता वा कंदाणि वा मूलाणि वा जाव हरियाणि वा अंताओ वा बाहिं णीहरंति, बहियाओ वा अंतो साहरंति, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- ८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- खंधंसि वा पीढंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा अट्ठंसि वा पासायंसि वा, अण्णयरंसि तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- ९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- अणंतरहियाए पुढवीए, ससिणिद्धाए पुढवीए, ससरक्खाए पुढवीए, मट्ठियाकडाए, चित्तमंताए पुढवीए चिंतमंताए सिलाए, चित्तमंताए लेलुए, कोलावासंसि वा दारुयंसि जीवपइट्ठियंसि जाव मक्कडासंताणयंसि, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चार पासवणं वोसिरेज्जा ।

- १० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा इह खलु गाहावई वा, गाहावइपुत्ता वा; कंदाणि वा जाव बीयाणि वा परिसाडिंसु वा परिसाडेंति वा परिसाडिस्संति वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- ११ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्ता वा सालीणि वा वीहीणि वा मुग्गाणि वा मासाणि वा तिलाणि वा कुलत्थाणि वा जवाणि वा जवजवाणि वा पइरिंसु वा पइरिंति वा पइरिस्संति वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चार-पासवणं वोसिरेज्जा ।
- १२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- आमोयाणि वा घसाणि वा भिलुयाणि वा विज्जलाणि वा खाणुयाणि वा कडवाणि वा पगत्ताणि वा दरीणि वा पदुग्गाणि वा समाणि वा, विसमाणि वा, अण्णयरंसि वा तहपगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- १३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिल जाणेज्जा माणुसरंधणाणि वा महिसकरणाणि वा वसभकरणाणि वा अस्सकरणाणि वा कुक्कुडकरणाणि वा लावयकरणाणि या वट्टयकरणाणि वा तित्तिरकरणाणि वा कवोयकरणाणि वा कपिजलकरणाणि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चार- पासवणं वोसिरेज्जा ।
- १४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- वेहाणसट्ठाणेसु वा गिद्धपिट्ठट्ठाणेसु वा तरुपवडणट्ठाणेसु वा मेरुपवडणट्ठाणेसु वा विसभक्खण- ट्ठाणेसु वा अगणिफंडणट्ठाणेसु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चार-पासवणं वोसिरेज्जा ।
- १५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- आरामाणि वा उज्जाणाणि वा वणाणि वा वणसंडाणि वा देवकुलाणि वा सभाणि वा पवाणि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चार-पासवणं वोसिरेज्जा ।
- १६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- अट्ठालयाणि वा चरियाणि वा दाराणि वा गोपुराणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- १७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- तियाणि वा चउक्काणि वा चच्चराणि वा चउमुहाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- १८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिल जाणेज्जा- इंगालडाहेसु वा खारडाहेसु वा मडयडाहेसु वा मडयथूभियासु वा मडयचेइएसु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- १९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिल जाणेज्जा- णईआयतणेसु वा पंकायतणेसु वा ओघायतणेसु वा सेयणपहंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।
- २० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिल जाणेज्जा- णवियासु वा मट्ठियखाणियासु, णवियासु वा गोलेहणियासु, गवायणीसु वा खाणीसु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ।

- २१] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- डागवच्चंसि वा सागवच्चंसि वा मूलगवच्चंसि वा हत्थंकरवच्चंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चार-पासवणं वोसिरेज्जा ।
- २२] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण थंडिलं जाणेज्जा- असणवणंसि वा सणवणंसि वा धायइवणंसि वा केयइवणंसि वा अंबवणंसि वा असोगवणंसि वा णागवणंसि वा पुण्णागवणंसि वा अण्णयेरेसु वा तहप्पगारेसु पत्तोवएसु वा पुप्फोवएसु वा फलोवएसु वा बीओवएसु वा हरिओवएसु वा णो उच्चार-पासवणं वोसिरेज्जा ।
- २३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा सपाययं वा परपाययं वा गहाय से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, अणावायंसि असंलोयंसि अप्पपाणंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा उवस्सयंसि वा तओ संजयामेव उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा, उच्चारपासवणं वोसिरित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, अणावायंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा झामथंडिलंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि अचित्तंसि तओ संजयामेव उच्चार-पासवणं परिद्वेज्जा ।
- २४] एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामाग्गियं । जं सव्वद्वेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ दसमं अज्झयणं समत्तं ॥

एगारसमं अज्झयण

सद्द-सत्तिककयं

- १] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा-मुइंगसद्दाणि वा णंदीमुइंगसद्दाणि वा झल्लरीसद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाणि वितताइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- २] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा-वीणासद्दाणि वा विपंचिसद्दाणि वा पिप्पीसगसद्दाणि बद्धीसगसद्दाणि वा तुणयसद्दाणि वा पणवसद्दाणि वा तुंबवीणिय सद्दाणि वा ढंकुणसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाणि तताइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ३] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा-तालसद्दाणि वा कंसतालसद्दाणि वा लत्तियसद्दाणि वा गोहियसद्दाणि वा किरिकिरियसद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं तालसद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ४] से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा-संखसद्दाणि वा वेणुसद्दाणि वा वंससद्दाणि वा खरमुहिसद्दाणि वा पिरिपिरियासद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं झुसिराइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।

- ५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- वप्पाणि वा फलिहाणि वा जाव सराणि वा सागराणि वा सरपंतियाणि वा सरसरपंतियाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- कच्छाणि वा णूमाणि वा गहणाणि वा वणाणि वा वणदुग्गाणि वा पव्वयाणि वा पव्वयदुग्गाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- गामाणि वा णगराणि वा णिगमाणि वा रायहाणीओ वा आसम-पट्टण-सण्णिवेसाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- आरामाणि वा उज्जाणाणि वा वणाणि वा वणसंडाणि वा देवकुलाणि वा सभाणि वा पवाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं कण्णसोयवडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- अट्ठाणि वा अट्ठालयाणि वा चरियाणि वा दाराणि वा गोपुराणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं कण्णसोयवडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- १० से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- तियाणि वा चउक्काणि वा चच्चराणि वा चउम्मुहाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं कण्णसोयवडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- ११ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- महिसद्वाणकरणाणि वा वसभद्वाणकरणाणि वा अस्सद्वाणकरणाणि वा हत्थिद्वाण- करणाणि वा जाव कविंजलद्वाणकरणाणि अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं कण्णसोयवडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- १२ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- महिसजुद्धाणि वा वसभजुद्धाणि वा अस्सजुद्धाणि वा जाव कविंजलजुद्धाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं कण्णसोयवडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- १३ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- जूहियद्वाणाणि वा हयजूहियद्वाणाणि वा गयजूहियद्वाणाणि वा अण्णइराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं कण्णसोयवडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- १४ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- अक्खाइयद्वाणाणि वा माणुम्माणियद्वाणाणि वा महयाहयणट्ठ-गीय-वाइय-तंति- तलताल - तुडिय - घणमुइंग - पडुप्प - वाइयद्वाणाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं कण्णसोयवडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- १५ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- कलहाणि वा डिंबाणि वा डमराणि वा दोरज्जाणि वा वेरज्जाणि वा विरुद्धरज्जाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं कण्णसोयवडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।

- १६ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगयाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- खुड्डियं दारियं परिवुडं मंडियालंकियं णिवुज्झमाणिं पेहाए, एगं पुरिसं वा वहाए णीणिज्जमाणं पेहाए, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं कण्णसोयवडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।
- १७ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अण्णयराइं विरूवरूवाइं महासवाइं एवं जाणेज्जा, तं जहा- बहुसगडाणि वा बहुरहाणि वा बहुमिलक्खूणि वा बहुपच्चंताणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महासवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ।
- १८ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अण्णयराइं विरूवरूवाइं महुस्सवाइं एवं जाणेज्जा, तं जहा- इत्थीणि वा पुरिसाणि वा थेराणि वा डहराणि वा मज्झिमाणि वा आभरणविभूसियाणि वा गायंताणि वा वायंताणि वा णच्चंताणि वा हसंताणि वा रमंताणि वा मोहंताणि वा विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं परिभुंजंताणि वा परिभाइंताणि वा विछड्डेमाणाणि वा विग्गोवेमाणाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महुस्सवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ।
- १९ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा इहलोइएहिं सद्देहिं, परलोइएहिं सद्देहिं, सुएहिं सद्देहिं, असुएहिं सद्देहिं, दिट्ठेहिं सद्देहिं, अदिट्ठेहिं सद्देहिं, इट्ठेहिं सद्देहिं, कंतेहिं सद्देहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्जेज्जा, णो मुज्जेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा।
- २० एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि। त्ति बेमि ।

॥ एगारसमं अज्झयणं समत्तं॥

बारसमं अज्झयणं

रूवसत्तिककयं

- १ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अहावेगइयाइं रूवाइं पासइ, तं जहा- गंथिमाणि वा वेढिमाणि वा पूरिमाणि वा संघाइमाणि वा कट्ठकम्माणि वा पोत्थकम्माणि वा चित्तकम्माणि वा मणिकम्माणि वा दंतकम्माणि वा पत्तच्छेज्जकम्माणि वा विविहाणि वा वेढिमाइं; अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं चक्खुदंसणपडियाए णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ।
- एवं णेयव्वं जहा सद्दपडिमा सव्वा वाइत्तवज्जा रूवपडिमा वि ।

॥ बारसमं अज्झयणं समत्तं॥

तेरसमं अज्झयणं

परकिरिया-सत्तिककयं

- १ परकिरियं अज्झत्थियं संसेइयं णो तं साइए, णो तं णियमे ।

- २ सिया से परो पायाइं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ३ सिया से परो पायाइं संबाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ४ सिया से परो पायाइं फुमेज्ज वा रएज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ५ सिया से परो पायाइं तेल्लेण वा घएण वा णवणीए वा वसाए वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ६ सिया से परो पायाइं लोद्धेण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वलेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ७ सिया से परो पायाइं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ८ सिया से परो पायाइं अण्णयरेण विलेवणजाएण आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ९ सिया से परो पायाइं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- १० सिया से परो पायाओ खाणुयं वा कंटयं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ११ सिया से परो पायाओ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- १२ सिया से परो कायं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- १३ सिया से परो कायं संबाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- १४ सिया से परो कायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा अब्भंगेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- १५ सिया से परो कायं लोद्धेण वा कक्केण वा, चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वलेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- १६ सिया से परो कायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- १७ सिया से परो कायं अण्णयरेण विलेवणजाएण आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- १८ सिया से परो कायं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- १९ सिया से परो कायंसि वणं आमज्जेज्ज वा, पमज्जेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- २० सिया से परो कायंसि वणं संबाहेज्ज वा, पलिमद्देज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- २१ सिया से परो कायंसि वणं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- २२ सिया से परो कायंसि वणं लोद्धेण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वलेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।

- २३ सिया से परो कायंसि वणं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- २४ सिया से परो कायंसि वणं अण्णयरेणं विलेवण जाएणं आलिंपेज्ज वा, विलिंपेज्ज वा, णो तं साइए, णो तं णियमे ।
- २५ सिया से परो कायंसि वणं अण्णयरेणं धूवणजाएणं धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा णो तं साइए, णो तं णियमे ।
- २६ सिया से परो कायंसि वणं अण्णयरेणं सत्थजाएणं आच्छिंदेज्ज वा विच्छिंदेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- २७ सिया से परो कायंसि वणं अण्णयरेणं सत्थजाएणं आच्छिंदित्ता वा विच्छिंदित्ता वा पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं साइए णो तं णियमे ।
- २८ सिया से परो कायंसि गंडं वा अरइयं वा पुलयं वा भगंदलं वा आमज्जेज्ज वा, पमज्जेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- २९ सिया से परो कायंसि गंडं वा अरइयं वा पुलयं वा भगंदलं वा संबाहेज्ज वा, पलिमद्देज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ३० सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ३१ सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा लोद्धेण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वलेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ३२ सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ३३ सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा अण्णयरेणं सत्थजाएणं आच्छिंदेज्ज वा, विच्छिंदेज्ज वा णो तं साइए, णो तं णियमे ।
- ३४ सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं अण्णयरेणं सत्थजाएणं आच्छिंदित्ता वा विच्छिंदित्ता वा पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ३५ सिया से परो कायाओ सेयं वा जल्लं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ३६ सिया से परो अच्छिमलं वा कण्णमलं वा दंतमलं वा णहमलं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ३७ सिया से परो दीहाइं वालाइं, दीहाइं रोमाइं, दीहाइं भमुहाइं, दीहाइं कक्खरोमाइं, दीहाइं वत्थिरोमाइं, कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ३८ सिया से परो सीसाओ लिक्खं वा जूयं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ३९ सिया से परो अंकंसि वा पलियंकंसि वा तुयट्ठावेत्ता पायाइं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे । एवं हेट्ठिमो गमो पायादि भाणियव्वो ।

- ४० सिया से परो अंकंसि वा पलियंकंसि वा तुयट्ठावेत्ता हारं वा अद्धहारं वा उरत्थं वा गेवेयं वा मउडं वा पालंबं वा सुवण्णसुत्तं वा आविधेज्ज वा पिणिधेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
- ४१ सिया से परो आरामंसि वा उज्जाणंसि वा णीहरित्ता वा पविसेत्ता वा पायाइं आमज्जेज्ज वा, पमज्जेज्ज वा णो तं साइए णो तं णियमे । एवं हेट्ठिमो गमो पायादि भाणियव्वो ।
- ४२ सिया से परो सुद्धेणं वा वड्ढलेणं तेइच्छं आउट्टे, सिया से परो असुद्धेणं वड्ढलेणं तेइच्छं आउट्टे, सिया से परो गिलाणस्स सचित्ताणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा हरियाणि वा खणित्तु वा कड्ढेत्तु कड्ढावेत्तु वा तेइच्छं आउट्टेज्जा, णो तं साइए णो तं णियमे ।
कडुवेयणा कट्टु वेयणा पाण-भूय-जीव-सत्ता वेयणं वेदंति ।
- ४३ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं सहिए समिए सया जए, सेयमिणं मण्णेज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ तेरसमं अज्झयणं समत्तं ॥

चउद्दसमं अज्झयणं

अण्णुणकिरिया-सत्तिककयं

- १ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा अण्णमण्णकिरियं अज्झत्थियं संसेइयं णो तं साइए णो तं णियमे ।
- २ से अण्णमण्णं पायाइं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, णो तं साइए णो तं णियमे, सेसं तं चेव ।
- ३ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं । जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि । त्ति बेमि ।

॥ चउद्दसमं अज्झयणं समत्तं ॥

पनरसम अज्झयणं

भावणा

- १ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे यावि होत्था-हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते । हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए । हत्थुत्तराहिं जाए । हत्थुत्तराहिं सव्वाओ सव्वत्ताए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए । हत्थुत्तराहिं कसिणे पडिपुण्णे अव्वाघाए णिरावरणे अणंते अणुत्तरे केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे । साइणा भगवं परिणिव्वुए ।
- २ समणे भगवं महावीरे इमाए ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए वीइकंताए सुसमाए समाए वीइकंताए, सुसमदुसमाए समाए वीइकंताए, दुसमसुसमाए समाए बहुवीइकंताए, पण्हत्तरीए वासेहिं मासेहिं य अद्धणवमेहिं सेसेहिं, जे से गिम्हाणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे आसाढसुद्धे तस्स णं असाढसुद्धस्स छट्ठीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं, महाविजय-सिद्धत्थ-पुप्फुत्तर- पवरपुंडरीय-

दिसासोवत्थिय- वद्धमाणाओ महाविमाणाओ वीसं सागरोवमाइं आउयं पालइत्ता आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं चुए, चइत्ता इह खलु जंबुद्वीवे णं दीवे भारहे वासे दाहिणइढभरहे दाहिणमाहणकुंडपुर-संणिवेसंसि उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगोत्तस्स देवाणंदाए माहणीए जालंधरायणसगोत्ताए सीहुब्भवभूएणं अप्पाणेणं कुच्छिंसि गब्भं वक्कंते ।

समणे भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, चइस्सामि त्ति जाणइ, चुएमित्ति जाणइ, चयमाणे ण जाणइ, सुहुमे णं से काले पण्णत्ते ।

३ तओ णं समणे भगवं महावीरे अणुकंपएणं देवेणं जीयमेयं ति कट्ठु, जे से वासाणं तच्चे मासे, पंचमे पक्खे, आसोयबहुले, तस्स णं आसोयबहुलस्स तेरसीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेहिं जोगमुवागएणं बासीइहिं राइंदिएहिं वीइकंतेहिं तेसीइमस्स राइंदियस्स परियाए वट्टमाणे दाहिणमाहणकुंडपुरसण्णिवेसाओ उत्तरखत्तियकुंडपुरसण्णिवेसंसि णायाणं खत्तियाणं सिद्धत्थस्स खत्तियस्स कासवगोत्तस्स तिसलाए खत्तियाणीए वासिड्ढगोत्ताए असुभाणं पोग्गलाणं अवहारं करेत्ता सुभाणं पोग्गलाणं पक्खेवं करेत्ता कुच्छिंसि गब्भं साहरइ । जे वि य तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे तं पि य दाहिणमाहणकुंडपुरसण्णिवेसंसि उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगोत्तस्स देवाणंदाए माहणीए जालंधरायण- सगोत्ताए कुच्छिंसि साहरइ ।

समणे भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, साहरिज्जिसामि त्ति जाणइ, साहरिए मि त्ति जाणइ, साहरिज्जमाणे वि जाणइ, समणाउओ ।

४ तेणं कालेणं तेणं समएणं तिसला खत्तियाणी अह अण्णया कयाइ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्टमाण राइंदियाणं वीइकंताणं जे से गिम्हाणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे चेत्तसुद्धे तस्स णं चेत्तसुद्धस्स तेरसीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगोवगएणं समणं भगवं महावीरं आरोग्गारोग्गं पसूया ।

५ जं णं राइं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोग्गारोग्गं पसूया तं णं राइं भवणवइ- वाणमंतर- जोइसिय-विमाणवासिदेवेहिं य देवीहिं य ओवयंतेहिं य उप्पयंतेहिं य संपयंतेहिं य एगे महं दिव्वे देवुज्जोए देवसण्णिवाए देवकहक्कहए उप्पिंजलगभूए यावि होत्था ।

६ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया तं णं रयणिं बहवे देवा य देवीओ य एगं महं अमयवासं च गंधवासं च चुण्णवासं च पुप्फवासं च हिरण्णवासं च रयणवासं च वासिंसु ।

७ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया तं णं रयणिं भवणवइ- वाणमंतर- जोइसिय- विमाणवासिणो देवा य देवीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स कोउगभूइकम्माइं तिथयराभिसेयं च करिंसु ।

८ जओ णं पभिइ भगवं महावीरे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भं आहुए तओ णं पभिइ तं कुलं विउलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव-अईव परिवड्ढइ ।

तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो एयमट्ठं जाणित्ता णिव्वत्तदसाहंसि वोक्कंतंसि सुचिभूयंसि विउलं असण-पाण- खाइम- साइमं उवक्खडावेंति । विउलं असण-पाण-खाइम-साइमं उवक्खडावेत्ता मित्त-णाइ सयण- संबंधिवग्गं उवणिमंतेंति उवणिमंतेत्ता बहवे समण-माहण-अतिहि- किवण- वणीमग- भिच्छुंडग-पंडरगाईणं विच्छड्डेंति, विग्गोवेंति, विस्साणेंति, दायाएसु णं दायं पज्जाभाएति । विच्छड्डित्ता, विग्गोवित्ता, विस्साणित्ता दायाएसु णं दाणं पज्जभाएत्ता मित्त-णाइ- सयण-संबंधिवग्गं भुंजावेंति मित्त-णाइसयण-संबंधिवग्गं भुंजावित्ता, मित्तणाइ-सयण- संबंधिवग्गेण इमेयारूवं णामधेज्जं कारवेंति-जओ णं पभिइ इमे कुमारे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे आहुए तओ णं पभिइ इमं कुलं विउलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संख-सिल- प्पवालेणं अईव-अईव परिवड्डइ, तो होउ णं कुमारे वद्धमाणे ।

९ तओ णं समणे भगवं महावीरे पंचधाइपरिवुडे, तं जहा- खीरधाइए, मज्जण- धाईए, मंडावणधाईए, खेत्तावणधाईए, अंकधाईए, अंकाओ अंकं साहरिज्जमाणे रम्मे मणिकोट्टिमतले गिरिकंदरसमल्लीणे व चंपयपायवे अहाणुपुव्वीए संवड्डइ ।

१० तओ णं समणे भगवं महावीरे विण्णायपरिणयए विणियत्तबालभावे अप्पुस्सुयाइं उरालाइं माणुस्सगाइं पंचलक्खणाइं कामभोगाइं सद्ध-फरिस-रस-रूव गंधाइं परियारेमाणे एवं च णं विहरइ ।

११ समणे भगवं महावीरे कासवगोत्ते, तस्स णं इमे तिण्णि णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, तं जहा- अम्मापिउसंतिए वद्धमाणे, सहसम्मइए समणे, भीमं भयभेरवं उरालं अचेलयं परीसहं सहइ त्ति कट्ठु देवेहिं से णामं कयं समणे भगवं महावीरे ।

१२ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पिआ कासवगोत्तेणं । तस्स णं तिण्णि णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, तं जहा- सिद्धत्थे ति वा सेज्जंसे ति वा जसंसे ति वा ।

समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अम्मा वासिड्डसगोत्ता । तीसे णं तिण्णि णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, तं जहा- तिसला ति वा विदेहदिण्णा ति वा पियकारिणी ति वा ।

समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पित्तियए सुपासे कासवगोत्तेणं ।

समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेठ्ठे भाया णंदिवद्धणे कासवगोत्तेणं ।

समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेठ्ठा भइणी सुदंसणा कासवगोत्तेणं ।

समणस्स णं भगवओ महावीरस्स भज्जा जसोया कोडिण्णा गोत्तेणं ।

समणस्स णं भगवओ महावीरस्स धूया कासवगोत्तेणं । तीसे णं दो णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, तं जहा- अणोज्जा ति वा पियदंसणा ति वा ।

समणस्स णं भगवओ महावीरस्स णत्तुई कोसियगोत्तेणं । तीसे णं दो णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, तं जहा- सेसवती ति वा जसवती ति वा ।

१३ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो पासावच्चिज्जा समणोवासगा यावि होत्था । ते णं बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पालइत्ता छण्हं जीवणिकायाणं सारक्खणणिमित्तं आलोइत्ता णिंदित्ता गरहित्ता पडिक्कमित्ता अहारिहं उत्तरगुणं पायच्छित्तं पडिवज्जित्ता कुससंधारं दुरुहित्ता

भत्तं पच्चक्खाइंति, भत्तं पच्चक्खाइत्ता अपच्छिमाए मारणंतियाए सरीरसंलेहणाए झूसियसरीरा कालमासे कालं किच्चा तं सरीरं विप्पजहित्ता अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववण्णा।

तओ णं आउक्खणं भवक्खणं ठिइक्खणं चुए चइत्ता महाविदेहे वासे चरिमेणं उस्सासेणं सिज्झिस्संति, बुज्झिस्संति, मुच्चिस्संति, परिणिव्वाइस्संति, सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति ।

१४ तेणं कालेणं तेणं समणं समणे भगवं महावीरे णाए णायपुत्ते णायकुलविणिव्वए विदेहे विदेहदिण्णे विदेहजच्चे विदेहसुमाले तीसं वासाइं विदेहे त्ति कट्ठु अगारमज्जे वसित्ता अम्मापिऊहिं कालगएहिं देवलोगमणुप्पत्तेहिं समत्तपइण्णे चिच्चा हिरण्णं, चिच्चा सुवण्णं चिच्चा बलं, चिच्चा वाहणं, चिच्चा धण-कणग-रयण-संतसारसावएज्जं, विच्छइडित्ता विग्गोवित्ता, विस्साणित्ता, दायाएसु णं दायं पज्जभाइत्ता, संवच्छरं दलइत्ता, जे से हेमंताणं पढमे मासे, पढमे पक्खे मग्गसिरबहुले, तस्स णं मग्गसिरबहुलस्स दसमीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगोवगएणं अभिणिक्खमणाभिप्पाए यावि होत्था ।

१५ संवच्छरेण होहिइ, अभिणिक्खमणं तु जिणवरिंदस्स ।

तो अत्थसंपदाणं, पवत्तइ पुव्वसूराओ ॥

१६ एगा हिरण्णकोडी, अट्ठे व अणूणया सयसहस्सा ।

सूरोदयमाईयं, दिज्जइ जा पायरासो त्ति ॥

१७ तिण्णेव य कोडिसया, अट्ठासीइं च होंति कोडीओ ।

असीइं च सयसहस्सा, एयं संवच्छरे दिण्णं ॥

१८ वेसमणकुंडलधरा, देवा लोगंतिया महिइडिया ।

बोहिति य तित्थयरं, पण्णरससु कम्मभूमिसु ॥

१९ बंभम्मि य कप्पम्मि, बोद्धव्वा कणहराइणो मज्झे ।

लोगंतिया विमाणा, अट्ठ सुवत्था असंखेज्जा ॥

२० एए देवणिकाया, भगवं बोहिति जिणवरं वीरं ।

सव्वजगज्जीवहियं, अरहं तित्थं पवत्तेहि ॥

२१ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अभिणिक्खमणाभिप्पायं जाणित्ता भवणवइ-वाणमंतर-जोइसिय-विमाणवासिणो देवा य देवीओ य सएहिं- सएहिं रूवेहिं, सएहिं-सएहिं णेवत्थेहिं, सएहिं-सएहिं चिंधेहिं, सव्विड्ढीए सव्वजुईए सव्वबलसमुदएणं सयाइं-सयाइं जाणविमाणाइं दुरुहंति । सयाइं सयाइं जाणविमाणाइं दुरुहित्ता अहाबायराइं पोग्गलाइं परिसाडेंति । अहाबायराइं पोग्गलाइं परिसाडेत्ता अहासुहुमाइं पोग्गलाइं परियाइंति । अहासुहुमाइं पोग्गलाइं परियाइत्ता उड्ढं उप्पयंति । उड्ढं उप्पइत्ता ताए उक्किट्ठाए सिग्घाए चवलाए, तुरियाए दिव्वाए देवगईए अहेणं ओवयमाणा- ओवयमाणा तिरिएणं असंखेज्जाइं दीव समुद्दाइं वीइक्कममाणा वीइक्कममाणा जेणेव जंबुद्वीवे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता जेणेव उत्तरखत्तियकुंडपुरसण्णिवेसे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता जेणेव उत्तरखत्तियकुंडपुरसण्णिवेसस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए तेणेव झत्ति वेगेण ओवइया ।

२२ तओ णं सक्के देविंदे देवराया सणियं-सणियं जाणविमाणं ठवेइ। सणियं-सणियं जाण विमाणं ठवेत्ता सणियं-सणियं जाणविमाणाओ पच्चोयरइ, सणियं- सणियं जाणविमाणाओ पच्चोयरित्ता एगंतमवक्कमेइ । एगंतमवक्कमित्ता महया वेउव्विएणं समुग्घाएणं समोहणइ । महया वेउव्विएणं

समुग्घाएणं समोहणित्ता एगं महं णाणामणि-कणग-रयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं देवच्छंदयं विउव्वंति। तस्स णं देवच्छंदयस्स बहुमज्झदेसभागे एगं महं सपायपीठं सीहासणं णाणा मणि-कणग रयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं विउव्वइ, विउव्वित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं-पयाहिणं करेइ, समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ, णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता समणं भगवं महावीरं गहाय, जेणेव देवच्छंदए तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता सणियं सणियं पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयावेइ, सणियं सणियं पुरत्थाभिमुहं णिसीयावेत्ता, सयपागसहस्सपागेहिं तेल्लेहिं अब्भंगेइ, सयपाग-सहस्सपागेहिं तेल्लेहिं अब्भंगेत्ता सुद्धोदएणं मज्जावेइ, मज्जावेत्ता गंधकासाएहिं उल्लोलेइ, उल्लोलेत्ता ति-पडोलतित्तएणं साहिण्ण सीयएण गोसीसरत्तचंदणेणं अणुलिंपइ, अणुलिंपेत्ता, जस्स य मूलं सयसहस्सं ईसिणिस्सासवातवोज्झं वरणगरपट्टणुग्गयं, कुसलणरपसंसियं, अस्सलालापेलयं छेयायरियकणग-खचियंत-कम्मं हंसलक्खणं पट्टजुयलं णियंसावेइ, णियंसावेत्ता हारं अद्धहारं उरत्थं एगावलिं पालंबसुत्त-पट्ट- मउड-रयणमालाई आविंधावेइ, आविंधावेत्ता गंधिम-वेढिम-पूरिम-संधाइमेणं मल्लेणं कप्परुक्खमिव समलंकरेइ;

समलंकरेत्ता दोच्चं पि महया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ समोहणित्ता एगं महं चंदप्पभं सिवियं सहस्सवाहिणिं विउव्वइ, तं जहा- ईहामिय-उसभ- तुरग-णर-मकर- विहग-वाणर-कुंजर रुरु-सरभ- चमर-सद्दल-सीह-वण-लय-विचित्त- विज्जाहर- मिहुण- जुयलजंतजोगजुत्तं अच्चीसहस्समालिणीयं सुणिरुविय-मिसमिस्संतरूवग- सहस्सकलियं ईसिंभिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेस्सं मुत्ताहलमुत्तजालंतरोवियं तवणीयपवरलंबूस- पलंबंतमुत्तदामं हारद्धहारभूसण- समोणयं अहियपेच्छणिज्जं पउमलय भत्तिचित्तं असोगलयभत्तिचित्तं कुंदलय- भत्तिचित्तं णाणालयभत्तिविरइयं सुभं चारुकंतरूवं णाणामणिपंचवण्ण- घंटापडागपरिमंडियग्गसिहरं सुभं चारुकंतरूवं पासाईयं दरिसणीयं सुरूवं ।

- २३ सीया उवणीया जिणवरस्स, जरमरणविप्पमुक्कस्स ।
ओसत्तमल्लदामा, जलथलयदिव्वकुसुमेहिं ॥
- २४ सिबियाए मज्झयारे, दिव्वं वररयणरूवचेवइयं ।
सीहासणं महरिहं, सपादपीठं जिणवरस्स ॥
- २५ आलइयमालमउडो, भासुरबोदी वराभरणधारी ।
खोमयवत्थणियत्थो, जस्स य मोल्लं सयसहस्सं ॥
- २६ छट्ठेणं भत्तेणं, अज्झवसाणेण सोहणेण जिणो ।
लेस्साहिं विसुज्झंतो, आरुहइ उत्तमं सीयं ॥
- २७ सीहासणे णिविद्धो, सक्कीसाणा य दोहिं पासेहिं ।
वीयंति चामराहिं, मणि रयण विचित्तदंडाहि ॥
- २८ पुव्विं उक्खित्ता माणुसेहिं, साहट्ठरोमकूवेहिं ।
पच्छा वहंति देवा, सुर असुर गरुल णागिंदा ॥
- २९ पुरओ सुरा वहतिं, असुरा पुण दाहिणम्मि पासम्मि ।
अवरे वहंति गरुला, णागा पुण उत्तरे पासे ॥

- ३० वणसंडं व कुसुमियं, पउमसरो वा जहा सरयकाले ।
सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणतलं सुरगणेहिं ॥
- ३१ सिद्धत्थवणं व जहा, कणियारवणं व चंपगवणं वा ।
सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणतलं सुरगणेहिं ॥
- ३२ वरपडहभेरिझल्लरि, संखसयसहस्सिएहिं तूरेहिं ।
गगणतले धरणितले, तूरणिणाओ परमरम्मो ॥
- ३३ ततविततं घण झुसिरं, आउज्जं चउव्विहं बहुविहीयं ।
वायंति तत्थ देवा, बहूहिं आणट्ठगसएहिं ॥
- ३४ तेणं कालेणं तेणं समएणं जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे मग्गसिरबहुले, तस्स णं
मग्गसिरबहुलस्स दसमीपक्खेणं, सुव्वएणं दिवसेणं, विजएणं मुहुत्तेणं, हत्थुत्तर णक्खत्तेणं
जोगोवगएणं पाईणगामिणीए छायाए, वियत्ताए पोरसीए, छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं, एगं साडगमायाए
चंदप्पभाए सिबियाए सहस्सवाहिणीए सदेवमणुयासुराए परिसाए समणिज्जमाणे समणिज्जमाणे
उत्तरखत्तियकुंडपुरसण्णिवेसस्स मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव णायसंडे उज्जाणे
तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ईसिं रयणिप्पमाणं अच्छुप्पेणं भूमिभागेणं सणियं सणियं चंदप्पभं
सिवियं सहस्सवाहिणिं ठवेइ, सणियं-सणियं चंदप्पभाओ सिबियाओ सहस्सवाहिणीओ पच्चोयरइ,
पच्चोयरित्ता सणियं सणियं पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयइ, आभरणालंकारं ओमुयइ । तओ णं
वेसमणे देवे जण्णुपायपडिए समणस्स भगवओ महावीरस्स हंसलक्खणेणं पडेणं आभरणालंकारं
पडिच्छइ ।
- तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं, वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेइ । तओ णं सक्के
देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स जण्णुव्वायपडिए वडरामएणं थालेणं केसाइं पडिच्छइ,
पडिच्छित्ता अणुजाणेसि भंते ! त्ति कट्ठु, खीरोयं सायरं साहरइ । तओ णं समणे भगवं महावीरे
दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेत्ता सिद्धाणं णमोक्कारं करेइ, करेत्ता सव्वं मे
अकरणिज्जं पावकम्मं ति कट्ठु सामाइयं चरित्तं पडिवज्जइ, सामाइयं चरित्तं पडिवज्जेत्ता देवपरिसं
च मणुयपरिसं च आलिकखचित्तभूयमिव ठवेइ ।
- ३५ दिव्वो मणुस्सघोसो, तुरियणिणाओ य सक्कवयणेणं ।
खिप्पामेव णिलुक्को, जाहे पडिवज्जइ चरित्तं ॥
- ३६ पडिवज्जित्तु चरित्तं, अहोणिसिं सव्वपाणभूयहियं ।
साहड्डलोमपुलया, मणुया देवा णिसामिंति ॥
- ३७ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सामाइयं खाओवसमियं चरित्तं पडिवण्णस्स मणपज्जवणाणे
णामं णाणे समुप्पण्णे। अड्ढाइज्जेहिं दीवेहिं, दोहिं य समुद्देहिं, सण्णीणं पंचेदियाणं पज्जत्ताणं
वियत्तमणसाणं मणोगयाइं भावाइं जाणइ।
- ३८ तओ णं समणे भगवं महावीरे पव्वइए समाणे मित्त-णाइ- सयण-संबंधि वग्गं पडिविसज्जेइ ।
पडिविसज्जित्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ- बारस वासाइं वोसड्डकाए चत्तदेहे जे केइ

उवसग्गा समुप्पज्जंति, तं जहा- दिव्वा वा माणुसा वा तेरिच्छया वा, ते सव्वे उवसग्गे समुप्पण्णे समाणे सम्मं सहिस्सामि, खमिस्सामि, तित्तिक्खिस्सामि अहियासिस्सामि ।

३९ तओ णं समणे भगवं महावीरे इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हित्ता वोसट्ठकाए चत्तदेहे दिवसे मुहुत्तसेसे कुम्मारगामं समणुपत्ते।

तओ णं समणे भगवं महावीरे वोसट्ठकाए चत्तदेहे अणुत्तरेणं आलएणं अणुत्तरेणं विहारेणं, अणुत्तरेणं पग्गहेणं, अणुत्तरेणं संवरेणं, अणुत्तरेणं संजमेणं, अणुत्तरेणं तवेणं, अणुत्तरेणं बंभचेरवासेणं, अणुत्तराए खंतीए, अणुत्तराए मुत्तीए, अणुत्तराए तुड्डीए, अणुत्तराए समिईए, अणुत्तराए गुत्तीए, अणुत्तरेणं ठाणेणं, अणुत्तरेणं कम्ममेणं, अणुत्तरेणं सुचरियफलणिच्चाणमुत्तिमग्गेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ।

४० एवं विहरमाणस्स जे केइ उवसग्गा समुप्पज्जंति- दिव्वा वा माणुस्सा वा तेरिच्छया वा, ते सव्वे उवसग्गे समुप्पण्णे समाणे अणाइले अव्वहिए अद्दीणमाणसे तिविह मण-वयण-कायगुत्ते सम्मं सहइ खमइ तित्तिक्खइ अहियासेइ ।

४१ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स एएणं विहारेणं विहरमाणस्स बारस वासा वीइक्कंता, तेरसमस्स य वासस्स परियाए वट्ठमाणस्स जे से गिम्हाणं दोच्चे मासे चउत्थे पक्खे वइसाहसुद्धे, तस्स णं वेसाहसुद्धस्स दसमीपक्खेणं सुव्वएणं दिवसेणं विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगोवगएणं पाईणगामिणीए छायाए वियत्ताए पोरिसीए जंभिय-गामस्स णगरस्स बहिया णईए उज्जुवालिया उत्तरे कूले सामागस्स गाहावइस्स कट्ठकरांसि वेयावत्तस्स चेइयस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसीभागे सालरूक्खस्स अदूरसामंते उक्कुडुयस्स गोदोहियाए आयावणाए आयावेमाणस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं उड्ढं जाणुं अहो सिरस्स धम्मज्झाणोवगयस्स ज्ञाणकोट्ठोवगयस्स सुक्कज्झाणंतरियाए वट्ठमाणस्स णिच्चाणे कसिणे पडिपुण्णे अव्वाहए णिरावरणे अणंते अणुत्तरे केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे।

४२ से भगवं अरहा जिणे केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स पज्जाए जाणइ, तं जहा- आगइं गइं ठिइं चयणं उववायं भुत्तं पीयं कडं पडिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं लवियं कहियं मणोमाणसियं सव्वलोए सव्वजीवाणं सव्वभावाइं जाणमाणे पासमाणे एवं च णं विहरइ ।

४३ जण्णं दिवसं समणस्स भगवओ महावीरस्स णिच्चाणे कसिणे जाव समुप्पण्णे तण्णं दिवसं भवणवइ-वाणमंतर-जोइसिय-विमाणवासिदेवेहिं य देवीहिं य ओवयंतेहिं य जाव उप्पिंजलगभूए यावि होत्था ।

४४ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे अप्पाणं च लोगं च अभिसमिक्ख पुव्वं देवाणं धम्ममाइक्खइ, तओ पच्छा माणुसाणं।

४५ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे गोयमाईणं समणाणं णिग्गंथाणं पंच महव्वयाइं सभावणाइं छज्जीवणिकायाइं आइक्खइ भासइ परूवेइ, तं जहा- पुढवीकाए जाव तसकाए ।

४६ पढमं भंते ! महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं पाणाइवायं । से सुहुमं वा बायरं वा तसं वा थावरं वा णेव सयं पाणाइवायं करेज्जा णेवण्णेहिं पाणाइवायं कारवेज्जा, णेवण्णं पाणाइवायं करंतं समणुजाणेज्जा जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणसा वयसा कायसा तस्स भंते ! पडिक्कमामि णिंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ।

४७ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवन्ति, तत्थिमा पढमा भावणा- इरियासमिए से णिग्गंथे, णो अणइरियासमिए त्ति। केवली बूया- इरियाअसमिए से णिग्गंथे पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणेज्ज वा वत्तेज्ज वा परियावेज्ज वा लेसेज्ज वा उद्वेज्ज वा । इरियासमिए से णिग्गंथे, णो इरियाअसमिए त्ति पढमा भावणा।

अहावरा दोच्चा भावणा- मणं परिजाणइ से णिग्गंथे, जे य मणे पावए सावज्जे सकिरिए अण्हयकरे छेयकरे भेयकरे अहिगरणिए पाओसिए पारिताविए पाणाइवाइए भूओवघाइए तहप्पगारं मणं णो पधारेज्जा । मणं परिजाणइ से णिग्गंथे, जे य मणे अपावए त्ति दोच्चा भावणा ।

अहावरा तच्चा भावणा- वइं परिजाणइ से णिग्गंथे, जा य वई पाविया सावज्जा सकिरिया जाव भूओवघाइया तहप्पगारं वइं णो उच्चारज्जा । वइं परिजाणइ से णिग्गंथे जा य वई अपाविय त्ति तच्चा भावणा ।

अहावरा चउत्था भावणा- आयाणभंडमत्तणिकखेवणासमिए से णिग्गंथे, णो अणायाणभंडमत्तणिकखेवणासमिए । केवली बूया- आयाणभंडमत्त - णिकखेवणा असमिए से णिग्गंथे पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणेज्ज वा जाव उद्वेज्ज वा । तम्हा आयाणभंडमत्तणिकखेवणासमिए से णिग्गंथे, णो अणायाणभंडमत्त- णिकखेवणासमिए त्ति चउत्था भावणा ।

अहावरा पंचमा भावणा- आलोइयपाण-भोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोई । केवली बूया- अणालोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पाणाणि वा भूयाणि वा जीवाणि वा सत्ताणि वा अभिहणेज्ज वा जाव उद्वेज्ज वा तम्हा आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोई त्ति पंचमा भावणा ।

४८ एतावताव पढमे महव्वए सम्मं काएणं फासिए पालिए तीरिए किट्टिए अवट्टिए आणाए आराहिए यावि भवइ । पढमे भन्ते! महव्वए पाणाइवायाओ वेरमणं ।

४९ अहावरं दोच्चं भन्ते! महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं मुसावायं वइदोसं । से कोहा वा लोहा वा भया वा हासा वा णेव सयं मुसं भासेज्जा, णेवण्णेणं मुसं भासावेज्जा अण्णंपि मुसं भासंतं ण समणुजाणेज्जा तिविहं तिविहेणं मणसा वयसा कायसा। तस्स भन्ते ! पडिक्कमामि जाव वोसिरामि ।

५० तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवन्ति-

तत्थिमा पढमा भावणा अणुवीइ भासी से णिग्गंथे, णो अणुवीइ भासी। केवली बूया- अणुवीइ भासी से णिग्गंथे समावएज्जा मोसं वयणाए । अणुवीइभासी से णिग्गंथे, णो अणुवीइ भासि त्ति पढमा भावणा ।

अहावरा दोच्चा भावणा- कोहं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो कोहणए सिया। केवली बूया- कोहपत्ते कोही समावएज्जा मोसं वयणाए। कोहं परिजाणइ से णिग्गंथे, ण य कोहणए सिय त्ति दोच्चा भावणा ।

अहावरा तच्चा भावणा- लोहं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सिया । केवली बूया- लोहपत्ते लोभी समावएज्जा मोसं वयणाए । लोहं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य लोहणए सिय त्ति तच्चा भावणा ।

अहावरा चउत्था भावणा- भयं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य भयभीरू सिया । केवली बूया- भयपत्ते भीरू समावएज्जा मोसं वयणाए । भयं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य भयभीरू सिय त्ति चउत्था भावणा ।

अहावरा पंचमा भावणा- हासं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य हासणाए सिया । केवली बूया- हासपत्ते हासी समावएज्जा मोसं वयणाए । हासं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य हासणाए सिय त्ति पंचमा भावणा ।

५१ एतावताव दोच्चे महव्वए सम्मं काएणं फासिए जाव आणाए आराहिए यावि भवइ । दोच्चे भंते ! महव्वए मुसावायाओ वेरमणं ।

५२ अहावरं तच्चं भंते! महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं अदिण्णादाणं । से गामे वा णगरे वा अरण्णे वा अप्पं वा बहुं वा अणुं वा थूलं वा चित्तमंतं वा अचित्तमंतं वा णेव सयं अदिण्णं गेण्हज्जा, णेवण्णेहिं अदिण्णं गेण्हावेज्जा, अण्णं पि अदिण्णं गेण्हंतं ण समणुजाणेज्जा जावज्जीवाए जाव वोसरामि ।

५३ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवन्ति-

तत्थिमा पढमा भावणा- अणुवीइ मिओग्गहजाई से णिग्गंथे, णो अणणुवीइ मिओग्गहजाई से णिग्गंथे। केवली बूया- अणणुवीइ मिओग्गहजाई से णिग्गंथे अदिण्णं गेण्हज्जा । अणुवीइ मिओग्गहजाई से णिग्गंथे, णो अणणुवीइ मिओग्गहजाई त्ति पढमा भावणा ।

अहावरा दोच्चा भावणा- अणुणविय पाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणणुणविय पाणभोयणभोई । केवली बूया- अणणुणवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे अदिण्णं भुंजेज्जा । तम्हा अणुणवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणणुणवियपाणभोयणभोई त्ति दोच्चा भावणा ।

अहावरा तच्चा भावणा- णिग्गंथे णं उग्गहंसि ओग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सिया । केवली बूया णिग्गंंथेणं उग्गहंसि ओग्गहियंसि एतावताव अणोग्गहणसीले अदिण्णं ओगिण्हज्जा, णिग्गंथेणं उग्गहंसि ओग्गहियंसि एताव ताव उग्गहणसीलए सिय त्ति तच्चा भावणा ।

अहावरा चउत्था भावणा- णिग्गंथे णं उग्गहंसि ओग्गहियंसि अभिक्खणं अभिक्खणं उग्गहणसीलए सिया । केवली बूया- णिग्गंथेणं उग्गहंसि ओग्गहियंसि अभिक्खणं अभिक्खणं अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हज्जा, णिग्गंथे उग्गहंसि ओग्गहियंसि अभिक्खणं अभिक्खणं ओग्गहणसीलए सिय त्ति चउत्था भावणा।

अहावरा पंचमा भावणा- अणुवीइ मिओग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु, णो अणणुवीइ मिओग्गहजाई । केवली बूया- अणणुवीइ मिओग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु अदिण्णं ओगिण्हज्जा । से अणुवीइ मिओग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु, णो अणणुवीइ मिओग्गहजाइ त्ति पंचमा भावणा ।

५४ एतावताव तच्चे महव्वए सम्मं जाव आणाए आराहिए यावि भवइ । तच्चं भंते ! महव्वयं अदिण्णादाणाओ वेरमणं ।

५५ अहावरं चउत्थं भंते ! महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं मेहुणं । से दिव्वं वा माणुसं वा तिरिक्खजोणियं वा णेव सयं मेहुणं गच्छेज्जा, तं चेव, अदिण्णादाण- वत्तव्वया भाणियव्वा जाव वोसरामि ।

५६ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवन्ति-

तत्थिमा पढमा भावणा- णो णिग्गंथे अभिक्खणं अभिक्खणं इत्थीणं कहं कहइत्तए सिया । केवली बूया- णिग्गंथे अभिक्खणं अभिक्खणं इत्थीणं कहं कहेमाणे संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा । णो णिग्गंथे अभिक्खणं अभिक्खणं इत्थीणं कहं कहइत्तए सिय त्ति पढमा भावणा ।

अहावरा दोच्चा भावणा- णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं मणोरमाइं इंदियाइं आलोइत्तए णिज्झाइत्तए सिया । केवली बूया- णिग्गंथे णं इत्थीणं मणोहराइं मणोरमाइं इंदियाइं आलोएमाणे णिज्झाएमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं मणोरमाइं इंदियाइं आलोइत्तए णिज्झाइत्तए सिय त्ति दोच्चा भावणा ।

अहावरा तच्चा भावणा- णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सुमरित्तए सिया । केवली बूया- णिग्गंथे णं इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा । णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरित्तए सिय त्ति तच्चा भावणा ।

अहावरा चउत्था भावणा-णाइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो पणीयरस-भोयणभोई । केवली बूया- अइमत्तपाण- भोयणभोई से णिग्गंथे पणीयरसभोयणभोइ त्ति संतिभेया जाव भंसेज्जा । णाइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो पणीयरसभोयणभोइत्ति चउत्था भावणा ।

अहावरा पंचमा भावणा-णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सिया । केवली बूया- णिग्गंथे णं इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवेमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा । णो णिग्गंथे इत्थी-पसु-पंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सिय त्ति पंचमा भावणा ।

५७ एतावताव चउत्थे महव्वए सम्मं कारणं जाव आराहिए यावि भवइ । चउत्थं भंते ! महव्वयं मेहुणाओ वेरमणं ।

५८ अहावरं पंचमं भंते ! महव्वयं सव्वं परिग्गहं पच्चक्खामि । से अप्पं वा बहुं वा अणुं वा थूलं वा चित्तमंतं वा अचित्तमंतं वा णेव सयं परिग्गहं गेणहेज्जा, णेवण्णेहिं परिग्गहं गेण्हावेज्जा, अण्णं पि परिग्गहं गिण्हंतं ण समणुजाणेज्जा जाव वोसिरामि ।

५९ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवन्ति-

तत्थिमा पढमा भावणा- सोयओ णं जीवे मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा णो गिज्झेज्जा णो मुज्झेज्जा णो अज्झोववज्जेज्जा णो विणिग्घायमावज्जेज्जा । केवली बूया- णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ।

ण सक्का ण सोउं सद्दा, सोयविसयमागया ।

राग दोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥

सोयओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ त्ति पढमा भावणा ।

अहावरा दोच्चा भावणा- चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा जाव णो विणिग्घाय- मावज्जेज्जा । केवली बूया- णिग्गंथे णं

मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव भंसेज्जा ।

ण सक्का रूवमदद्दुं, चक्खूविसयमागयं ।
राग दोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥

चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ त्ति दोच्चा भावणा ।

अहावरा तच्चा भावणा- घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ, मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा । केवली बूया- णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव भंसेज्जा ।

ण सक्का ण गंधमग्घाउं, णासाविसयमागयं ।
राग दोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥

घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ त्ति तच्चा भावणा ।

अहावरा चउत्था भावणा- जिब्भाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्सादेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा । केवली बूया- णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा ।

ण सक्का रसमणासाउं, जीहाविसयमागयं ।
राग दोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥

जीहाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाहिं रसाइं अस्साएइ त्ति चउत्था भावणा ।

अहावरा पंचमा भावणा- फासाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेदेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा । केवली बूया- णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ।

ण सक्का ण संवेदेउं, फास विसयमागयं ।
राग दोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥

फासाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेदेइ त्ति पंचमा भावणा ।

६० एतावताव पंचमे महव्वए सम्मं काएणं फासिए पालिए तीरिए किट्टिए अवट्टिए आणाए आराहिए यावि भवइ ।

पंचमं भंते ! महव्वयं परिग्गहाओ वेरमणं ।

६१ इच्चेएहिं पंच महव्वएहिं पणवीसाहि य भावणाहिं संपण्णे अणगारे अहासुयं अहाकप्पं अहामग्गं सम्मं काएणं फासित्ता पालित्ता तीरित्ता किट्टित्ता आणाए आराहित्ता यावि भवइ ।

॥ पणरसमं अज्झयणं समत्तं ॥

सोलसमं अज्झयणं

विमुत्ति

- १ अणिच्चमावासमुवेति जंतुणो, पलोयए सोच्चमिदं अणुत्तरं ।
विउसिरे विण्णु अगारबंधणं, अभीरु आरंभपरिग्गहं चए ॥
- २ तहागयं भिक्खुमणंतसंजयं, अणेलिसं विण्णु चरंतमेसणं ।
तुदंति वायाहिं अभिद्धवं णरा, सरेहिं संगामगयं व कुंजरं ॥
- ३ तहप्पगारेहिं जणेहिं हीलिए, ससद्धफासा फरुसा उदीरिया ।
तितिकखए णाणि अदुद्धचेयसा, गिरिव्व वाएण ण संपवेवए ॥
- ४ उवेहमाणे कुसलेहिं संवसे, अकंतदुक्खी तस थावरा दुही ।
अलूसए सव्वसहे महामुणी, तहाहि से सुस्समणे समाहिए ॥
- ५ विऊ णए धम्मपयं अणुत्तरं, विणीयतण्हस्स मुणिस्स झायओ ।
समाहियस्सग्गिसिहा व तेयसा, तवो य पण्णा य जसो य वड्ढइ ॥
- ६ दिसोदिसिंसणंतजिणेण ताइणा, महव्वया खेमपया पवेइया ।
महागुरु णिस्सयरा उदीरिया, तमं व तेजो तिदिसं पगासया ॥
- ७ सिएहिं भिक्खू असिए परिव्वए, असज्जमित्थीसु चएज्ज पूयणं ।
अणिस्सिओ लोगमिणं तहा परं, ण मिज्जइ कामगुणेहिं पंडिए ॥
- ८ तहा विप्पमुक्कस्स परिण्णचारिणो, धिईमओ दुक्खखमस्स भिक्खुणो ।
विसुज्झइ जंसि मलं पुरेकडं, समीरियं रुपमलं व जोइणा ॥
- ९ से हु परिण्णासमयम्मि वट्ठइ, णिराससे उवरय मेहुणे चरे ।
भुजंगमे जुण्णतयं जहा चए, विमुच्चइ से दुहसेज्ज माहणे ॥
- १० जमाहु ओहं सलिलं अपारगं, महासमुद्धं व भुयाहिं दुत्तरं ।
अहे य णं परिजाणाहि पंडिए, से हु मुणी अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥
- ११ जहा हि बद्धं इह माणवेहिं, जहा य तेसिं तु विमोक्ख आहिए ।
अहा तहा बंधविमोक्ख जे विऊ, से हु मुणी अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥
- १२ इमम्मि लोए परए य दोसु वि, ण विज्जइ बंधणं जस्स किंचि वि ।
से हु णिरालंबणमप्पइट्ठिओ, कलंकलीभावपवंच विमुच्चइ ॥ त्ति बेमि ॥
॥ सोलसमं अज्झयणं समत्तं ॥

॥ बीओ सुयखंधो समत्तो ॥

॥ आचारं सुत्तं समत्तं ॥

Published By:

GLOBAL JAIN AAGAM MISSION

Pawandham, Mahavir Nagar,
Kandivali (W), Mumbai - 400 067